पश्चिम एशिया संकट से घबराए शेयर बाजार, तेज गिरावट जारी, 829 अंक लुढ़का सेंसेक्स - 12

निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों के लिए दावा प्रक्रिया सरल बनाएगा सेबी - 12

एलपीजी संकट : देश में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटा स्विगी-जोमैटो का कारोबार - 13

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना पसंद है : बुमराह - 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.24
सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 13 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 16, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

फरवरी में बढ़ी महंगाई, खुदरा मुद्रास्फीति 3.21% पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी में 2.74 प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। हालांकि, खुदरा मुद्रास्फीति अब भी आरबीआई के संतोषजनक दायरे में बनी हुई है।

फरवरी के ये मुद्रास्फीति आंकड़े हाल ही में जारी 2024 आधार वर्ष वाली नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला पर आधारित हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी महीने में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 3.47 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी में 2.13 प्रतिशत थी। इस दौरान सोना-चांदी और हीरे-प्लैटिनम के आभूषण, नारियल-खोपरा, टमाटर और फूलगोभी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। पिछले महीने ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 3.37 प्रतिशत रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.02 प्रतिशत रही।

बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में दो अफसरों की गोली मारकर हत्या

आरोपी अजय प्रताप सिंह गिरफ्तार, आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर कई दिनों से प्लांट पर चल रहा था विवाद

- कोतवाली दातागंज क्षेत्र में प्लांट के अंदर दोहरे हत्याकांड से मचा हड़कंप
- एडीजी, डीआईजी प्लांट पर पहुंचे, घटना के बारे में पूछताछ कर ली जानकारी

हर्षित मिश्रा (फाइल)

सुधीर मिश्रा (फाइल)

> गुरुवार दोपहर प्लांट के अधिकारी बैठक कर रहे थे। प्लांट से निकाला गया पूर्व कर्मचारी वहां पहुंचा और दोनों अधिकारियों को गोली मार दी। घायल अधिकारियों को सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई की जा रही है।
> **- डॉ. बृजेश कुमार सिंह**, एसएसपी।

संवाददाता, दातागंज/बदायूं

अमृत विचार : बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) प्लांट के पूर्व कर्मचारी ने कार्यालय के भीतर घुसकर प्रबंधक और उप प्रबंधक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। हमले के समय दोनों अधिकारी बैठक कर रहे थे। पुलिस ने हमले के आरोपी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। एडीजी और डीआईजी ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। घटना से प्लांट में दहशत का माहौल है। सुरक्षा कारणों से पुलिस किसी को भी प्लांट के अंदर नहीं जाने दे रही है। एसएसपी ने मामले में इंस्पेक्टर मूसाझाग और हल्का इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया है मामले की जांच सीओ को सौंपी है।

बदायूं में दातागंज तहसील क्षेत्र के डहरपुर कलां- म्याऊं मार्ग पर स्थित गांव सैंजनी में एचपीसीएल का कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट है, जहां पराली से हर दिन 14 मीट्रिक टन ईंधन का उत्पादन होता है।

नोएडा सेक्टर 50 के सिल्वर एस्टेट अपार्टमेंट के ब्लॉक दो निवासी सुधीर गुप्ता (57) पुत्र दया किशन प्लांट पर प्रबंधक और जिला पीलीभीत के थाना पूरनपुर के वार्ड तीन के मोहल्ला साहूकारा निवासी हर्षित मिश्रा (32) पुत्र सुशील कुमार प्लांट पर उप प्रबंधक पद पर तैनात थे। आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर उनका कुछ दिनों से गांव सैंजनी निवासी अजय प्रताप सिंह से कुछ महीनों से विवाद चल रहा था।

गड़बड़ियों पर उसे प्लांट से बाहर कर दिया गया था। जिससे वह रंजिश मान बैठा था। उसके खिलाफ प्रबंधन ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। बौखलाकर वह गुरुवार दोपहर लगभग दो बजे प्लांट के भीतर पहुंचा और कार्यालय में बैठक कर रहे दोनों अधिकारियों को गोली मार दी। हमले में दोनों सुधीर गुप्ता और हर्षित मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद कर्मचारी घायल अफसरों को तुरंत सीएचसी दातागंज ले गए, लेकिन उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी। दोहरे हत्याकांड से प्लांट पर अफरातफरी के हालात बन गए।

सूचना पर एडीजी जोन बरेली रमित शर्मा, डीआईजी बरेली अजय साहनी, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए और घटना के सम्बंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने कुछ ही देर बाद आरोपी अजय प्रताप को गिरफ्तार भी कर लिया। उससे पूछताछ जारी है।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम बंगाल को देंगे 18,680 करोड़ रुपये की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मार्च को कोलकाता से पश्चिम बंगाल को लगभग 18,680 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उपहार देंगे। इन परियोजनाओं में सड़क, रेलवे, बंदरगाह और जहाजरानी से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी 420 किलोमीटर से अधिक लंबाई वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनकी लागत करीब 16,990 करोड़ रुपये है। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-19 और एनएच-114 के कई हिस्से शामिल हैं।

रुपया 24 पैसे टूटकर 92.25 प्रति डॉलर के सर्वकालिक नीचे आया

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 24 पैसे लुढ़ककर 92 .25 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में जबर्दस्त तेजी तथा विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये में यह तेज गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92 .25 प्रति डॉलर पर खुला।

ईराक में अमेरिकी टैंकर को ईरान ने उड़ाया मोजतबा बोले- खून का बदला लेकर रहेंगे

पिता अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद सर्वोच्च पद संभाल रहे बेटे का पहला बयान आया सामने

- कहा- होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का इस्तेमाल दबाव के लिए होना चाहिए
- इराक में अमेरिकी टैंकर पर हुए हमले में एक भारतीय की मौत

तेहरान, एजेंसी

ईरान के नवनियुक्त और तीसरे सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कार्यभार संभालने के बाद राष्ट्र के नाम अपने प्रथम संदेश में कहा है कि इजराइल-अमेरिका हमले में मारे गये ईरानियों की मौत का बदला लिया जाएगा और ईरान पड़ोसी देशों में बने अमेरिकी ठिकानों पर हमले करना जारी रखेगा।

सर्वोच्च नेता ने अपने संदेश में संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों का जिक्र करते हुए कहा, ईरान अपने शहीदों के खून का बदला लेने से पीछे नहीं हटेगा। इससे पूर्व बुधवार देर रात ईराक के खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास बुधवार को एक अमेरिकी तेल टैंकर पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। ईरान की एक सुसाइड बोट ने इस टैंकर को निशाना बनाया। हमले के समय जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। मोजतबा खामेनेई ने मिनाब के बालिका विद्यालय पर हुए अमेरिकी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाली 168 बालिकाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान की सैन्य रणनीति केवल बचाव तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ, तो ईरान मौजूदा संघर्ष के बीच अन्य मोर्चे भी खोल सकता है, जो पूरे क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी है। खामेनेई का संदेश लिखित था और इसे सरकारी टीवी पर महिला एंकर ने पढ़कर सुनाया। खामेनेई ने कहा, होर्मुज स्ट्रेट को बंद रखा जाना चाहिए। इसे दुश्मनों पर दबाव बनाने का प्रभावी जरिया बताया।

ईरान के हमले के बाद आग का गोला बन गया अमेरिकी जहाज।

भारत समेत 130 देशों ने ईरान के पड़ोसी मुल्कों पर हमलों की निंदा की, चीन-रूस ने बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद के देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ ईरान द्वारा किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है, सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की। अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थायी सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। (विस्तृत देश-दुनियां पर)

पड़ोसियों से मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है ईरान : मोजतबा

मोजतबा ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है और उसका लक्ष्य केवल वे अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं, जहां से ईरान के खिलाफ हमले किये जा रहे हैं। संदेश में इस बात का कोई संकेत नहीं दिया गया कि नये सर्वोच्च नेता वर्तमान में कहां हैं, या उनकी स्वास्थ्य और शारीरिक स्थिति कैसी है। कुछ समाचारों में उन्हें घायल बताया गया था। खामेनेई का बयान ऐसे समय में आया है, जब इजराइल और अमेरिका का ईरान के साथ टकराव 13वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इनके बीच तनाव चरम पर है।

होर्मुज से होकर एक तेल टैंकर मुंबई पहुंचा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत के लिए कच्चा तेल लेकर आ रहा एक विदेशी ध्वज वाला टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सकुशल पार कर मुंबई पहुंच गया है, जबकि एक अन्य बड़ा टैंकर भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर ओडिशा के पारादीप बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा है। यह जानकारी जहाज निगरानी आंकड़ों और उद्योग सूत्रों से मिली है। क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण जलडमरूमध्य से टैंकर की आवाजाही काफी हद तक प्रभावित हुई है।

इजराइल का तेहरान के परमाणु केंद्र पर बड़ा हमला

इजराइली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसने कुछ दिन पहले ईरान की राजधानी तेहरान स्थित 'तालेघन' परमाणु केन्द्र पर बड़ा हमला किया है। इजराइल का कहना है कि ईरान इस केन्द्र का इस्तेमाल अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने और परमाणु हथियार विकसित करने के लिए कर रहा था। पिछले कुछ दिनों के भीतर तालेघन परिसर को निशाना बनाया गया है। आरोप है कि इस केंद्र का उपयोग में उन्नत विस्फोटकों को विकसित करने और अमाद प्रोजेक्ट से संबंधित प्रयोगों के लिए किया जा रहा था।

ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद कर रही सरकार : जायसवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों ने तीन बार बातचीत की
- कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत और कूटनीति से शांति बहाली पर दिया है जोर

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद कर रही है। जो भारतीय अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते वापस भारत आना चाहते हैं, उन्हें वीजा दिलाने और जमीन के रास्ते सीमा पार कराने में भी सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे या अभी भी हैं। इनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर लोग और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं। कई भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, देश छोड़कर वापस भारत पहुंच चुके हैं।

जायसवाल ने कहा कि भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री अपने ईरानी विदेशमंत्री के साथ लगातार संपर्क में हैं। युद्ध का असर हर जगह दिखाई दे रहा है और इससे कई देशों के लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष का असर केवल एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के कई देशों और लोगों पर पड़ रहा है। जायसवाल ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी देशों के कई नेताओं से बातचीत की है। प्रधानमंत्री ने संवाद और कूटनीति के जरिए जल्द शांति बहाल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बातचीत में नागरिकों को होने वाले नुकसान से बचाने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक खाड़ी सहयोग परिषद देशों में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है, इसलिए उनकी सुरक्षा और कल्याण भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने कई मामलों में देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की भी निंदा की है।

किसी भी हाल में खाद्यान्न-एलपीजी की आपूर्ति न हो प्रभावित : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री ने कहा- अफवाहों पर न दें ध्यान सरकार की सभी व्यवस्थाओं पर निगाह
- एसईओसी से राज्य में खाद्य एवं रसद व्यवस्था की निगरानी करेंगे 26 अधिकारी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए तथा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। सरकार सभी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने खाद्य एवं रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र (एसईओसी) देहरादून में 26 अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है। सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है। साथ ही, खाद्य एवं रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी एवं विशेषज्ञ एसईओसी में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य एवं रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से प्रदेश में खाद्य एवं रसद आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में सहूलियत मिलेगी।

सदन में गूंजा मामला, पीठ के निर्देश

देहरादून : विस सत्र के चौथे दिन सदन में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत का मामला विपक्ष ने उठाया। विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने सरकार और प्रशासन को जमाखोरी व ब्लैक मार्केटिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। संसदीय कार्य मंत्री ने सदन को बताया कि वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां सामने आ रही हैं। आमजन को एलपीजी की सुचारू सप्लाई के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अभिभावक बना सकेंगे 13 साल से छोटे बच्चों का व्हाट्सएप खाता

- अभिभावकों की निगरानी में इस मंच का इस्तेमाल करने की होगी अनुमति

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले संदेश मंच व्हाट्सएप ने 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अभिभावक नियंत्रित खाते शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत अभिभावकों की कड़ी निगरानी में छोटे बच्चों को इस मंच का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी।

यह कदम संदेश मंच की नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि अब तक इस मंच के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा 13 वर्ष (कुछ क्षेत्रों में इससे अधिक) रखी गई थी। व्हाट्सएप ने ब्लॉग में कहा, परिवारों व विशेषज्ञों से मिले सुझावों के आधार पर अभिभावक-नियंत्रित खातों की नई व्यवस्था शुरू की जा रही है।

सीईसी को हटाने के लिए 200 सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने किए हस्ताक्षर, आज संसद में पेश किया जा सकता है प्रस्ताव

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए 200 से अधिक सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्र के अनुसार, लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नोटिस शुक्रवार को संसद के सदन में पेश किए जाने की संभावना है।

विपक्ष के एक नेता ने बताया कि सांसदों ने नोटिस को लेकर उत्साह दिखाया और आवश्यक संख्या पूरी हो जाने के बाद भी गुरुवार को कई सांसदों हस्ताक्षर किए। नियमों के अनुसार, सीईसी को हटाने के लिए नोटिस पर लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं। एक अन्य सूत्र के अनुसार, नोटिस पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के सभी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि पार्टी अब आधिकारिक रूप से इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए इस तरह का नोटिस दिया गया है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण, चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना जैसे आरोप शामिल हैं।

शीर्ष टिप्पणी

देहरादून में निर्माणाधीन 'सैन्य धाम' के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

जो लोग कर्तव्य निभाते शहीद हुए हैं, उनका सम्मान करना चाहिए

- कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट को इस याचिका को जुर्माने के साथ खारिज करना चाहिए था, हम कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष न्यायालय ने देहरादून में निर्माणाधीन युद्ध स्मारक के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि जो लोग कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए हैं, उनका सम्मान करना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची व न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से पूछा, क्या आपको एक युद्ध स्मारक के निर्माण से समस्या है? सर्वोच्च न्यायालय उत्तराखंड हाईकोर्ट के जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि देहरादून जिले में बनाए जाने वाले युद्ध स्मारक सैन्य धाम के लिए जो भूमि तय की गई है, वह वन भूमि है और इसलिए वहां निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सीजेआई ने कहा, जिन्होंने देश के लिए जान कुर्बान कर दी, उनके प्रति कम से कम कुछ सम्मान तो होना चाहिए। हाईकोर्ट को इस याचिका को जुर्माने के साथ खारिज करना चाहिए था। कहा कि हम उसे (याचिकाकर्ता को) कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उसे आकर बताना होगा और हम यह जांच करेंगे कि वह किसके कहने पर यह याचिका दायर कर रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि युद्ध स्मारक का निर्माण भी वहां ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, ये सब शरारतपूर्ण तरीके से दायर की गई रिट याचिकाएं हैं, और वकील से पूछा कि याचिकाकर्ता पर कितना जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने कहा था- याचिकाकर्ता का आधार कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है

उत्तराखंड हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि राज्य सरकार भूमि की वास्तविक प्रकृति का पता लगाए बिना देहरादून में युद्ध स्मारक का निर्माण कर रही है। राज्य की ओर से पेश वकील ने संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए हाईकोर्ट को बताया था कि राजस्व एवं वन विभाग दोनों अधिकारियों द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण किया गया था। अधिवक्ता ने कहा कि संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित भूमि वन भूमि का हिस्सा नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध स्मारक के निर्माण के लिए भूमि आवंटन पर वन विभाग को कोई आपत्ति नहीं है। राज्य के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि युद्ध स्मारक का निर्माण वर्ष 2021 में शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चूंकि वन विभाग ने भूमि का निरीक्षण कर प्रमाणित कर दिया है कि यह वन भूमि का हिस्सा नहीं है इसलिए युद्ध स्मारक के निर्माण को चुनौती देने का याचिकाकर्ता का आधार कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।

स्टेट ब्रीफ

सीएम ने दी 44.64 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के तहत जन सुविधाओं के विकास, आपदा न्यूनीकरण के प्रयासों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ पार्किंग, सामुदायिक भवनों के निर्माण, विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास आदि के लिए 44.64 करोड़ रुपए की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। सीएम ने ब्लॉक स्तर पर लोक स्वास्थ्य इकाईयों की वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु अनुमोदित कार्ययोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 मे 1.62 करोड़ की धनराशि अवमुक्त करने का अनुमोदन प्रदान किया है।

हरिद्वार कुम्भ की तैयारियों की समीक्षा

हरिद्वार : हरिद्वार में 2027 में होने वाले कुम्भ मेला का आयोजन सुचारू रूप से करने के लिए मेला प्रशासन ने सड़क और रेल यातायात से जुड़ी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को मेला अधिकारी सोनिका ने कुम्भ मेला नियंत्रण भवन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कुम्भ क्षेत्र की सड़कों, चौराहों और रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्य, सड़क चौड़ीकरण, मरम्मत तथा यातायात प्रबंधन की समीक्षा की गई। मेला अधिकारी ने निर्देश दिए कि कुम्भ क्षेत्र से जुड़े सभी मार्गों के निर्माण और सुधार कार्य तय समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

डीजीपी सेठ ने किया जवानों से सीधा संवाद

भराड़ीसैंण : उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए तैनात पुलिस बल का मनोबल बढ़ाने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दीपम सेठ पहुंचे और ड्यूटी पर तैनात जिला पुलिस, पीएसी, एसडीआरएफ, फायर, अभिसूचना और आईआरबी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सीधा संवाद किया। डीजीपी ने विषम भौगोलिक परिस्थितियों में कर्तव्य निभा रहे पुलिस जवानों से उनकी चुनौतियों, ड्यूटी से जुड़ी कठिनाइयों तथा व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने कहा कि भराड़ीसैंण की भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और सत्र के दौरान प्रदर्शन जैसी स्थितियों के कारण सुरक्षा व्यवस्था और अधिक संवेदनशील हो जाती है। इसके बावजूद यहां तैनात पुलिसकर्मी पूरी तत्परता, अनुशासन और प्रशिक्षण के साथ हर परिस्थिति का डटकर सामना करते हैं, जो सराहनीय है। उन्होंने जवानों के हर परिस्थिति में सजग रहने की भी काफी तारीफ की।

मेधावी छात्रों का पूरा ध्यान, छात्रवृत्ति योजना 'वरदान'

मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में लाभान्वित हुए सर्वाधिक बच्चे, सदन में शिक्षा मंत्री ने दी जानकारी

21 हजार से ज्यादा बच्चों को मिल चुका है लाभ अभी तक

17 .67 करोड़ से ज्यादा की छात्रवृत्ति राज्य सरकार ने बांटी

प्रमुख संवाददाता, गैरसैंण

अमृत विचार: प्रदेश के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए धामी सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है। यही वजह है कि अभी तक प्रदेश के 21 हजार 743 बच्चों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में सबसे ज्यादा 17 हजार 852 मेधावी बच्चे लाभान्वित हुए हैं। सरकार ने समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के पात्र मेधावी बच्चों में अभी तक 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ की धनराशि वितरित की है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सदन में एक सवाल पर बताया कि, प्रदेश में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के साथ ही डॉ. शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना, श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कोर छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है।

इसके अलावा, प्रदेश से बाहर के सैनिक स्कूल में पढ़ रहे मेधावी छात्रों को भी धामी सरकार छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान कर रही है।मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में छह से 12 वीं तक के मेधावी बच्चों को 600 से लेकर 1200 रूपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 3289 मेधावी बच्चें लाभान्वित हुए हैं, जबकि डॉ. शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 527 बच्चों को छात्रवृत्ति मिली हैं।

भराड़ीसैंण में विधानसभा के बजट सत्र में प्रतिभाग करने के लिए सदन में जाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ।

उत्तराखंड में 169 भूकम्प चेतावनी सेंसर स्थापित

भराड़ीसैंण : उत्तराखंड में भूकम्प चेतावनी प्रणाली (ईईडब्ल्यूएस) के तहत 169 सेंसर स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में सभी सेंसर संचालनशील है लेकिन राज्य की विषम स्थलाकृति (क्रिटिकल टोपोग्राफी) और कई सेंसरों के दूर-दराज स्थानों में स्थापित होने के कारण विद्युत बाधित होने पर कुछ सेंसरों से सिग्नल प्राप्त होना बन्द हो जाता है। राज्य में अकार्यरत सेंसरों की संख्या प्रतिदिन परिवर्तित होती रहती है, जिसको आईआईटीआर के तकनीकी टीम द्वारा सुचारू करने का प्रयास अनवरत रूप से किया जाता है। संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने गुरुवार को यह जानकारी कांग्रेस के काजी निजामुद्दीन द्वारा विधानसभा सत्र के चौथे दिन पूछे गए एक अल्पसूचित प्रश्न के उत्तर में दी जबकि कांग्रेस के ही प्रीतम सिंह द्वारा इस पर आए व्यय पर पूछे सवाल पर उन्होंने बताया कि इस पर 115 करोड़ रुपए व्यय हुआ। उनियाल ने सदन को बताया कि नेशनल अर्थक्योइक रिस्क मिटिगेशन प्रोग्राम परियोजना के तहत सेन्सरों की संख्या को 500 तक बढ़ाया जाना प्रस्तावित है, जो प्रमुख फॉल्ट थ्रस्ट क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर स्थापित किया जाना है। उन्होंने बताया कि जिसमें हिमालयन फ्रंटल थ्रस्ट, मैन सेंट्रल थ्रस्ट और संवेदनशील क्षेत्रों जैसे उत्तराखंड-नेपाल सीमा और हिमाचल प्रदेश-उत्तराखंड सीमा शामिल है। सेंसरों की वास्तविक स्थिति परियोजना की स्वीकृति होने पर भौगोलिक सर्वेक्षण (जियोलॉजिकल सर्वे) के आधार पर सुनिश्चित की जाएगी।

मिलावटखोरों पर और कसेगा सरकारी शिकंजा

मुख्य संवाददाता, भराड़ीसैंण

- हर माह एक सप्ताह का विशेष अभियान चलेगा, स्टाफ की कमी भी होगी दूर

अमृत विचार: जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों पर सरकार का शिकंजा अब और कसेगा।

त्योहारों के समय ही नहीं, बल्कि हर माह में एक सप्ताह खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए विशेष अभियान चलेगा। इसके अलावा, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में स्टाफ की कमी को भी दूर किया जाएगा।

विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को राज्य सरकार की तरफ से साफ किया गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कतई बख्शा न जाए। राज्य में खाद्य पदार्थों की जांच का काम तेजी से चल रहा है। इसकी गति और तेज की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सदन को जानकारी दी कि, हाट-मेलों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को खास तौर पर चेक किया जाएगा।

खाद्य पदार्थों की जांच -दो वर्ष का हिसाब

वर्ष 2023-24
खाद्य पदार्थों के 1627 नमूने लिए, इनमें से 171 फेल, 171 वाद पंजीकृत हुए

वर्ष 2024-25
खाद्य पदार्थों के 1684 नमूने लिए, इनमें से 159 फेल, 159 वाद दायर हुए

दूर होगी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी

राज्य में वर्तमान में 28 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार ने लोक सेवा आयोग को अधियाचन भेजा है। सरकार का कहना है कि आयोग से भर्ती प्रक्रिया में यदि देर होती है, तो प्रतिनियुक्ति के जरिये भी इन पदों को भरने का प्रयास किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के खाली पदों को जल्द से जल्द भरने के लिए सरकार प्रयासरत है। देहरादून में टेस्टिंग लैब का कार्य आगामी 31 मार्च तक पूरा हो जाएगा।

दून में सघन अभियान 49 संदिग्ध हिरासत में

देहरादूनः ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत राजधानी में लक्ष्मण चौक क्षेत्र अंतर्गत गांधी ग्राम, न्यू पार्क रोड, गुरूद्वारा रोड तथा मालवीय नगर क्षेत्र में पुलिस तथा एसओजी की संयुक्त टीमों ने व्यापक स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया।

अभियान के दौरान सम्पूर्ण क्षेत्र में पुलिस द्वारा 469 व्यक्तियों के सत्यापन की कार्यवाही की गई तथा किरायेदारों का सत्यापन न कराने वाले 92 मकान मालिकों के विरूद्ध 83 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए उन पर 9.20 लाख रुपए का जुर्माना किया गया। इस दौरान क्षेत्र में संदिग्ध रूप से रह रहे 49 व्यक्तियों को धारा 172 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लेकर पूछताछ हेतु थाने पर लाया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले 49 व्यक्तियों का 81 पुलिस एक्ट के अन्तर्गत चालान करते हुए 12250 रुपए का जुर्माना वसूला गया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि, राजधानी देहरादून सत्यापन अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

सवालों से गरमाया सदन बजट पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रमुख संवाददाता, भराड़ीसैंण

अमृत विचार: बजट सत्र का चौथा दिन सवालों की बौछार के नाम रहा। बजट पर विधायकों ने चर्चा की। देर शाम विस अध्यक्ष ने सदन को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

प्रश्नकाल के दौरान माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य पदार्थों में मिलावट और शिक्षा विभाग की योजनाओं पर सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने सवाल किए, जिनके संबंधित मंत्रियों ने जवाब दिए। अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती, कांग्रेस विधायक मयूख मेहर, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश, धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, भाजपा विधायक सुरेश गढ़िया ने सवाल पूछे। वहीं, एलपीजी सिलेंडर के संकट को लेकर उठाए सवाल पर विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने निर्देश दिए कि गैस अत्यंत आवश्यक वस्तु है इसलिए सरकार और प्रशासन को इसकी जमाखोरी, डायवर्जन और ब्लैक मार्केटिंग के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। आम जन को आवश्यक वस्तुओं की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार व प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सदन में गूंजा एलपीजी संकट, सरकार ने किया आश्वस्त

- संसदीय कार्य मंत्री बोले- कालाबाजारी नहीं होने देंगे, सरकार सतर्क

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: एलपीजी सिलेंडर की गूंज गुरुवार को गैरसैंण विधानसभा में सुनी गई। सरकार ने जवाब दिया कि कालाबाजारी नहीं होने देंगे। सरकार कड़े उपाय कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने यह मामला उठाया। संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने जवाब दिया कि, यह सेंट्रल सब्जेक्ट है तो इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि वे पहले ही कह चुके हैं कि घरेलू सिलेंडर पर कोई रोक नहीं है केवल कॉमर्शियल पर रोक है। सरकार इससे निपटने के लिए जलौनी लकड़ी समेत सभी वैकल्पिक इंतजाम कर रही है लेकिन विपक्ष इस पर चर्चा कराने की मांग पर अड़ा रहा। हंगामे के बीच विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने सदन को स्थगित कर दिया।

करीब पौन घंटे बाद सदन की कार्यवाही शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष की तरफ से फिर से उठाए सवाल में कहा गया कि, राज्य में करीब 359 गैस एजेंसियां, 29 लाख घरेलू और 55 हजार व्यावसायिक कनेक्शन हैं। देहरादून में करीब 70 एजेंसी और करीब 19627 व्यावसायिक कनेक्शन हैं।

घरेलू व व्यावसायिक सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पाने से लोग परेशान हैं। पहाड़ की स्थिति और विकट है। स्थिति भयावह है और हाहाकार मचा है। विधायक सुमित हृदयेश ने राज्य के हॉस्टलों में रह रहे बच्चों के संरक्षण की बात कही।

संसदीय कार्य मंत्री ने सदन को बताया कि यह वैश्विक परिस्थितियां हैं। सरकार इसको लेकर पूरी तरह से संवेदनशील है। सरकार एलपीजी सिलेंडर की सुचारू आपूर्ति के हर प्रयास कर रही है। मुख्य सचिव ने सभी डीएम के साथ बैठक कर कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने के कड़े निर्देश दिए हैं। नैनीताल जिले में तीन एफआईआर भी हुई हैं।

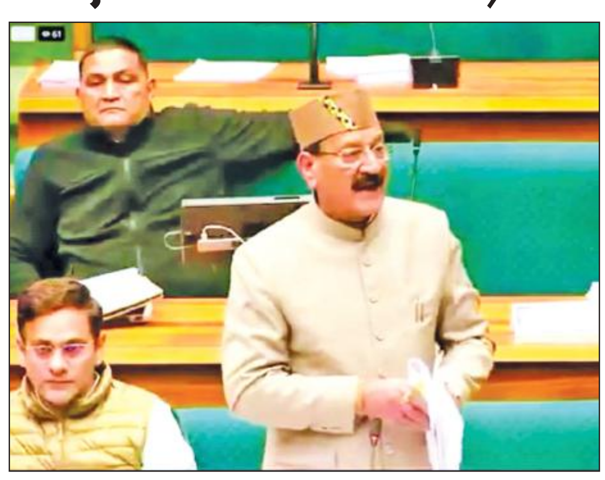

भराड़ीसैंण विधानसभा में सत्र के दौरान एलपीजी मुद्दे पर जवाब देते संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल और इस विषय पर चर्चा में प्रतिभाग करते विपक्ष के सदस्य।

सरल न्यायिक प्रक्रिया को बीएनएसएस में 'प्ली बार्गेनिंग' का हुआ प्राविधान

देहरादूनः केंद्र द्वारा न्याय प्रणाली को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने तथा अदालतों में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' का प्राविधान किया गया है।

इस संबंध में केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा सभी मुख्य सचिवों को प्रेषित पत्र का उल्लेख करते हुए संयुक्त सचिव, उत्तराखंड शासन गजेन्द्र सिंह कफलिया द्वारा उत्तराखंड के पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था सहित सभी संबंधित अधिकारियों और विभागों को प्रेषित पत्र में अपेक्षा की है कि जनहित में बीएनएसएस 2023 के अंतर्गत प्ली बार्गेनिंग के प्राविधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए ताकि प्राविधानों को और अधिक गति मिल सके तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सरल, त्वरित और प्रभावी बनाया जा सके।

गैस की जमाखोरी-कालाबाजारी पर सीधे जेल होगी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- डीएम देहरादून सविन बंसल ने समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिलाधिकारी सविन बंसल ने जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के संबंध में तेल कंपनियों के पदाधिकारियों और गैस एजेंसी के संचालकों के साथ समीक्षा बैठक में कड़ा रुख अपनाया।

घरेलू और व्यावसायिक गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एलपीजी गैस अवैध संग्रहण और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए अब सीधे जेल होगी और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 व बीएनएस के प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई होगी।

देहरादून में 72 की 72 गैस एजेंसियों के गोदामों की लोकेशन प्रशासन के रडार पर रहेगी। जिला पूर्ति अधिकारी रोजाना आपदा कंट्रोल रूम में तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों समेत रोजाना 1 घंटे वितरण, स्टॉक बैकलॉग की सूचना और एलपीजी संबंधी प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करेंगे। डीएम ने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में सीओ, पूर्ति निरीक्षकों के साथ गैस एजेंसियों पर छापेमारी के निर्देश दिए।

58 स्थानों पर छापेमारी 4 एफआईआर

देहरादून : राज्य में एलपीजी एवं ईंधन की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से प्रदेशभर में व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य आयुक्त ने गुरुवार को बताया कि 10-12 मार्च तक इन तीन दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में 280 निरीक्षण किए गए। 58 स्थानों पर छापे मारे गए। चार एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। अभियान के दौरान अवैध भंडारण एवं दुरुपयोग के मामलों में 74 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। 1 वजन माप उपकरण तथा दो रिफिलिंग किट भी जब्त की गई। विभाग ने अनियमितताओं पर 4600 रुपये का अर्थदंड भी वसूला है।

रसोई गैस के दाम कम करे सरकार: ज्योति

देहरादून : महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है कि रसोई गैस की कीमतों में तत्काल कमी की जाए और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। यदि सरकार जल्द ही इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाती है, तो जनता के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा। पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि, आज महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है।

सुनवाई — सरकार को एक माह में प्रगति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश

हल्दूचौड़ अस्पताल में सुविधाओं की कमी पर हाईकोर्ट सख्त

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने हल्दूचौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से एक माह के भीतर प्रगति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई एक माह बाद तय की है।

खंडपीठ में हल्दूचौड़ निवासी गोविंद बल्लभ भट्ट की ओर से दायर जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई और आदेश की प्रति गुरुवार को मिली। सुनवाई के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी की ओर से रिपोर्ट पेश की गई और कहा गया कि सभी पदों को भर दिया गया है और एक्स-रे मशीन अप्रैल तक काम करना शुरू कर देगी जबकि याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाओं का अभाव है। एक्स-रे तकनीशियन मौजूद नहीं है। चिकित्सकों के पद भी नहीं भरे गए हैं और न ही आवश्यक पद सृजित किए गए हैं। अतिरिक्त पद सृजित करने के संबंध में महानिदेशक स्वास्थ्य को पत्र भेजा गया था लेकिन अभी तक पर्याप्त पद स्वीकृत नहीं किए गए हैं। इस पर अदालत ने राज्य सरकार से एक माह में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दे दिए।

पर्यावरण मित्रों की हड़ताल पर हाईकोर्ट सख्त

नैनीताल : ऊधमसिंह नगर की सुल्तानपुर पट्टी में पर्यावरण मित्रों की हड़ताल के कारण शहर में फैली गंदगी को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने नगर पंचायत को समस्या के जल्द समाधान निकालने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई के लिए एक सप्ताह बाद की तिथि नियत की गई है। सुल्तानपुर पट्टी निवासी साजिद हुसैन ने दायर याचिका में कहा कि स्थानीय नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी विगत सात मार्च से हड़ताल पर हैं, जिसके कारण शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। सड़कों और गलियों में फैली गंदगी के चलते मानव जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। याचिका में यह भी कहा गया कि गर्मियों के मौसम में गंदगी के कारण बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है इसलिए नगर पंचायत को कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए जाएं ताकि सफाई व्यवस्था जल्द बहाल हो सके और आम लोगों को राहत मिल सके।

आपराधिक अवमानना की कार्यवाही की तैयारी

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ लिमिटेड देहरादून के गोदाम के किराए के अनुबंध पत्र में छेड़छाड़ कर 3 वर्ष की जगह 30 वर्ष करने के मामले पर सुनवाई के बाद किराएदार को नोटिस जारी कर कहा है कि क्यों नहीं आपके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए। इस मामले में 27 मार्च तक अपना पक्ष प्रस्तुत करें। मामले के अनुसार योगेश प्रसाद निवासी नैनीताल ने हाईकोर्ट में याचिका में कहा कि उनके द्वारा सहकारी संघ की हल्द्वानी स्थित रोजिन फैक्ट्री का गोदाम 30 अगस्त 2006 को 30 वर्ष के अनुबंध पर किराए पर लिया था लेकिन अब संघ इन गोदामों का दोबारा टेंडर कर रही है। कोर्ट ने सहकारी संघ के अधिवक्ता ललित सामन्त से पूछा तो उनके द्वारा कोर्ट में अनुबंध पत्र पेश कर बताया गया कि यह अनुबंध पत्र 3 साल के लिए है इस अनुबंध पत्र में छेड़छाड़ कर 3 साल की जगह 30 साल किया गया।

जीएसटी ट्रिब्यूनलः दो हफ्ते में दें जवाब

नैनीतालः हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने टैक्स बार एसोसिएशन हल्द्वानी द्वारा हाईकोर्ट परिसर नैनीताल में जीएसटी न्यायाधिकरण की स्थापना की मांग को लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। इस मामले में केंद्र सरकार द्वारा कहा गया कि हाईकोर्ट नैनीताल में जीएसटी न्यायाधिकरण की पीठ की स्थापना के लिए अंतिम निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया जाना है जबकि राज्य सरकार के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट से नैनीताल में जीएसटी न्यायाधिकरण की सर्किट बेंच की स्थापना के लिए राज्य सरकार द्वारा की जा रही कार्यवाही की जानकारी देने के लिये समय मांगा। जिस पर हाईकोर्ट ने सरकार को दो हफ्ते का समय दिया है।

अपराधियों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाईः सेठ

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः भराड़ीसैंण में डीजीपी दीपम सेठ ने गुरुवार को फ्रंटलाइन फील्ड पुलिस अधिकारियों से वन-टू-वन संवाद करते हुए कानून-व्यवस्था की चुनौतियों के बीच मजबूत कमांड लीडरशिप का संदेश दिया।

डीजीपी ने भराड़ीसैंण में राजपत्रित अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में कानून-व्यवस्था, सत्यापन अभियान, नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पुलिस नेतृत्व से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए गए।

पुलिस महानिदेशक सेठ ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में अच्छे चरित्र वाले और अन्य राज्यों से आने वाले लोगों का स्वागत है, किन्तु संदिग्ध अथवा आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कर उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेडिकल स्टोर, केमिस्ट व फार्मेसी संचालित करने वालों का भी अनिवार्य सत्यापन कराया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या दवाओं के दुरुपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

सिटी ब्रीफ

श्री रंगीला श्याम महोत्सव आज

हल्द्वानी : श्री श्याम महिला व मित्र मंडल एवं श्री श्याम सखी मंडल की ओर से आज शाम 6:30 बजे से श्री रामलीला मैदान में श्री रंगीला श्याम महोत्सव एवं भजन संध्या आयोजित की जा रही है। इसमें शीश के दानी की अमर कथा, नृत्य नाटिका, चुनरी उत्सव, अखंड ज्योति श्री श्याम रसोई 56 भोग के कार्यक्रम होंगे। इसमें कोलकाता के भजन गायक केशव मधुकर सुंदर भजनों की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से भजन संध्या में पहुंचने की अपील की है।

राज्य आंदोलनकारी मंच की बैठक आज

हल्द्वानी : उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि राज्य आंदोलनकारियों की बैठक आज 12 बजे तिकोनिया स्थित लोनिवि विश्राम गृह में होगी। इसमें पेंशन वृद्धि, राज्यआंदोलनकारियों को दिया गया 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण व सीएम पुष्कर सिंह धामी की ओर से राज्यआंदोलनकारियों का टैक्स माफ करने की घोषणा को लागू करवाने को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। अंत में एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

पति का किसी और से अफेयर, पत्नी को दी जान की धमकी

हल्द्वानी : बनभूलपुरा थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी को ढाई साल हो गए हैं। शादी के बाद से पति उसके साथ आए दिन मारपीट करता है। इसकी वजह यह है कि पत्नी का किसी और के साथ अफेयर चल रहा है और पति उसी के साथ शादी की जिद पर अड़ा है। पति लगातार पत्नी को जान से मार डालने की धमकी दे रहा है। कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

भैरव चौक पर दुकान से कई मोबाइल हुए चोरी

हल्द्वानी : शातिरों ने एक मोबाइल की दुकान से कुछ मोबाइल फोन चोरी कर लिए। राजेंद्र नगर वार्ड 13 राजपुरा निवासी सुमित कुमार पुत्र नरेश चंद्र ने मंगलपड़ाव चौकी पुलिस को बताया कि उनकी भैरव चौक रामलीला ग्राउंड के पास मोबाइल की दुकान है। सुमित का कहना है कि 9 मार्च की रात उनकी दुकान में चोरी गई। दुकान में घुसे चोरों ने रिपेयरिंग के लिए आए चार मोबाइल फोन चोरी कर लिए। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ज्योति के साथ सुनीता भट्ट की रात भी गुजरी हवालात में, 23 घंटे तक हवालात से निकालने की लगाती रही गुहार

मच्छरों ने रातभर नोंचा, फूट-फूटकर रोईं ज्योति अधिकारी व सुनीता भट्ट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हल्द्वानी की चौपाटी में ब्लॉगर ज्योति अधिकारी और सुनीता भट्ट के बीच जुबानी जंग और मारपीट के बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। दोनों को काठगोदाम थाने की एक ही हवालात में बंद कर दिया गया। 23 घंटे तक दोनों एक ही हवालात में बंद रहीं। रातभर मच्छर उन्हें नोंचते रहे और अंततः दोनों ने फूट-फूटकर रोते हुए पुलिस से खुद को छोड़ देने की गुहार लगाई। हालांकि रिहाई 23 घंटे बाद ही मिली।

सोशल मीडिया पर ज्योति अधिकारी और सुनीता भट्ट के हजारों फॉलोवर्स हैं। सोशल मीडिया पर दोनों एक-दूसरे पर तंज करते और गाली-गलौज करते अपने फॉलोवर्स का मनोरंजन करते आ रहे थे। बुधवार को विवाद सोशल मीडिया से निकल कर नैनीताल रोड स्थित चौपाटी तक पहुंच गया। एक-दूसरे पर आरोप लगाती दोनों ब्लॉगर ने चौपाटी में तमाशा खड़ा कर दिया। दोनों एक-दूसरे के परिवार और पतियों को गालियां देने लगीं।

सूचना मिलते ही काठगोदाम पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दोनों को संभालना पुलिस के लिए भी मुश्किल हो गया। खासतौर पर ज्योति आपा खोती नजर आई। वहां मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया और कुछ ही देर में मारपीट, गाली-गलौज का ये वीडियो सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने लगा। पुलिस ने किसी तरह दोनों को काबू किया और हवालात में ठूंस दिया।

पहले कुछ वक्त तक दोनों को अलग-अलग रखा गया, लेकिन बाद में एक ही हवालात में बंद कर दिया गया। बताया जाता है कि हवालात के पीछे पहुंचते ही दोनों के तल्ख तेवर नरम पड़ गए और दोनों छोड़ने की गुहार लगाने लगे। हालांकि उनके आंसुओं का पुलिस पर कोई फर्क नहीं पड़ा। रात भर मच्छर दोनों को नोंचते रहे। इससे परेशान दोनों ब्लॉगर फूट कर रोने लगे। पुलिस अगली शाम दोनों को छोड़ा। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि दोनों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 172 के तहत कार्रवाई की गई और गुरुवार शाम को छोड़ दिया गया।

छोड़ने से पहले दोनों से माफीनामा लिखवाया। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया कि पुलिस दोनों पर मुकदमा भी दर्ज करेगी। अराजकता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही इनके साथ आए लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। हालांकि पूरा मामला सोशल मीडिया पर इस कदर वायरल है कि प्रकरण चर्चा का विषय बना हुआ है।

ज्योति और सुनीता के खिलाफ दी तहरीर

हल्द्वानी : ब्लॉगर ज्योति अधिकारी और सुनीता भट्ट के खिलाफ पर्वतीय मोहल्ला निवासी विशाल वर्मा और अंजलि वर्मा ने एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी को तहरीर दी। शिकायतकर्ताओं दोनों ब्लॉगर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, दोनों ब्लॉगर की वजह से शहर और पूरे राज्य की छवि धूमिल हो रही है। इससे समाज में गलत छवि व संदेश जा रहा है। उन्होंने एसएसपी से उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए दोनों महिला ब्लॉगर्स के खिलाफ कठोर कार्रवाई किये जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में दोबारा इस प्रकार की घटना ना हो।

जमकर लड़ीं फिर एक साथ शांति से गुजारी रात

हल्द्वानी : कुछ घंटों पहले तक एक-दूसरे की इज्जत को सरेआम उछाल रहीं इन महिला ब्लॉगर ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि उन्हें एक साथ एक ही छत के नीचे रात गुजारनी पड़ेगी। थाने ले जाने पर भी उन्हें इस बात का अंदेशा नहीं था, लेकिन कुछ वक्त अलग-अलग बैठाने के बाद जब पुलिस ने उन्हें हवालात के अंदर डाला तो दोनों की सारी हेकड़ी निकल गई। कुछ घंटे पहले तक जान लेने पर आमादा दोनों ब्लॉगर को जब एहसास हुआ कि अगर अब भी वह झगड़े तो बात हाथ से निकल सकती है। इसके बाद दोनों रोए, परेशान भी हुए, लेकिन हवालात के अंदर झगड़े नहीं।

सड़कें बनीं स्टैंड, निजी बसों में भरी जा रही सवारी

टीपी नगर, मंडी बाईपास, रोडवेज के सामने सड़कों से हो रहा डग्गेमारी का खेल, लगाम कसने में परिवहन विभाग व निगम हुआ फेल

अमृत विचार पड़ताल

पवन नेगी, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में सरकारी परिवहन व्यवस्था लचर होते जा रही है और खुलेआम डग्गामारी का खेल चल रहा है। मानकों का मखौल उड़ाकर निजी ऑपरेटर अपना खेल चला रहे हैं, जिसका सीधा असर उत्तराखंड परिवहन निगम की आय पर पड़ रहा है। होली-दीवाली जैसे त्योहारों में भी सरकारी बसें उम्मीद के मुताबिक आय नहीं अर्जित कर रही हैं।

रोडवेज स्टेशन के ठीक सामने से ही टैक्सी संचालकों ने स्टेडियम के बगल वाली रोड पर अवैध टैक्सी स्टैंड बना डाला है। यहां से टैक्सी चालक खुलेआम रोडवेज की सवारियां भर रहे हैं। इसके साथ ही कोतवाली के ठीक सामने से रूद्रपुर, किच्छा आदि रूट पर इंटरसिटी बसें चलाई जा रही हैं जबकि रोडवेज स्टेशन से इन रूट पर चलने वाली बसों में कई बार सीटें खाली रहती हैं। अमृत विचार ने शहर में पड़ताल की, तो इस दौरान मिनी स्टेडियम के बगल वाली रोड से टैक्सियां और कोतवाली के मुख्य गेट के ठीक आगे से इंटरसिटी बसें सवारियां भर रही थी। साथ ही बाहरी राज्यों की बसें जिनमें बरेली रोड होंडा शोरूम के पास से विजय बस कंपनी व किसान ट्रैवल्स कंपनी की निजी बस और तीनपानी बाईपास फायर स्टेशन के पास गरवालबस कंपनी की बस सवारियां भर रही थी। इसके अलावा शहर में अलग-अलग स्थानों से निजी बसें सवारियां भरती हैं। रोडवेज कर्मचारी भी डग्गामारी को लेकर कई बार आवाज उठा चुके हैं लेकिन परिवहन विभाग और पुलिस की ओर से अभी तक इस पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया है।

आरटीओ प्रवर्तन अरविंद पांडे ने बताया कि परिवहन विभाग की ओर से डग्गामारी और मानकों के विपरीत संचालन पर प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।

बरेली रोड स्थित होंडा शोरूम के पास खड़ी प्राइवेट बसें। ● अमृत विचार

रोडवेज स्टेशन के सामने वाली गली में खड़ी टैक्सियां, ।

होटल, पेट्रोल पंप व सड़क किनारे से निजी बसें भर रही सवारियां

नवीन मंडी के पास फायर स्टेशन वाली सड़क के किनारे खड़ी बाहर की बस।

शहर में होटल, पेट्रोल पंप और सड़क किनारे से बाहरी राज्यों की बसें खुलेआम सवारियां भर रही हैं। इन निजी कंपनियों की बसों के संचालकों के पास न तो कोई निर्धारित स्टैंड है और न ही उचित पार्किंग। केवल पार्टी परमिट पर चलने वाली ये बसें मानकों के विपरीत चल रही हैं और रोडवेज के राजस्व पर चपत लगा रही हैं। इन दिनों शादियों का सीजन भी चल रहा है। सड़क किनारे खड़ी इन बसों के कारण कई बार ट्रैफिक जाम भी लगता है।

डग्गामारी रोकने को मिल चुकी है आंदोलन की चेतावनी

डग्गामारी रोकने के लिए रोडवेज कर्मचारी संयुक्त मोर्चे के तहत कर्मचारी 26 मार्च तक सख्त कार्रवाई नहीं होने पर परिवहन विभाग और पुलिस को उग्र आंदोलन की चेतावनी दे चुके हैं। बीते मंगलवार को इसे लेकर विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन भी सौंपा गया था।

रोडवेज स्टेशन के बाहर नैनीताल रोड पर खड़ी प्राइवेट बसें।

नाबालिग को दी चरस बेचने की नौकरी, पकड़ा

हल्द्वानी : पुलिस ने तनख्वाह पर चरस बेचने वाले एक नाबालिग को पकड़ा है। उसका मालिक उससे चरस बिकवाता है। फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद फरार मालिक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने नाबालिग को जेजे कोर्ट में पेश किया है।

काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि 11 मार्च की शाम एसआई दिलीप कुमार टीम के साथ चेकिंग पर थे। टूटा पहाड़ क्षेत्र में भट्ट जी मैगी प्वाइंट के पास एक युवक पुलिस को देखकर घबरा गया और ठेली के अंदर कुछ छिपाने लगा। पुलिस ने पकड़कर तलाशी ली तो उसके पास से 107.72 ग्राम चरस मिली। पूछताछ में 15 वर्षीय किशोर ने बताया कि वह यहां 9 हजार रुपए मासिक वेतन पर ठेली पर काम करता है। वह लोगों को चरस बेचता था। यह चरस उसे ठेली का मालिक भीमताल निवासी कमल भट्ट बेचने के लिए देता था। वह चरस बेचकर मिली रकम को कमल भट्ट को दे देता था कुछ लोग ऑनलाइन भुगतान भी उसके क्यूआर कोड पर करते थे। पुलिस ने किशोर को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत संरक्षण में लिया है। मामले में कमल भट्ट के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट की धारा 29 के तहत कार्रवाई की गई है। उसकी तलाश की जा रही है। नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है।

कार की टक्कर से ट्रक में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लगभग आधी रात रात रामपुर रोड पर कार और ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई। कार की टक्कर से ट्रक की डीजल टैंक फट गया और पलभर में ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल ने आग पर काबू पाया। इससे पहले ट्रक चालक मौके से फरार हो चुका था।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना रात करीब 12 बजे गन्ना सेंटर के पास हुई। एक कार में सवार चार युवक हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे, जबकि सब्जी से लदा ट्रक रुद्रपुर से हल्द्वानी की ओर आ रहा था। माना जा रहा है कि दोनों वाहनों की तेज हेडलाइट के चलते ड्राइवर को तेजी से आते वाहन की स्थित का अंदाजा नहीं हुआ और कार ट्रक के अगले हिस्से से बचते हुए उसके डीजल टैंक से टकरा गई। अनियंत्रित हुई कार को चालक ने किसी तरह संभाला, लेकिन तब तक टक्कर से फूटी चिंगारी ने टूटे डीजल टैंक में आग लगा दी। आग लगते ही ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। कार में सवार युवक सुरक्षित हैं और चालक को मामूली चोट आई है। टीपी नगर चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। कार सवार और ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

पंचायत घर में खड़ा जला हुआ ट्रक।

टक्कर में क्षतिग्रस्त हुई कार।

- रुद्रपुर से आ रहा ट्रक गन्ना सेंटर के पास हादसे का शिकार
- ट्रक में लोड सब्जी भी जली, ड्राइवर ट्रक छोड़ मौके से फरार

उद्योग मित्र की बैठक में समाधान पर जोर

हल्द्वानी : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में उद्योग मित्र की बैठक की। इसमें विभिन्न विभागों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभागीय समन्वय के साथ कार्य करते हुए उद्यमियों की समस्याओं का समाधान किया जाए। औद्योगिक आस्थान क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी और वैकल्पिक मार्ग की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। जीएसटी रिफंड और औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए गए।

40 मिनट में गिरा दी 40 साल पुरानी इमारत

- ऊंचापुल पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाई गई थी इमारत, प्रशासन ने किया ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के ऊंचापुल स्थित सरकारी भूमि पर 40 वर्षों से अधिक पुराना अतिक्रमण महज 40 मिनट में भरभरा के गिर गया। अब अवैध कब्जे हटाकर सड़क चौड़ीकरण किया जाएगा।

ऊंचापुल में नहर के समीप लगभग 40 वर्ष पूर्व राजस्व विभाग की भूमि पर कब्जा कर पहले फड़-खोखा, फिर दुकानें और बाद में दो मंजिला इमारत बना दी गई थी। इधर, उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी की ओर से कालाढूंगी रोड का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में यह दोमंजिला इमारत भी चौड़ीकरण की जद में आ रही थी। इसके ध्वस्तीकरण के लिए नोटिस दिए गए थे।

बीते शुक्रवार को भी टीम ने बुलडोजर से इमारत ध्वस्त कर स्वयं ही अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। फिर भी अतिक्रमणकारियों ने अवैध निर्माण नहीं हटाया था। इधर, गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, नगर आयुक्त परितोष वर्मा के नेतृत्व में पुलिस, प्रशासन व नगर निगम की संयुक्त टीम बुलडोजर लेकर ऊंचापुल पहुंची। टीम ने ट्रैफिक रोक कर बुलडोजर से अवैध निर्माण को ढहा दिया। इसी के साथ ही चार दशक पुराना अतिक्रमण महज 40 मिनट में ध्वस्त हो गया। इस इमारत में लगभग 10 दुकानें थीं, जिन्हें पूर्व ही खाली करने का नोटिस दिया गया था।

सिटी मजिस्ट्रेट बाजपेयी ने बताया कि ऊंचापुल में सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रही अवैध कब्जा कर बनाई गई इमारत को ढहा दिया गया है। अब कालाढूंगी रोड का चौड़ीकरण किया जाएगा।

ऊंचापुल पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाती इमारत को ढहाती जेसीबी।

तैयारी — जिला प्रशासन, शिक्षा, परिवहन विभाग ने निजी स्कूल के प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों के साथ की बैठक

स्कूलों में एडमिशन सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक हो

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नए शैक्षिक सत्र से पूर्व प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित व पारदर्शी बनाने को जिला प्रशासन ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। गुरुवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज सभागार में जिले के सभी निजी स्कूलों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई। इसमें नए शिक्षण सत्र में एडमिशन, किताबें, यूनिफार्म को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं।

बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी ने कहा कि विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और अभिभावकों के लिए सुविधाजनक होनी चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों को भी लागू किया जाए ताकि पात्रों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने विद्यालयों को प्रवेश शुल्क एवं शिक्षण शुल्क से संबंधित निर्धारित मानकों का पालन, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता तथा यूनिफार्म को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बैग पॉलिसी का पालन और विद्यालयों की वेबसाइट पर आवश्यक सूचनाओं का अनिवार्य तौर पर उपलब्ध कराने को कहा। स्पष्ट किया कि हर वर्ष प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाएगा और विद्यालयों की ड्रेस में अनावश्यक बदलाव भी नहीं किए जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। उन्होंने कहा कि बच्चों पर किताबों, यूनिफार्म का दवाब नहीं बनाया जाए बल्कि एक तिथि निश्चित कर दी जाए ताकि दुकानों पर भीड़ नहीं उमड़े। विद्यालयों में महिला शिकायत पेटिका (ड्रॉप बॉक्स) स्थापित करने और महिला काउंसलर की नियुक्ति के निर्देश भी दिए गए ताकि छात्राएं अपनी समस्याएं बिना झिझक दर्ज करा सकें।

मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद जायसवाल ने निजी विद्यालयों को निर्देशित किया कि वे ड्रेस पर अनावश्यक चिन्ह न लगाएं और हर वर्ष ड्रेस परिवर्तन की परंपरा समाप्त करें। फीस और बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित जानकारी विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करने के साथ ही सभी स्कूलों में वेबसाइट विकसित करने तथा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। आरटीओ अरविंद पांडे ने स्कूल वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्कूल वाहनों में जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, आपातकालीन दरवाजा, सैनिटाइजर और अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से लगाने को कहा। बच्चों के सुरक्षित चढ़ने-उतरने के लिए सहायक कर्मचारी की नियुक्ति और चालकों का पूरा डाटा संकलित करने के निर्देश भी दिए गए।इस दौरान एसडीएम प्रमोद कुमार, डीईओ पुष्कर लाल टम्टा, बीईओ तारा सिंह सहित आदि रहे।

मेडिकल कॉलेज सभागार में बैठक करते सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी व अन्य।

महिलाओं ने पकड़ा स्मैक तस्कर भाग निकला, नहीं पहुंची पुलिस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- दमुवाढूंगा में पार्षद और स्थानीय महिलाओं ने दबोचा था युवक
- डेढ़ घंटे तक किया इंतजार लेकिन सूचना पर भी पुलिस न आ सकी

अमृत विचार : दमुवाढूंगा क्षेत्र में नशे के खिलाफ महिलाओं की पहल पुलिस की सुस्ती के आगे बेअसर साबित हुई। पार्षद और स्थानीय महिलाओं ने एक युवक को स्मैक बेचते हुए पकड़ लिया, लेकिन सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसी बीच आरोपी महिलाओं को चकमा देकर फरार हो गया।

वार्ड 36 की पार्षद तनुजा जोशी के मुताबिक क्षेत्र में लंबे समय से नशे का कारोबार चलने की शिकायतें मिल रही हैं। इसी कारण वह अक्सर महिलाओं के साथ रात में वार्ड के पार्कों और सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण करती हैं। बुधवार रात करीब नौ बजे एक स्थानीय महिला ने उन्हें सूचना दी कि एक युवक अपने घर के बाहर खुलेआम स्मैक बेच रहा है। सूचना मिलते ही पार्षद और अन्य महिलाएं मौके पर पहुंचीं। वहां सूचना देने वाली महिला ने आरोपी युवक को पकड़ रखा था।

पार्षद का कहना है कि उन्होंने तुरंत पुलिस अधिकारियों को फोन कर मामले की जानकारी दी, लेकिन काफी देर तक कोई पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। पार्षद ने आरोप लगाया कि वह करीब डेढ़ घंटे तक मौके पर इंतजार करती रहीं, जबकि दमुवाढूंगा पुलिस चौकी घटनास्थल से महज करीब 150 मीटर दूर है। इसके बावजूद पुलिस नहीं पहुंची।

एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल का कहना है कि पार्षद ने फोन कर घटना की जानकारी दी थी। बताया था कि काठगोदाम कोतवाली को भी सूचित किया है। यदि पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो यह गंभीर मामला है। इस संबंध में एसओ और चौकी पुलिस से रिपोर्ट मांगी जा रही है। जल्द ही आरोपी युवक को गिरफ्तार किया जाएगा।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more 9582831744, 9258116087 8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

गैस नहीं मिली तो शादियों की रौनक होगी कम, मेहमान भी होंगे सीमित, शादी सीजन से पहले गैस की कमी से भव्य दावत की तैयारी प्रभावित

वर-वधु पक्ष ही नहीं बैंक्वेट हॉल वालों के सामने भी सवाल-कैसे होगा?

पवन कुंवर, हल्द्वानी

100 से अधिक बैंकेट हॉल बुक | **250** से लेकर 450 मेहमान होंगे हर शादी में | **500** शादियां आयोजित की जाएंगी

वर्तमान हालात को देखते हुए गैस सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। यदि समय पर पर्याप्त गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हुए तो बैंकेट हॉल संचालकों को भोजन बनाने के लिए लकड़ियों का सहारा लेना पड़ सकता है। ऐसे में व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा, समय और लागत भी बढ़ सकती है। संकट बना रहता है तो शादी समारोहों में आने वाले मेहमानों की संख्या भी सीमित करनी पड़ सकती है, जिससे समारोहों की रौनक पर असर पड़ सकता है। **-धीरज पांडे**, अध्यक्ष, बैंकेट हॉल एसोसिएशन

अमृत विचारः गैस सिलेंडरों को लेकर मारामारी के बीच शादी वाले घरों में चिंता पसरी हुई है। साथ ही विवाह समारोहों की प्री-बुकिंग कर चुके बैंकेट हॉल संचालकों के सामने भी चुनौती है। क्या होगा? कैसे होगा? का सवाल दोनों के लिए है। दरअसल, शादी सीजन सिर पर है और जिस तरह गैस सिलेंडरों की कथित किल्लत नजर आ रही है, उसको लेकर वर-वधु पक्ष ही नहीं शादीघर वाले भी दावत का इंतजाम करने की माथापच्ची कर रहे हैं।

हल्द्वानी शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में इस शादी सीजन में 100 से अधिक बैंकेट हॉल बुक हैं। इन बैंकेट हॉल में करीब 500 शादियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें हर शादी में लगभग 250 से 450 मेहमान शामिल होंगे। बैंकेट हॉल संचालकों के लिए इतनी बड़ी संख्या में मेहमानों की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि गैस सिलेंडरों या अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में कोई कमी रही।

आगामी शादी सीजन और शहर में गैस सिलेंडरों की संभावित कमी को देखते हुए बैंकेट हॉल संचालकों की चिंता बढ़ती जा रही है। बैंकेट हॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज पांडे ने एसडीएम प्रमोद कुमार से इस मसले पर बात की और समस्या से उन्हें अवगत कराया। साथ ही समय रहते समाधान करने की मांग रखी। धीरज पांडे ने बताया कि 20 अप्रैल से 8 मई तक शहर में विवाह समारोहों का सीजन शुरू होने वाला है। इस दौरान बड़ी संख्या में शादियां और अन्य पारिवारिक कार्यक्रम बैंकेट हॉल में आयोजित होते हैं। ऐसे में यदि गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में कमी रहती है तो भोजन व्यवस्था करना संचालकों के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

बैंकेट हॉल संचालकों का कहना है कि शादी समारोहों में भोजन व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण होती है और गैस की कमी से कार्यक्रमों की तैयारी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि आगामी शादी सीजन को ध्यान में रखते हुए गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि विवाह समारोह बिना किसी परेशानी के संपन्न हो सकें। इस संबंध में एसडीएम को ज्ञापन देकर जल्द समाधान की अपेक्षा भी जताई गई है।

बोले कारोबारी

चाट पार्क में हमारी दुकान है और यहां आने वाले पर्यटक चाऊमीन मोमोज समेत अन्य खाद्य पदार्थ खाते हैं मगर हमारे पास गैस सिलेंडर खत्म हो चुके हैं। जो गैस सिलेंडर अभी मौजूद हैं वह दुकान के कर्मचारियों के लिए खाना बनाने के लिए आवश्यक है उनमे भी केवल आज शाम तक गैस है। **-दीवान सिंह ढेला**, रेस्टोरेंट संचालक

गैस की कमी के चलते हमने अपनी दुकान के मेन्यू में बदलाव कर दिए हैं जिन खाद्य पदार्थों में अधिक गैस लगती है उन पदार्थों को बनाना बंद कर दिया है। इसके अलावा दुकान में इलेक्ट्रिक गैस का प्रयोग किया जा रहा है। **-रुचिर साह**, रेस्टोरेंट संचालक

व्यावसायिक सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिसके चलते कारोबार प्रभावित हो रहा है। यदि यही स्थिति रही तो हालात सामान्य होने तक कारोबार बंद करना पड़ सकता है। **– गुड्डू कार्की**, कार्की टी स्टॉल, मेहरा गांव

अब तो चिंता होने लगी है। सिलेंडरों के लिए कई नए नियम लागू हो गए हैं। अब पता चला है कि व्यावसायिक सिलेंडर ही आना बंद हो गए हैं। **– रमेश सनवाल**, सनवाल टी स्टॉल, मल्लीताल बाजार

व्यावसायिक सिलेंडरों का उपयोग करने वाले लगभग सभी काम-धंधे प्रभावित हैं। सिलेंडर ही नहीं मिल रहा है, जिसका सीधा असर आयोजनों पर पड़ेगा। **– मनोज दुर्गपाल**, सुमंगलम टेंट हाउस

मैंने कल ही 700 लोगों की पार्टी कैंसिल कर दी। सिलेंडर ही नहीं मिल रहे हैं। आगे भी यही स्थिति रही तो गंभीर समस्या खड़ी हो जाएगी। **– राहुल तोमर**, दीपक टेंट हाउस

मरीजों के भोजन पर भी गहराने लगा संकट

बेस और एसटीएच ने प्रशासन को अवगत कराया, मरीजों को अस्पताल की ओर से दिया जाता है खाना

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी के नवाबी रोड स्थित गैस एजेंसी के बंद होने के कारण एजेंसी के बाहर लगी उपभोक्ताओं की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दिए जाने वाले खाने पर भी संकट मडरा रहा है। एसटीएच और बेस अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले खाने की सेवा भी मुश्किलों में आ गई है। दोनों ही अस्पतालों के कैंटीन संचालकों ने अस्पताल प्रबंधन को सूचित किया है और इस सूचना को जिला पूर्ति अधिकारी और प्रशासन तक पहुंचवा दिया गया है।

एसटीएच और बेस अस्पताल दोनों ही जगह मरीजों को खाना अस्पताल की ओर से दिया जाता है। यहां इसके लिए कैंटीन के ठेके भी दिए गए हैं। दोनों ही अस्पतालों की आईपीडी में प्रतिदिन करीब 600 से 700 तक मरीज भर्ती रहते हैं। बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि कैंटीन संचालक ने उनको सूचना दी है और बताया है कि कैंटीन मे भोजन बनाने के लिए केवल तीन से चार दिन का ही ईंधन गैस रह गयी है। पीएमएस ने बताया कि इस समस्या से प्रशासन को अवगत करा दिया गया है।

इधर एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि मरीजों को अभी खाना दिया जा रहा है लेकिन ईंधन की कमी हो गई है। नए सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। इस वजह से दिक्कत हो रही है। हालांकि जिला पूर्ति अधिकारी और प्रशासन को अवगत करा दिया गया है। यही हाल राजकीय महिला का अस्पताल का भी है। यहां भी समस्या को लेकर प्रशासन को सूचित कर दिया गया है।

स्कूलों में अभी दिक्कत नहीं: सीईओः सीईओ गोविंद राम जायसवाल ने कहा कि अभी स्कूलों में मिड डे मील को लेकर गैस सिलेंडर की शॉर्टेज का कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। बोर्ड परीक्षाओं के कारण कई स्कूलों में मिड डे मील नहीं बन रहा है। जिले में स्कूलों में एलपीजी सिलेंडर को लेकर कोई शिकायत नहीं आई है।

बिना ओटीपी सिलेंडर देने पर होगी कड़ी कार्रवाई

हल्द्वानी : इंडेन गैस सर्विस शीशमहल के प्रबंधक गणेश सिंह नेगी ने नियम सख्त हो गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी मनोज बर्मन ने एजेंसी प्रबंधकों को बिना ओटीपी के सिलेंडर डिलीवरी नहीं करने के निर्देश दिए हैं। अगर किसी ने डिलीवरी कर दी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इधर इंडेन गैस एजेंसी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इस समय सभी के हाथ बंधे हुए हैं। सब कुछ ऊपर से ही नियंत्रित हो रहा है। सर्वर पूरी तरह से ठप है, ऐसे में ऑनलाइन बुकिंग नहीं की जा सकती है। डिलीवरी एजेंट को सिलेंडर देने के बाद गैस बुक पर डिलीवरी की तारीख लिखना जरूरी है।

अभी स्कूलों में मिड डे मील को लेकर गैस सिलेंडर की शॉर्टेज का कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। बोर्ड परीक्षाओं के कारण कई स्कूलों में मिड डे मील नहीं बन रहा है। जिले में स्कूलों में एलपीजी सिलेंडर को लेकर कोई शिकायत नहीं आई है। **– गोविंद राम जायसवाल**, सीईओ, नैनीताल

गैस बुकिंग के लिए अब यूपीआई ही सहारा

हल्द्वानी : गैस बुकिंग के लिए ऑफलाइन सेवा पूरी तरह से लड़खड़ा गई है। ऑनलाइन सेवा में भी टेली बुकिंग बंद है अब केवल यूपीआई के माध्यम से गैस बुकिंग हो रही है और तुरंत ही ओटीपी भी मिल रहा है। हल्द्वानी क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति की दिक्कत बरकरार है। सबसे बड़ी दिक्कत गैस बुकिंग को लेकर हो रही है। टेली बुकिंग नहीं होने की वजह से लोग सुबह ही एजेंसी पहुंच रहे हैं लेकिन वहां सर्वर ठप चल रहा है। सर्वर ठप होने की वजह से गैस बुकिंग के लिए लंबी कतार लगी हुई है। टेली बुकिंग सेवा को पहले ही बंद कर दिया गया है। अब केवल यूपीआई के माध्यम से ही गैस बुकिंग हो रही है। इसमें फायदा यह है कि ओटीपी भी तुरंत ही मिल रहा है। ऑफलाइन बुकिंग में दिक्कत यह हो रही है कि अगर किसी की बुकिंग हो भी रही है तो ओटीपी आने में बहुत समय लग रहा है। ऐसे में गैस एजेंसी वाले खुद ही बता रहे हैं कि यूपीआई के माध्यम से ही बुकिंग करें। यूपीआई से बुकिंग करने में ग्राहक को भुगतान पहले ही करना पड़ रहा है। जहां तक बात बैकलॉग की है तो हर गैस एजेंसी के पास 1200 सिलेंडर से ज्यादा की बैकलॉग चल रही है।

दो हजार सिलेंडरों तक का बैकलॉग

भारत गैस की चौधरी गैस एजेंसी नैनीताल रोड पर 2000 और शर्मा गैस एजेंसी पर 1600 सिलेंडर की बैकलॉग चल रही है। यही हाल इंडेन गैस एजेंसी का है। शीशमहल में इंडेन गैस सर्विस से जानकारी मिली कि यहां भी 2000 सिलेंडरों से ज्यादा की बैकलॉग चल रही है। सबसे ज्यादा मारामारी इंडेन गैस सिलेंडर की है क्योंकि इसके ही सबसे ज्यादा उपभोक्ता है। इसके बाद दूसरे नंबर पर भारत गैस है।

भारत गैस एजेंसी की सप्लाई शुरू

हल्द्वानी। भारत गैस गोदाम में बुधवार को सप्लाई नहीं हो पायी थी। इस वजह से भारत गैस की गाड़ियां कम ही चल पाईं और बैकलॉग बढ़ती गई। राहत की बात है कि गुरुवार तड़के करीब 3 .30 बजे गैस गोदाम में घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई पहुंची और सुबह रुके हुए बैकलॉग को पूरा करने के लिए गाड़ियां रवाना की गईं तो वहीं कई लोग गैस गोदाम में पहुंचकर ही सिलेंडर ले रहे थे। इंडेन गैस एजेंसी के शीशमहल स्थित गोदाम में गैस की गाड़ी को वहीं पहुंचवा दिया गया और 300 लोगों को वहीं मौके से सिलेंडर बांटा गया।

एप के काम न करने के कारण थी बुकिंग में दिक्कत

हल्द्वानी : एसडीएम प्रमोद कुमार ने गुरुवार को सभी एजेंसियों के साथ बैठक की। बैठक में कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रबंधक ने बताया कि 30,578 उपभोक्ता हैं। जनवरी में 21,000, फरवरी में 19,734 और इस माह 10 मार्च तक 5,200 उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर वितरित की जा चुकी है। बैठक में सामने आया कि एसडीएमएस सॉफ्टवेयर और आईवीआरएस एप की तकनीकी काम नहीं करने की वजह से पिछले दो दिनों से बुकिंग में दिक्कतें हो रही हैं। घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। एसडीएम ने कहा कि घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए समग्र प्रयास किए जाए। ऐसे गैस बुक जो काफी समय से प्रयुक्त नहीं हो रही थीं यदि अचानक ऐसे बुक से बुकिंग हो तो कालाबाजारी हो तो ऐसे कार्ड के माध्यम से बुकिंग होने पर कालाबाजारी हो सकती है इसलिए इन्हें रोकना जरूरी है। इसके अतिरिक्त यदि सप्लाई में कोई समस्या उत्पन्न होती है तो समय से सूचना दी जाए। बैठक में क्षितिज गैस एजेंसी, केएमवीएन, आशीर्वाद गैस एजेंसी, बिष्ट गैस एजेंसी, ज्वाला गैस एजेंसी और शर्माज गैस एजेंसी कर्मी उपस्थित थे।

रामनगर में गैस संचालकों की बैठक लेते एसडीएम गोपाल सिंह चौहान।

एसडीएम ने ली गैस एजेंसी संचालकों की बैठक

रामनगर : रामनगर में पिछले कुछ दिनों से गैस की किल्लत की खबरों को लेकर एसडीएम गोपाल सिंह चौहान ने सभी गैस एजेंसी संचालकों की बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि रामनगर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल पांच गैस एजेंसियां हैं और किसी भी एजेंसी में गैस की कमी नहीं है। सभी एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जनता किसी भी तरह के बहकावे में न आए। फिलहाल केवल गैस बुकिंग को लेकर कुछ तकनीकी परेशानी सामने आ रही है। एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इंडियन ऑयल कंपनी के नोडल अधिकारी से वार्ता करें। उन्होंने बताया कि एक-दो दिन के भीतर बुकिंग में आ रही समस्या का समाधान होने की संभावना है। यदि सर्वर की दिक्कत लंबे समय तक रहती है तो मैनुअल व्यवस्था के माध्यम से उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए डीएसओ से वार्ता की जाएगी।

गैस कनेक्शन व यूपीआई में हो एक ही मोबाइल नंबर

हल्द्वानीः अगर यूपीआई के माध्यम से गैस सिलेंडर बुक करना है तो ग्राहक एक बात का ध्यान रखें कि गैस कनेक्शन में जो नंबर उपलब्ध कराया गया वही नंबर यूपीआई में होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो पेमेंट ऑप्शन में जाकर ट्रांजेक्शन फंस रहा है। इंडेन गैस सर्विस शीशमहल में ही गुरुवार को करीब छह मामले ऐसे पहुंचे हैं। ऐसे में ग्राहकों के सामने विकल्प यह है कि अगर किसी का गैस कनेक्शन और यूपीआई में मोबाइल नंबर एक ही नहीं है तो वह एजेंसी जाकर अपना मोबाइल नंबर वही जुड़वा दें जो यूपीआई में है। साथ ही जिस किसी ने भी अपने कनेक्शन की केवाईसी नहीं करवाई है, वह केवाईसी अवश्य करवा लें।

नैनीताल में पर्यटकों को नहीं मिला खाना

गौरव जोशी, नैनीताल

राजेश।

विनीता।

अमृत विचारः सरोवर नगरी नैनीताल घूमने का सपना लेकर गुजरात से आए एक परिवार को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा जब शाम होते-होते उन्हें खाने के लिए दर-दर भटकना पड़ा। शहर में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बंद होने के कारण कई होटल और रेस्टोरेंट में चूल्हे ठंडे पड़े हैं, जिसका सीधा असर पर्यटकों पर पड़ रहा है।

गुजरात से अपने परिवार के साथ नैनीताल पहुंचे पर्यटक राजेश ने बताया कि उन्हें शहर में गैस की कमी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। दिनभर नैनीताल की खूबसूरती का आनंद लेने के बाद जब शाम को परिवार के साथ बाजार में खाना खाने निकले तो एक के बाद एक कई दुकानों और रेस्टोरेंट में गए, लेकिन हर जगह एक ही जवाब मिला गैस खत्म हो गई है, खाना नहीं मिल पाएगा। राजेश बताते हैं कि बच्चों के साथ घूमने आए थे और उन्हें उम्मीद थी कि नैनीताल के बाजार में मनपसंद खाना मिलेगा, लेकिन गैस संकट के कारण आखिरकार उन्हें बिना ठीक से खाना खाए ही वापस लौटना पड़ा। परिवार के साथ आई महिला पर्यटक विनीता ने कहा कि नैनीताल की खूबसूरती और लोगों का व्यवहार बहुत अच्छा है, लेकिन खाने की व्यवस्था न मिल पाने से थोड़ी निराशा जरूर हुई। उन्होंने कहा कि छुट्टियों में बाहर घूमने आए लोग अक्सर स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना चाहते हैं, लेकिन इस बार उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो पाई। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय हालातों के चलते गैस आपूर्ति प्रभावित होने और प्रशासनिक आदेश के बाद नैनीताल में होटल व रेस्टोरेंट को व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। इसका असर अब सीधे पर्यटन कारोबार और शहर आने वाले पर्यटकों पर दिखने लगा है। झीलों की ठंडी हवा और पहाड़ों की खूबसूरती के बीच छुट्टियां बिताने आए कई पर्यटक अब एक नई समस्या से जूझ रहे हैं वो है भूख की।

गैस आपूर्ति को लेकर भ्रम दूर करने की मांग

नैनीतालः शहर में गैस आपूर्ति को लेकर फैल रही भ्रम की स्थिति को स्पष्ट करने के लिए भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने केएमवीएन के महाप्रबंधक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने शहर में गैस आपूर्ति को लेकर चर्चाओं और सूचनाओं से अधिकारियों को अवगत कराया। भाजपा पदाधिकारियों ने महाप्रबंधक को ज्ञापन देते हुए कहा कि गैस आपूर्ति की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट रूप से जनता तक पहुंचाया जाए, ताकि आशंकाओं को दूर किया जा सके। यहां मनोज जोशी, दयाकिशन पोखरिया, आशीष बजाज, भारत सिंह मेहरा, विकास जोशी, भगवत सिंह रावत, रितुल कुमार, गौरव हार्पर, भूपेंद्र बिष्ट आदि रहे।

लालकुआं में भी दिक्कत उपभोक्ताओं में आक्रोश

लालकुआंः नगर और आसपास के बिंदुखत्ता व हल्दूचौड़ क्षेत्र में पिछले कई दिनों से घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को भी सैकड़ों लोग सिलेंडर लेने के लिए गैस गोदाम पहुंचे, लेकिन वहां भी उन्हें निराश होना पड़ा। सिलेंडर की बुकिंग के लिए दिए गए नंबर लगातार बंद आने के कारण लोग एजेंसी के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम लालकुआं ने गोदाम का निरीक्षण किया और गोदाम कर्मियों को क्षेत्र में गैस आपूर्ति के निर्देश दिए। प्रशासन ने बताया कि कल पुलिस की निगरानी में बिंदुखत्ता और आसपास के क्षेत्रों में गैस सिलेंडरों का वितरण कराया जाएगा।

व्यावसायिक गैस की आपूर्ति नहीं होने से कारोबार प्रभावित

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः गैस सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं होने का असर अब भीमताल और आसपास के क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। भीमताल के समीप पांडे गांव स्थित गैस गोदाम और ब्लॉक के गैस गोदाम में लोगों के फोन लगातार बज रहे हैं।

स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार, ओटीपी मिलने के बाद ही घरेलू कनेक्शन में गैस सिलेंडर मिल पा रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें ओटीपी ही नहीं मिल रहा। जानकारी लेने पर पता चल रहा है कि जिन लोगों की केवाईसी नहीं हुई है या जिन्होंने साल भर में 12 सिलेंडर ले लिए हैं, उन्हें विभिन्न कारण बताकर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वहीं विभागीय अधिकारी इसके उलट जानकारी दे रहे हैं। उनका कहना है कि घरेलू कनेक्शन के सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, जबकि व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

हमारे पास 14 .2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। केवल व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित है। **– जितेंद्र लाल**, प्रबंधक, गैस गोदाम

वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। खपत के हिसाब से व्यवस्था की जा रही है। **– सुरेंद्र बिष्ट**, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी

अभी तक जंगलों पर किसी प्रकार का असर पड़ने की सूचना नहीं है। सभी कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। **– विजय मलकानी**, क्षेत्रीय वन अधिकारी

350 से ज्यादा रिसॉर्ट में हाहाकार की नौबतः शाह

रामनगरः जिम कॉर्बेट रिजॉर्ट्स जीएम एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव कुमार शाह का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में आए व्यवधान से जिम कॉर्बेट के आसपास के करीब 350 से अधिक रिजॉर्ट, होटल व रेस्टोरेंटों में हाहाकार जैसी स्थिति हो गई है। उन्होंने कहा कि समस्या के चलते पर्यटकों को समुचित रूप से भोजन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बन गई है। इससे पर्यटन कारोबार पर भी असर पड़ने की आशंका है। उन्होंने सरकार से इस संकट से उबारने के लिए रिजॉर्ट्स, होटल्स और रेस्टोरेंटों को कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य होने तकघरेलू सिलेंडर अस्थायी रूप से उपलब्ध कराने की मांग की है।

नैनीताल में बंद हुई चाय की एक दुकान। ● अमृत विचार

मल्लीताल में कई रेस्टोरेंट और चाय की दुकानें बंद

नैनीताल : नैनीताल इन दिनों रसोई गैस के गंभीर संकट से जूझ रही है। घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से शहर की रफ्तार थमने लगी है। मल्लीताल के कई रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि उनके पास मौजूद कमर्शियल सिलेंडर खत्म होने को हैं और नए सिलेंडरों की बुकिंग नहीं हो पा रही है। कुछ दुकानदारों ने गैस की कमी के कारण अपने मेन्यू में भी बदलाव कर दिया है। जहां पहले पूरी रसोई चलती थी, वहां अब केवल चाय, मैगी या हल्के स्नैक्स तक ही काम सीमित करना पड़ रहा है। वहीं मल्लीताल में वर्षों से चल रही दीपा की छोटी सी चाय की दुकान भी इस संकट की मार से नहीं बच पाई। गैस खत्म होने के कारण दुकान का चूल्हा ठंडा पड़ गया है। दीपा बताती हैं कि इसी दुकान से उनके परिवार की रोजी-रोटी चलती है। उन्होंने भावुक होकर कहा, दिनभर की कमाई से ही घर चलता है। अब समझ नहीं आ रहा कि घर का खर्च कैसे चलेगा।

रामनगर में सिलेंडर के लिए उमड़ी भीड़

रामनगरः घरेलू एवं व्यवसायिक सिलेंडर खत्म होने की अफरा-तफरी के बीच गैस गोदाम में उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। उपभोक्ताओं की भीड़ देखकर गैस एजेंसी के अधिकारी एवं कर्मचारी भी परेशान नजर आए। गैस कार्यालय में केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को घरेलू गैस उपलब्ध कराई गई, जिनकी ऑनलाइन बुकिंग पहले से हो चुकी थी। गोदाम से निराश होकर लौट रहे दिनेश तिवारी ने बताया कि उनके घर में गैस समाप्त हो गई है। ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है और विभागीय अधिकारी मैनुअल बुकिंग भी नहीं कर रहे हैं। उधर गैस प्रबंधक दीपक कुमार आर्या का कहना है कि गैस बुकिंग की साइट बंद नहीं हुई है, बल्कि सर्वर डाउन होने के कारण दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने बताया कि गैस की कहीं भी किल्लत नहीं है।

इंडेन और भारत गैस एजेंसी पर उमड़ी लोगों की भीड़

दोनों एजेंसियों के प्लांट से पहुंचे गैस सिलेंडर भरे एक-एक वाहन, तहसीलदार की मौजूदगी में वितरित हुए सिलेंडर, कई निराश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः रुद्रपुर में इंडेन गैस एजेंसी और भारत गैस एजेंसियों में सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही। लोग सिलेंडर लेकर इधर-उधर भागते नजर आए। 11 बजे के करीब प्लांट से एक वाहन इंडेन गैस और एक वाहन भारत गैस सर्विस का पहुंचा। इंडेन गैस सिलेंडरों का वितरण एजेंसी पर किया गया, जबकि भारत गैस सिलेंडरों का वितरण मोदी मैदान पर किया गया। वहीं सिलेंडर नहीं मिलने से कई लोग आक्रोश भी दिखे। वहीं गैस वितरण के दौरान तहसीलदार दिनेश कुटौला भी मौजूद रहे।

बुधवार को सुबह से ही काशीपुर बाईपास रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी और आवास विकास स्थित भारत गैस एजेंसी में सुबह से ही उपभोक्ताओं की कतार लगनी शुरू हो गयी थी। इस दौरान एजेंसी के पट्टी प्लांट काशीपुर से सुबह 11 बजे गैस सिलेंडरों के एक वाहन पहुंचा इसमें 360 सिलेंडर रखे हुए थे। इसी तरह एक वाहन भारत गैस सर्विस का भी पहुंचा। गाड़ी पहुंचने के बाद लोगों को गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। जिन लोगों की पहले से बुकिंग थी उन्हें पहले सिलेंडर दिए गये।

इस दौरान कई लोग बगैर बुकिंग कराए या फिर गैस मिलने की निर्धारित तिथि से पहले गैस सिलेंडर लेने पहुंचे।

इस कारण ऐसे लोगों को सिलेंडर नहीं दिए गये। तहसीलदार दिनेश कुटौला भी गैस वितरण के दौरान वहीं मौजूद रहे। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने सिलेंडर मिलने के निर्धारित समय पर गैस की बुकिंग कराई है वे अपनी रसीद दिखाकर सिलेंडर ले सकते हैं, जबकि जिनकी निर्धारित तिथि में अभी समय है और जो लोग बगैर बुकिंग के आये हैं वे तय समय पर ही एजेंसी पर सिलेंडर लेने पहुंचे। सभी को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा।

भारत गैस एजेंसी में सिलेंडर लेकर जाते लोग। ● अमृत विचार

"प्लांट को तीन गाड़ियों की डिमांड भेजी गयी थी। डिमांड के सापेक्ष एक गाड़ी पहुंची है। सर्वर काम करे तो एक गाड़ी की और डिमांड भेजी जाएगी। वहीं गुरुवार को जिन लोगों की बुकिंग पहले से थी उनकी रशिद देखकर उन्हें गैस सिलेंडर वितरित किए गये। प्लांट से तीन वाहन आ जाएं तो लोगों की समस्या का समाधान हो सकता है। **-प्रमोद पांडे**, प्रबंधक, इंडेन गैस एजेंसी रुद्रपुर

"अभी फिलहाल जनपद के होटलों में गैस सिलेंडरों की दिक्कत नहीं हो रही है। जिले में करीब 40 होटल हैं। पहले सुबह गैस बुक करने पर सायं को मिल जाती थी। अब दो से तीन दिन लग रहे हैं। **-आनंद रुंठा**, जिलाध्यक्ष, होटल एसोसिएशन ऊधमसिंह नगर

सर्वर ठप, ऑफलाइन की बुकिंग

रुद्रपुर : इंडेन गैस प्रबंधन के अनुसार अभी तक एजेंसी में करीब 1055 लोगों ने गैस सिलेंडरों की बुकिंग करा रखा थी। बुधवार और गुरुवार को भी सुबह से ही सर्वर खराब होने के कारण ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पायी है। ऑनलाइन बुकिंग वाले कितने लोगों को गैस सिलेंडर मिल गया है इसकी भी जानकारी नहीं मिल पा रही है। फिलहाल सर्वर काम नहीं करने के कारण लोगों ऑफलाइन बुकिंग की जा रही है।

डीएसओ को बताई समस्या

रुद्रपुर : भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग ने जिला पूर्ति अधिकारी विनोद तिवारी से भेंट कर घरेलू सिलेंडर की समस्या बतायी। साथ ही इसका तुरंत निदान करने की मांग की। जिला पूर्ति अधिकारी विनोद तिवारी आश्वस्त किया की घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर कोई समस्या नहीं है। पर्याप्त मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। यदि कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका हम शीघ्र निराकरण कर रहे हैं।

पुलिस के पहरे में होगा गैस सिलेंडर वितरण

संवाददाता, रुद्रपुर

अजय गणपति।

अमृत विचारः एलपीजी गैस सिलेंडर का टोटा होने और कालाबाजारी जैसी चर्चाओं पर अंकुश लगाने के लिए जहां जिला प्रशासन भी मुस्तैद हो गया है। वहीं काला बाजारियों की धरपकड़ और अफवाह फैलाने वालों पर नकेल कसने के लिए एसएसपी ने त्वरित कार्रवाई टीम का गठन कर दिया है। सभी थाना-चौकी प्रभारियों को आदेशित करते हुए एसएसपी ने फौरन कठोर कार्रवाई का आदेश जारी किया और एलपीजी गैस सिलेंडर प्रकरण को गाइडलाइन जारी कर दी है।

प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी होने का बाजार इतना गर्म हो चुका है कि अब जिला प्रशासन ने भी जिले में एसडीएम व तहसीलदार को भेज कर उपभोक्ताओं को शांति बनाने का आह्वान किया। स्थिति को नियंत्रित करने की कार्रवाई की। वहीं पुलिस प्रशासन भी मामले को लेकर अलर्ट हो गया है। यही कारण है कि एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने वीडियो क्रांफ्रेसिंग के माध्यम से अधीनस्थों को आदेशित किया कि अफवाह फैलाने वाले और एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों की धरपकड़ के लिए फौरन थाना चौकी स्तर की क्यूआरटी बनाई जाए। जिसके तहत क्षेत्रीय उप जिलाधिकारी को अध्यक्ष, सीओ व खाद विभाग के अधिकारी के अलावा नगर निगम का एक अधिकारी शामिल होगा।

इंडेन गैस एजेंसी में ऑफलाइन बुकिंग शुरू

स्टॉक का मिलान करते एडीएम पंकज उपाध्याय।

रुद्रपुर : जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय और पुलिस अधीक्षक क्राइम जितेंद्र चौधरी ने इंडेन गैस गोदाम काशीपुर बाईपास, भारत गैस गोदाम भुरारानी और भारत गैस गोदाम रामपुर रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान बुकिंग संख्या और सिलेंडर की आपूर्ति संख्या में संतुलन मिला। गुरुवार को निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने बताया कि जिन लोगों की बुकिंग ऑनलाइन नहीं हो पा रही है वे लोग बिना बुकिंग गैस गोदाम पर पहुंच रहे हैं। जिससे गैस समस्या हो रही थी। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि इंडेन गैस सर्विस ने ऑफलाइन गैस बुकिंग की सुविधा भी प्रारंभ कर दी है। जबकि भारत गैस में ऑनलाइन बुकिंग हो रही है। जिसकी बुकिंग नहीं हो पाई है, उनकी बुकिंग एजेंसी के लोग एजेंसी पर ही ऑनलाइन कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील है कि पैनिक क्रिएट न करें, घरेलू गैस की आपूर्ति सामान्य है।

एजेंसी में मिलीं खामियां, बंटवाए 450 सिलेंडर

काशीपुर : एसडीएम अभय प्रताप सिंह और एएसपी स्वप्न किशोर सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को पुलिस-प्रशासनिक टीम ने विभिन्न गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महुआखेड़ा गंज स्थित लक्ष्मी गैस सर्विस में भारी अव्यवस्था और खामियां पाई गईं। उपभोक्ताओं ने शिकायत की कि बुकिंग और डिलीवरी का मैसेज आने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहे थे। प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप कर पूर्ति निरीक्षक की मौजूदगी में 450 से अधिक उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर वितरित करवाए। पूर्ति निरीक्षक विपिन पाठक ने बताया कि एजेंसी में कई अनियमितताएं मिली हैं, जिसके लिए उसे नोटिस जारी किया जा रहा है। अन्य एजेंसियों पर स्थिति सामान्य पाई गई।

जसपुर में गैस बुक कराने में हांफे लोग

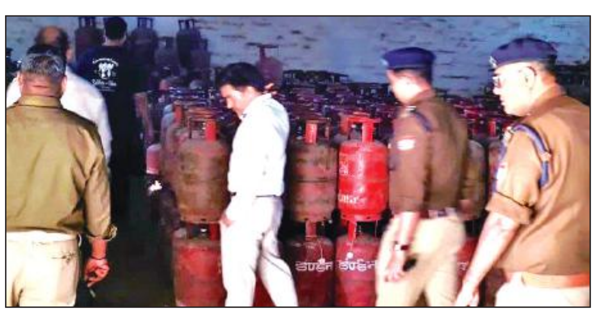
जसपुर में गैस गोदाम का निरीक्षण करते तहसीलदार दलीप सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः गैस एजेंसियों पर गैस न मिलने की अफवाहों पर उपभोक्ताओं ने गैस एजेंसियों की ओर दौड़ लगा दी। एजेंसी प्रबंधन और प्रशासन द्वारा आश्वस्त करने के बाद उपभोक्ताओं को सुकून मिला।

गुरुवार को अफजलगढ़ रोड स्थित इंडेन की जसपुर गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की सुबह से लाइन लग गयी। इंडेन गैस का सर्वर व्यस्त होने के कारण उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई उपभोक्ता गैस बुकिंग को लेकर एजेंसी कर्मियों से जानकारी लेते दिखायी दिये।

एजेंसी प्रबंधक एनएस नेगी ने बताया कि सर्वर व्यस्त होने के कारण गैस बुकिंग में परेशानी हो रही है। वहीं आवास विकास स्थित भारत गैस एजेंसी पर गैस आपूर्ति सामान्य रूप से होती रही। यहां उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग में परेशानी नहीं उठानी पड़ी। गैस आपूर्ति की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा गठित त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने व्यवस्था संभाली। तहसीलदार दलीप सिंह, पूर्ति निरीक्षक एवं पुलिस टीम समेत क्षेत्र की दोनों गैस एजेंसियों पर पहुंचे और गैस एजेंसी का निरीक्षण कर स्टॉक रजिस्टर चेक किये।

चार गाड़ी की मांग पर एक गाड़ी ही पहुंची

जसपुर : भारत गैस एजेंसी के प्रबंधक एनएस नेगी ने बताया कि क्षेत्र में रोजाना 460 गैस सिलेंडर वितरित होते हैं। गुरुवार को एजेंसी में 151 गैस सिलेंडर थे। उनके द्वारा रिफलिंग स्टेशन से चार गाड़ी सिलेंडर की मांग की गयी थी। लेकिन शाम तक केवल एक ही गाड़ी एजेंसी पहुंच सकी। एक गाड़ी में लगभग 342 गैस सिलेंडर आते हैं। उपभोक्ताओं को सामान्य रूप से गैस वितरित की जा रही है। होम डिलीवरी में भी कोई समस्या नहीं है। इस दौरान कुछ उपभोक्ता उनसे जानकारी लेते दिखाई दिये।

पेट्रोल और डीजल माफिया सक्रिय न हों : अलका

काशीपुर : महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि रसोई गैस, डीजल और पेट्रोल के बढ़ते दामों ने आम जनता को मुश्किल में डाल दिया है। प्रदेश में लगातार बढ़ रही रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल की किल्लत को राज्य सरकार नियंत्रित करने में असफल हो रही है। जिससे हर परिवार का बजट पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। लेकिन केंद्र और राज्य की सरकार असंवेदनशील बनी हुई है। गुरुवार को प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। रसोई गैस की बढ़ती कीमतें लगातार परिवार का बजट बिगाड़ रही है।

दिनेशपुर में गुस्सा फूटा, किया प्रदर्शन

दिनेशपुर : एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत के चलते उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट गया। तीन दिनों से सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान लोगों ने भारत गैस सिलेंडर वितरण स्थान पर हंगामा काटा। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे घंटों से कतार में खड़े होकर गैस सिलेंडर का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन गाड़ी नहीं आ रही है। गुरुवार को भारत पेट्रोलियम एलपीजी गैस सिलेंडर वितरण स्थल गूलरभोज रोड पर तीन दिनों से लगातार प्रातः से ही महिलाएं, बुजुर्ग व युवक लंबी-लंबी कतारों में सिलेंडर लेने के लिए खड़े हो रहे हैं। काफी घंटों के इंतजार के बाद गुस्साए उपभोक्ताओं ने सांकेतिक प्रदर्शन किया। पिछले ढाई वर्षों से हिबा भारत एजेंसी लालपुर द्वारा नगर के साथ चक्कीमोड़ व गूलरभोज में गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी दी जाती है।

गैस का भंडारण करने वालों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरियों ने घरेलू गैस की कालाबाजारी, भंडारण, रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अफवाहों पर विश्वास न करें। घरेलू गैस की सामान्य स्थिति है, ऑनलाइन गैस बुकिंग करने पर निर्धारित समय में गैस घर पर ही उपलब्ध करायी जा रही है।

गुरुवार को जिलाधिकारी ने जिला सभागार में ईंधन गैस संबंधित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी गैस बुकिंग पहले कराएगा उन्हें पहले गैस सिलेंडर डिलीवरी की जाएगी। जनपद में 40 गैस डिलीवरी केंद्र हैं जहां से सभी को वाहनों के माध्यम से घरों पर गैस डिलीवरी की जाती है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे अनिवार्य रूप से ऑनलाइन गैस बुकिंग करें व पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर गैस डिलिवरी घर पर पाएं। उन्होंने कहा कि गैस डिलिवरी केंद्र और गैस गोदामों में लाइन लगाने की जरूरत नहीं है। जन सामान्य को घरेलू गैस उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को गैस वितरण पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही गैस गोदामों व वितरण केंद्रों पर प्रशासन, पुलिस की टीमें तैनात करने के साथ ही क्यूआरटी टीमें लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने आपदा कंट्रोल रूम का निरीक्षण भी किया।

बाजपुर में हाथों में सिलेंडर लेकर प्रदर्शन करते उपभोक्ता। ● अमृत विचार

रसोई गैस की किल्लत पर पुलिस-प्रशासन ने संभाला मोर्चा

बाजपुर, अमृत विचार : अनाज मंडी स्थित गैस वितरण केंद्र पर गुरुवार को भारी भीड़ उमड़ने से अफरा-तफरी का माहौल रहा। सिलेंडर के लिए लगी लंबी कतारों ने दो दशक पुराने दौर की याद दिला दी। स्थिति बिगड़ती देख एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा और सीओ विभव सैनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उपभोक्ताओं को आपूर्ति का आश्वासन देकर शांत कराया। एजेंसी प्रबंधक ने गोदाम में 500 सिलेंडर उपलब्ध होने की पुष्टि की, जिसके बाद अधिकारियों ने ऑनलाइन बुकिंग और मानक प्रक्रिया के तहत वितरण शुरू कराया। इसी बीच किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवदीप कंग ने समर्थकों के साथ पहुंचकर अव्यवस्था पर नाराजगी जताई और प्रदर्शन किया। पुलिस के हस्तक्षेप और वितरण प्रक्रिया सुचारु होने के बाद ही स्थिति सामान्य हो सकी।

बागेश्वर में प्रशासन ने कॉमर्शियल सिलेंडरों के उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

बागेश्वर में बैठक लेतीं डीएम आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

बागेश्वर, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों के उपयोग पर अस्थायी प्रतिबंध लागू हो गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कहा कि जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है तथा नागरिकों को घबराने या पैनिक बुकिंग करने की आवश्यकता नहीं है। जिलाधिकारी ने जिला होटल एसोसिएशन, पेट्रोल पंप मालिकों, संचालकों, गैस एजेंसियों, आवासीय विद्यालयों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। कहा कि शासन के आदेशों के अनुसार वर्तमान में कमर्शियल गैस सिलेंडरों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया गया है, जबकि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूर्ववत जारी रहेगी। बैठक के दौरान उपस्थित सभी हितधारकों से वर्तमान स्थिति के संबंध में सुझाव भी लिए गए। निर्देश दिए कि आवश्यक संस्थानों में गैस आपूर्ति बाधित न हो। गैस आपूर्ति की निगरानी के लिए जनपद एवं तहसील स्तर पर क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित की गई है तथा जिला पूर्ति अधिकारी को जिले में नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिला एवं तहसील आपदा नियंत्रण कक्ष को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। उन्होंने पुलिस, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को जमाखोरी एवं कालाबाजारी एवं गैस वाहनों के सुगम आवागमन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी बल्लभ पांडेय ने बताया कि इंडियन ऑयल का ऑनलाइन पोर्टल तकनीकी कारणों से अस्थायी रूप से प्रभावित है, जिसे शीघ्र ही ठीक करा दिया जाएगा।

बिना बुकिंग के किसी भी व्यक्ति को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश दिए

अल्मोड़ा, अमृत विचार : जिले में गैस आपूर्ति और वितरण को लेकर गुरुवार को डीएम अंशुल सिंह ने अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जनपद में घरेलू गैस की आपूर्ति को सुचारु एवं निर्बाध बनाए रखने, कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने गैस एजेंसी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि घरेलू गैस आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न होने पाए। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्थाओं और दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। कहा कि वर्तमान में जनपद में घरेलू गैस की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में है, इसलिए जनपद वासियों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने गैस वितरकों को बिना बुकिंग के किसी भी व्यक्ति को गैस सिलेंडर की आपूर्ति न की जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गैस बुकिंग के लिए निर्धारित 25 दिन के अंतराल का पालन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। जिससे सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जा सके और अनावश्यक भीड़ अथवा अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

अल्मोड़ा में अधिकारियों की बैठक लेते डीएम।

सर्वर के ओवरलोड होने से मची रही अफरातफरी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः गैस एजेंसी संचालकों के मुताबिक घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। लेकिन उपभोक्ताओं को लग रहा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हो रही है, इसलिए वह बड़ी संख्या में गैस एजेंसी में पहुंच रहे हैं। जिस हिसाब से सिलेंडर की आपूर्ति हो रही है उनकी होम डिलीवरी भी हो रही है।

काशीपुर गैस सर्विस के स्टोर इंचार्ज देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर की पूर्ति लगातार की जा रही है। एक साथ कई लोगों के ऑनलाइन बुकिंग करने से सर्वर में दिक्कतें आ रही है। उधर नेहा इंडेन गैस एजेंसी के संचालक जोगेंद्र छिकारा के मुताबिक इंडेन का ऑल इंडिया बुकिंग नंबर एक ही है। सबसे ज्यादा प्रभाव छोटे दुकानदार जैसे फड़ वाले और ढाबा स्वामी पर पड़ रहा है। चाय बनाने वाले छोटे फड़ वाले अपनी दिहाड़ी के लिए एक दो किलो का गैस सिलेंडर भरा कर लाते थे। एक फड़ वाले ने बताया कि जो एक किलो का गैस सिलेंडर 90 रुपये में भरता था वह आज 115 रुपए में भरा है। ऐसे में दिन भर दिहाड़ी कर परिवार पालना मुश्किल हो रहा है। उधर कई छोटे ढाबा संचालकों का काम बंद हो गया है। गैस एजेंसियों में सुबह से भारी भीड़ उमड़ रही है। लोग ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने के कारण परेशान हो रहे हैं।

"कालाबाजारी की शिकायतों के बाद तहसील स्तर पर निगरानी कमेटी बनाई गई है। जिसकी अध्यक्षता एसडीएम करेंगे। इसके अलावा टीम में पुलिस विभाग के सीओ, नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त और पूर्ति अधिकारी शामिल रहेंगे। इस मामले में आज गदरपुर में एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। **-विनोद तिवारी**, जिला पूर्ति अधिकारी, उधम सिंह नगर

"मैं पुरानी अनाज मंडी में चाय की दुकान लगाता हूं। पहले एक किलो के छोटे गैस की रिफिलिंग 90 रुपये में हो जाती थी अब वह 115 रुपये में हो रही है। ऐसे में हमें मजबूरी में रेट बढ़ाने पड़े हैं। जिससे ग्राहक ठेले में नहीं आ रहे हैं। **-दुर्गा ठाकुर**, निवासी गिरीताल

"दुकान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद हो गई है। हमारा पटेल नगर मोड़ पर चाय, समोसे, जलेबी का काम अच्छा चल रहा था। लेकिन अचानक कॉमर्शियल गैस सिलेंडर मिलना बंद हो गया है। **- विजय कुमार**, निवासी काजीबाग।

"पहले महीने में चार पांच ग्राहक इंडक्शन चूल्हा लेने आते थे। लेकिन बीते तीन दिनों से रोजाना दो से तीन ग्राहक इंडक्शन चूल्हा खरीद रहे हैं। **-विमल वर्मा**, विमल इलेक्ट्रॉनिक्स

"अभी उनके होटल में दो कमर्शियल सिलेंडर प्रयोग हो रहे हैं। सिलेंडर समाप्त होने पर होटल बंद करने की नौबत आ रही है। जो कर्मचारी होटल में काम कर रहे हैं उन्हें भी छुट्टी दे दी जाएगी। **-राज बिष्ट**, होटल संचालक, काशीपुर

"बाजार में कमर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। यही स्थिति रही तो कोयला खरीदना पड़ेगा। जिससे शादी विवाह में केवल वही चीजें बन पाएंगी जो कोयले की भट्टी में तैयार हो सकती हैं। पार्टी से चाट टिक्की के काउंटर बंद हो जाएंगे। **-राकेश अरोरा रॉकी**, टेंट हाउस स्वामी, काशीपुर।

"कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अगर यही स्थिति रही तो आने वाले दिनों में होटल उद्योग को नुकसान होने की संभावना है। यह दिक्कत दो दिनों से बनी हुई है। **-विजयपाल सिंह रावत**, रिजॉर्ट संचालक

हालात | होटल-रेस्टोरेंट समेत छोटे कारोबारियों पर गहराया संकट, घरेलू गैस, पैट्रोल और डीजल की स्थिति फिलहाल सामान्य

अल्मोड़ा में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई हो गई ठप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः खाड़ी युद्ध के कारण गैस सहित ईंधन की आपूर्ति का असर अब अल्मोड़ा तक पहुंच गई है। युद्ध के चलते व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक लगने से होटल-रेस्टोरेंट समेत छोटे कारोबारियों पर के रोजगार पर संकट गहरा गया है। हालांकि रसोई गैस सिलेंडर का कोई संकट नहीं है। गोदामों में पर्याप्त सिलेंडर हैं। तय स्थानों में वाहनों से सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं।

मध्य पूर्व में छिड़े महासंग्राम के बीच गैस की आपूर्ति चरमरा गई है। खासकर व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति चरमराने से जिले के 250 से अधिक होटल संचालकों और करीब दो हजार रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। सिलिंडर नहीं मिलने से रोजगार बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। ऐसे में कारोबारियों के माथे पर चिंता की लकीर खींच गई है। नए एसओपी के तहत अग्रिम आदेशों तक होटल-रेस्टोरेंट कारोबारियों को सिलिंडर की आपूर्ति पर रोक रहेगी, ऐसे में होटल रेस्टोरेंट बंद हो सकते हैं। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि पुराने स्टाक में केवल नियमित उपभोक्ताओं को ही गैस मिलेगी, जबकि नए स्टाक में होटल-रेस्टोरेंट कारोबारियों को गैस आपूर्ति नहीं होगी। केवल अस्पताल और शिक्षा विभाग को ही व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति की जाएगी। हालांकि घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति नियमित होने से अब तक आम आदमी को राहत मिली है।

रोस्टर के अनुसार गुरुवार को नगर के जाखनदेवी के पास गैस वाहन से सिलिंडरों का वितरण किया जाता है। लेकिन रोस्टर के अनुसार वहां गैस वाहन नहीं पहुंचा, जिस कारण उपभोक्ताओं को गैस गोदाम की दौड़ लगानी पड़ी।

अल्मोड़ा में लक्ष्मेश्वर स्थित गैस गोदाम में लोगों की भीड़ रही। ● अमृत विचार

गैस बुकिंग का सर्वर जिले में भी डाउन

गैस भरवाने के लिए आनलाइन बुकिंग अनिवार्य कर दी गई है। बिना आनलाइन बुकिंग के गैस नहीं मिल रही है। लेकिन गुरुवार को आनलाइन बुकिंग नहीं हो सकी, इससे उपभोक्ता परेशान रहे। कहा कि बिना बुकिंग के गैस नहीं दी जा रही है, लेकिन बुकिंग नंबर कार्य नहीं कर रहा है। ऐसे में दिक्कतें झेलनी पड़ रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सर्वर दिक्कत के चलते गैस बुक नहीं हो रही थी।

जिले में 2264 व्यावसायिक उपभोक्ता पंजीकृत

जिले में एक लाख 74 हजार से अधिक घरेलू जबकि 2264 व्यावसायिक उपभोक्ता हैं, ऐसे में अब एकाएक गैस की आपूर्ति बंद होने से उपभोक्ताओं के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि नियमानुसार ही गैस मिलेगी।

"जिले में कर्मिशयल गैस सिलिंडर नहीं मिल रहे है। ऐसे में होटल संचालकों को आने वाले दिनों में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जल्द स्थिति सामान्य नहीं हुई तो संकट गहराने के साथ ही होटल और रेस्टोरेंट बंद हो जाएंगे। **-अरूण वर्मा**, अध्यक्ष होटल एसोसिएशन अल्मोड़ा

"जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में हो रही है। नियमित रूप से लोगों को सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल बंद की गई है। **-मुकेश जलाल**, प्रबंधक अल्मोड़ा गैस सर्विस

सिटी ब्रीफ

हेमंत कार्यकारिणी सदस्य अजय मीडिया प्रभारी बने

पदाधिकारियों का स्वागत करते हेम तिवारी।

कालाढूंगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट व प्रताप बिष्ट के निर्देशन में बैलपड़ाव निवासी हेमंत शेखर को एससी मोर्चा का जिला कार्यकारिणी सदस्य तथा अजय कंबोज को ओबीसी मोर्चा का जिला मीडिया प्रभारी बनाया गया है। दोनों ने कहा कि वे पार्टी की जिम्मेदारियों पर खरा उतरते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। सांसद अजय भट्ट, विधायक बंशीधर भगत, मेयर गजराज बिष्ट, राज्य मंत्री सुरेश भट्ट तथा पूर्व सांसद प्रतिनिधि हेम तिवारी ने दोनों को बधाई दी है।

रश्मि करेंगी पूर्वोत्तर युवा महोत्सव में प्रतिभाग

हल्द्वानी : इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय महिला पीजी कॉलेज की स्वयंसेवी रश्मि भट्ट का चयन 17 से 22 मार्च 2026 तक दीमापुर, नागालैंड में आयोजित 9वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। यह महोत्सव राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित होगा। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की और आशा जताई कि रश्मि भट्ट महाविद्यालय और राज्य का नाम रोशन करेंगी। एनएसएस प्रभारी डॉ. रितुराज पंत ने कहा कि महोत्सव युवाओं में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर डॉ. गीता पंत, डॉ. फकीर सिंह, डॉ. हिमानी, डॉ. सरस्वती बिष्ट और डॉ. प्रभा साह ने रश्मि भट्ट को शुभकामनाएं दीं।

पूर्व सरपंच नंदन को मातृ शोक

भीमताल : ग्राम पंचायत जंगलिया गांव निवासी पूर्व सरपंच नंदन सिंह कुल्याल की माता सरस्वती देवी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार चित्रशिला घाट रानीबाग में कर दिया गया है। उनके निधन पर ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य बिपिन सिंह जंतवाल, ग्राम प्रधान राधा कुल्याल, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मदन मोहन कुल्याल, महेंद्र सिंह पड़ियार, प्रेम सिंह कुल्याल आदि ने दु:ख व्यक्त किया है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

बेदखल सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने बड़ा पुत्र नीरज पन्त को गलत संगत में पड़ने के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से आज से बेदखल कर दिया है। भविष्य में मेरे परिवार से उसका कोई वास्ता सरोकार नहीं रहेगा। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य व लेन-देन का वह स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। **श्रीमती गीता पन्त पत्नी स्वर्गीय नवीन चंद्र पंत, निवासी तल्ला कसून, लाल बाजार अल्मोड़ा, जिला अल्मोड़ा, उत्तराखंड।**

बेदखल सूचना

हमारा पुत्र कुलदीप सिंह उम्र 35 वर्ष व पुत्रवधू रीना देवी उम्र 28 वर्ष है। कुलदीप सिंह नशे का आदी हो गया है। तथा गलत संगत में पड़ जाने के कारण मेरे व उसके परिवार वालों के साथ आये दिन गाली-गलौच व लड़ाई-झगड़ा कर घर का माहौल खराब कर शान्तिभंग करता है और घर वालों के समझाने के बावजूद भी नहीं मानता है। इन सभी कृत्यों में पुत्रवधू रीना देवी भी अपने पति का साथ देती है। इसी बात से दुखी होकर मैंने अपने पुत्र कुलदीप सिंह व पुत्रवधू रीना देवी को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अतः भविष्य में अपने द्वारा किये गये कृत्यों एवं लेन-देन के लिए यह स्वयं जिम्मेदार होंगे। इनसे मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **जय सिंह पुत्र मगरू सिंह व लीलावती देवी पत्नी श्री जय सिंह, निवासीगण हरिपुरा, मदनापुर, पो. मझरा आनन्द सिंह, थाना दिनेशपुर, तहसील गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)।**

बेदखल सूचना

मेरा पुत्र मनोज सिंह (आधार कार्ड नं. 88518000 7612) उम्र 25 वर्ष है। यह नशे का आदी हो गया तथा गलत संगत में पड़ जाने के कारण मेरे व मेरे परिवार वालों के साथ आये दिन गाली गलौच व लड़ाई-झगड़ा कर घर का माहौल खराब कर शान्तिभंग करता है और घर वालो के समझाने पर भी नहीं मानता है। इससे दुःखी होकर मैंने अपने पुत्र मनोज सिंह को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे मकान एवं अन्य सम्पत्ति में मनोज सिंह का कोई हक एवं सरोकार नहीं होगा। भविष्य में अपने द्वारा किये गये कृत्यों एवं लेन-देन के लिए यह स्वयं जिम्मेदार होगा, इससे मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **पंचम सिंह पुत्र श्री चन्द्र सिंह, चरनपुर, मदनापुर थाना दिनेशपुर, तहसील गदरपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)।**

निकासी गेट से शांतिपुरी-3 तक हॉटमिक्स हो सड़क

क्षेत्रवासियों ने गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंप उठाई मांग, टाइल्स फुटपाथ बनाने की भी फरियाद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शांतिपुरी के लोगों ने नैनीताल जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपकर शांतिपुर उपखनिज निकासी गेट से शांतिपुरी-3 तक हॉटमिक्स सड़क व टाइल्स फुटपाथ बनाने की मांग की है।

कांग्रेस प्रवक्ता एवं पूर्व दर्जा मंत्री गणेश उपाध्याय के नेतृत्व में शांतिपुरीवासियों ने गुरुवार को डीएम ललित मोहन रयाल से मुलाकात की। उन्होंने डीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि गौला नदी में लालकुआं इमली घाट से प्रतिवर्ष खनन होता है, जिससे अमूमन 15 करोड़ का राजस्व मिलता है। इस गेट पर खनन के लिए 600 ट्रैक्टरट्रॉली जनपद ऊधम सिंह नगर के शांतिपुरी 1,2,3 से होते हुए शांतिपुरी गेट की ओर निकलती है। इस वजह से शांतिपुरी गेट से शांतिपुरी नंबर-3 तक लगभग 25000 की आबादी में खनन वाहन निकलते हैं जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव होता है। इस मार्ग में एक इंटर कॉलेज, दो हाईस्कूल, तीन प्राइमरी स्कूल व एक जूनियर हाई स्कूल भी है। मार्ग भारी वाहनों के आवागमन से क्षतिग्रस्त हो गया है। वैसे तो यह क्षेत्र यूएस नगर में आता है लेकिन इस गेट से खनन न्यास की रकम नैनीताल जिले को प्राप्त होती है। उन्होंने जिला खनिज फाउंडेशन न्यास से इमली घाट से लेकर शांतिपुरी लिंक मार्ग शांतिपुरी नंबर तीन तक लिंक मार्ग तक हॉट मिक्स सड़क व शांतिपुरी नंबर-3 से शांतिपुरी गेट तक तीन किमी मार्ग के दोनों ओर टाइल्स से फुटपाथ निर्माण की मांग की है। इस पर डीएम रयाल ने जल्द ही कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिपं सदस्य प्रेम प्रकाश आर्य, प्रधान बचुली देवी, सतीश नैनवाल, ललित बिष्ट, तेज सिंह बिष्ट, प्रिंस कुंवर, फकीर राम रहे।

डीएम ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस नेता गणेश उपाध्याय व अन्य। ● अमृत विचार

पर्यटन सीजन से पहले जुटाई जाएंगी सभी व्यवस्थाएं: डीएम

नैनीताल : आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए स्टेक होल्डरों के साथ बैठक करने की तैयारी के साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक इंतजाम पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पर्यटन सीजन शुरू होने से पहले शहर में यातायात, पार्किंग, सफाई, पेयजल, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कर ली जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। बताया कि जल्द ही होटल व्यवसायियों, टैक्सी यूनियनों, व्यापार मंडल सहित अन्य स्टेक होल्डरों के साथ बैठक कर सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन सीजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि शहर में आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

बैंकर्स कृषि क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाएं : रयाल

संवाददाता, हल्द्वानी

● डीएम ने ली आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक

अमृत विचार : डीएम ललित मोहन रयाल ने जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक की। उन्होंने सभी बैंकर्स को कृषि क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाने और लक्ष्य की पूर्ति के निर्देश दिए। डीएम ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) पॉलीहाउस, लघु उद्यमी, स्वयं सहायता समूह, पशुपालन, मत्स्य पालन विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और समयबद्ध ढंग से ऋण निस्तारण पर जोर दिया।

उन्होंने कहा बैंकर्स किसानों को ऋण देने में सकारात्मक रवैया अपनाएं। जो बैंकर्स लक्ष्य के अनुरूप ऋण मुहैया नहीं करा सके उनकी सूची बनाई जाए। उन्होंने कहा सरकार की ओर से जो भी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं लोगों को आरसेटी अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण दें ताकि लोग स्वरोजगार अपनाएं। बैठक में बैंकर्स की ओर से पशुपालकों को लोन मुहैया नहीं कराए जाने की शिकायतों पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने लीड बैंक अधिकारी को ऐसे बैंकर्स की सूची बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कोऑपरेटिव, पशुपालन विभाग एवं बैंक आपस में समन्वय बनाकर सभी पशुपालकों के लोन की की समस्या का शीघ्र समाधान कर प्रगति रिपोर्ट सीडीओ को देंगे।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के जिला विकास प्रबंधक मुकेश बेलवाल ने कहा कि नाबार्ड की 7,928 करोड़ रुपये की ऋण योजना से नैनीताल के विकास को नई गति मिलेगी। इसमें फसल उत्पादन, बागवानी विकास, सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, दुग्ध उत्पादन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन तथा अन्य गतिविधियां शामिल हैं।

बकाया जमा न करने वालों की अब खैर नहीं

हल्द्वानी : बिजली बिल का बकाया जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ ऊर्जा निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए शहर और ग्रमीण के क्षेत्रों में गुरुवार को विशेष वसूली अभियान चलाया। इस दौरान बकाया राशि की वसूली के साथ ही कई उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन भी अस्थायी रूप से काट दिए गए।

ऊर्जा निगम की टीमों ने गुरुवार को लामाचौड़, काठगोदाम, कठघरिया, कमलुवागांजा और मुखानी ऊंचापुल क्षेत्रों में घर-घर जाकर बकाया बिजली बिलों की जांच की। इस दौरान कुल 133 उपभोक्ताओं की जांच की गई, जिन पर विभाग का लगभग 12 लाख से अधिक का बिजली बिल बकाया पाया गया। इस दौरान 109 उपभोक्ताओं ने बकाया राशि जमा कर दी, जिससे विभाग को करीब 10.29 लाख रुपये की वसूली हुई। इसके अलावा 14 ऐसे उपभोक्ता भी मिले जिन्होंने बकाया होने के बावजूद भुगतान नहीं किया। इस पर विभागीय टीम ने उनके बिजली कनेक्शन अस्थायी रूप से काट दिए। इन उपभोक्ताओं पर करीब 2 लाख रुपये का बकाया बताया गया है। ग्रामीण डिवीजन के ईई एसके गुप्ता ने बताया कि अब बकाया राशि जमा करने के बाद ही इन कनेक्शनों को दोबारा जोड़ा जाएगा।

बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना जरूरी

रामनगर : विकासखंड संसाधन केंद्र पीरुमदारा में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल के तत्वावधान में विज्ञान संचेतना कार्यशाला का शुभारंभ बीडीओ रामनगर हवलदार प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान की अवधारणा विकसित करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। इसके अंतर्गत भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के विभिन्न विषयों पर गतिविधियाँ कराई जाएंगी। कार्यशाला में डाइट भीमताल के वरिष्ठ प्रवक्ता ललित प्रसाद तिवारी, डॉ. पूरन सिंह भूमला, शिक्षक संघ नैनीताल के जिला अध्यक्ष मनोज तिवारी, संदर्भदाता डॉ. विजेता बिष्ट, डॉ. विजेता मनराल, रश्मि जोशी, कमलकांत पांडे, शिवओम अग्रवाल, रूपाली, राखी धनगर, मंजरी जोशी आदि रहे।

98 योजनाओं में मानकों के अनुरूप नहीं मिले कार्य

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने ओखलकांडा ब्लॉक के कालाआगर में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित 22 करोड़ 86 लाख रुपये की योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एडीएम ने योजना के कार्यान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर और गुणवत्तापूर्ण पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने ब्लॉक कार्यालय का निरीक्षण किया। कई योजनाओं के अपूर्ण होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में विधायक निधि, सांसद निधि की 98 योजनाओं में मानकों के अनुरूप कार्य नहीं होने पर बीडीओ को त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा के 836 कार्य अपूर्ण पाए गए और 167 लाभार्थियों की वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन उनके बैंक खातों से आधार लिंक न होने के कारण नहीं पहुंच पाई, जिसके लिए विभाग को कैम्प लगाकर डीबीटी के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने विकासखंड में 13 आंगनबाड़ी केंद्रों के अधूरे निर्माण पर भी नाराजगी व्यक्त की और खंड विकास अधिकारी को समयसीमा में कार्य पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। इनिरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी देशराज, तहसीलदार मनीषा बिष्ट आदि रहे।

पनेलुवा व गुरुणी नाले की सफाई की मांग

कालाढूंगी : देगांव कोटाबाग की समाजसेवी ज्योति आनंद व अंशु पांडेय ने देचौरी रेंज व कालाढूंगी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रमेश चंद्र ध्यानी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में उन्होंने कोटाबाग क्षेत्र के ग्राम गिनतीगांव के पास स्थित पनेलुवा व गुरुणी नाले में जमा गंदगी की सफाई कराने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की।

उन्होंने बताया कुछ असामाजिक तत्व नालों में कूड़ा-कचरा, पॉलिथीन तथा मरे हुए जानवर फेंक रहे हैं, जिससे वहां भारी गंदगी जमा हो गई है और यह बीमारी फैलने का कारण बन रही है। उन्होंने वन क्षेत्राधिकारी से नालों की साफ-सफाई कराने, सफाई अभियान चलाने तथा लोगों को जागरूक करने के लिए नालों के पास चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की। वन क्षेत्राधिकारी रमेश चंद्र ध्यानी ने बताया कि सफाई अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा और चेतावनी बोर्ड भी लगाए जाएंगे।

किसानों की आय दोगुनी करना लक्ष्य

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: कोटाबाग ब्लॉक सभागार में गुरुवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। सीडीओ नैनीताल अरविंद पांडे ने किसानों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी भी दी।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में किसानों ने विभिन्न समस्याएं रखीं। उन्होंने सोसायटी से यूरिया खाद लेने पर नैनो खाद जबरदस्ती दिए जाने, पिछली बार सोयाबीन के बीज दो बार बुवाई के बाद भी न जमने तथा धान की पैदावार कम होने और उसकी बिक्री न हो पाने पर आक्रोश व्यक्त किया। सीडीओ अरविंद पांडे ने संबंधित अधिकारियों को बीज की जांच करने के निर्देश दिए तथा सोसायटी से यूरिया खाद के साथ नैनो खाद जबरन दिए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि ऐसा कोई नियम नहीं है और किसानों की समस्याओं का गंभीरता से निवारण किया जाएगा। सीडीओ पांडे ने किसानों से नई तकनीक से जुड़ने का आह्वान किया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके। भाकियू जिलाध्यक्ष भगवान सिंह रौतेला ने कहा कि बैठक मात्र औपचारिकता बनकर रह गई। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये का भी आरोप लगाया। ग्राम प्रधान ममता वर्मा ने विकासखंड की सभी न्याय पंचायतों को समान अनुदान दिए जाने की मांग की। किसानों ने यह भी नाराजगी जताई कि उनकी समस्याएं सुनने के लिए वन, सिंचाई और राजस्व विभाग के अधिकारी बैठक में उपस्थित नहीं थे। बीडीओ श्वेता सैनी, ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, विधायक प्रतिनिधि मयंक तिवारी, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नेगी, सांसद प्रतिनिधि विक्रम जंतवाल, मुख्य कृषि अधिकारी रितु टम्टा, मुकेश वर्मा, गीतांजलि रहे।

किसानों को उपकरण वितरित करते हुए सीडीओ अरविंद पांडे। ● अमृत विचार

कैंची धाम में बाबा नीब करौरी के दर्शन को जाते बॉलीवुड गायक विशाल मिश्रा।

कैंची धाम पहुंचे बॉलीवुड गायक विशाल मिश्रा

नैनीताल, अमृत विचार : बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीत निर्देशक व गायक विशाल मिश्रा ने गुरुवार को कैंची धाम में बाबा नीब करौरी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बाबा के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए मंदिर में पूजा-अर्चना की और कुछ समय आध्यात्मिक वातावरण में बिताया। विशाल मिश्रा ने कहा कि बाबा नीम करौली की इस पावन भूमि में एक अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने नैनीताल की वादियों की सुंदरता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और लोगों की आत्मीयता हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। नैनीताल की खूबसूरत वादियों और आध्यात्मिक माहौल ने उन्हें भी मंत्रमुग्ध कर दिया। कैंची धाम पहुंचने के बाद गायक विशाल मिश्रा ने उत्तराखंड सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने यहां तैनात पुलिस कर्मियों के अनुशासित और सहयोगात्मक व्यवहार की भी प्रशंसा की। उन्होंने वहां मौजूद पुलिस कर्मियों और श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाते हुए अपने लोकप्रिय गीत संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं की कुछ पंक्तियां भी गाईं।

इंडिया टाइगर्स ने 20 रन से जीता मैच

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी के गौलापार अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए लेजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के दूसरे मुकाबले में इंडिया टाइगर्स ने रॉयल राइडर्स पंजाब को 20 रन से हरा दिया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और दर्शकों के उत्साह से स्टेडियम में जबरदस्त माहौल देखने को मिला।

टॉस जीतकर रॉयल राइडर्स पंजाब ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। शुरुआत में इंडिया टाइगर्स की टीम दबाव में दिखी और 11 ओवर के भीतर ही उसके पांच विकेट गिर गए। इसके बाद मैदान पर उतरे पूर्व भारतीय खिलाड़ी पवन नेगी को देखकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दर्शकों ने नेगी-नेगी, पवन नेगी के नारों से स्टेडियम गूंजा दिया।

पवन नेगी ने मैदान में आते ही आक्रामक बल्लेबाजी शुरू कर दी और चौके-छक्कों की बरसात कर दी। उनके साथ कुलदीप हुड्डा की जोड़ी ने शानदार साझेदारी करते हुए टीम की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों की दमदार बल्लेबाजी की बदौलत इंडिया टाइगर्स की टीम निर्धारित ओवरों में 167 रन बनाने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल राइडर्स पंजाब की टीम ने भी संघर्ष किया, लेकिन अंतिम समय में मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। आखिरी ओवरों में पंजाब को 9 गेंदों में 31 रन की जरूरत थी, लेकिन इंडिया टाइगर्स की कसी हुई गेंदबाजी के सामने वह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी और मुकाबला 20 रन से हार गई।

मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने पहाड़ी गीतों पर जमकर डांस किया और पूरे मैच का भरपूर आनंद लिया।

गौलापार में चल रहे मैच में खेलते इंडिया टाइगर्स व रॉयल राइडर्स पंजाब के खिलाड़ी।

चंदन हॉस्पिटल में हुआ महिलाओं का सम्मान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हल्द्वानी स्थित चंदन हॉस्पिटल में सम्मान समारोह आयोजित कर एयर फोर्स, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवा से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि दर्जा मंत्री शांति मेहरा व विशिष्ट अतिथि रेनू अधिकारी रहीं।

कहा कि आज महिलाएं अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास के बल पर हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। कार्यक्रम में डॉ. शाविया अरोरा, दिव्या त्रिपाठी, प्रियंका, ऋचा, तुलसी गर्ब्याल, दीपा, गीता नेगी, डॉ. दीपिका, रजनी बाला, अराधना श्रीवास्तव, सुनीता देवी, कविता गोदियाल, दीपा फुलारा, प्रीति, पुष्पा बालमुचू, थेराली हुमत्सो, पूर्णिमा त्रिकेय, मुन्नी, नीलम पंवार, नीतू पांडे, दीक्षा जोशी, रीना भंडारी, रंजना शाही, आरती सती, आशा शर्मा, शुभ्रा कंडपाल, भास्कर व ज्योति प्रभा को सम्मानित किया गया।

चंदन हॉस्पिटल की मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अल्का राय, एसीएमओ डॉ. श्वेता भंडारी, महिला चिकित्सालय की सीएमएस डॉ. उषा जंगपांगी के अलावा अस्पताल के सीईओ डॉ. परवेज़ अहमद, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नितीश और एसजीएम ऑपरेशंस सत्यप्रकाश दुबे रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी०एम०जी०एस०वाई० ज्योलीकोट (नैनीताल)
Email ID : eepmgsyjyolikot @rediffmail.com

पत्रांक : 191/ निविदा/2025-26 **अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-05/EE/2025-26** दिनांक : 12-03-2026

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मुहरबन्द निविदा दिनांक 28-03-2026 को अपरान्ह 1.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र जमा करते समय 03 प्रतिशत धरोहर धनराशि जो एन०एस०सी०/किसी राष्ट्रीय कृत बैंक द्वारा निर्गत टी०डी०आर०/एफ०डी०आर० हो, को प्रतिभूति के रूप में अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी०एम०जी०एस०वाई, ज्योलीकोट के पदनाम से बन्धक कर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 18.03.2026 से 27.03.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में (राजकीय अवकाश को छोड़कर) 11:00 बजे पूर्वान्ह से 4.00 बजे सायं तक निर्धारित शुल्क देकर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। डाक द्वारा निविदा प्रपत्र मंगवाने पर डाक व्यय हेतु रू० 100.00 मात्र अलग से देय होगा। डाक से विलम्ब का उत्तरदायित्व विभाग का नहीं होगा। यह निविदायें दिनांक 28.03.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में गठित समिति द्वारा खोली जायेगी। बिना कारण बताये निविदा को निरस्त, स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

क्र० सं०	मोटर मार्ग का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	नौना ब्यासी सिल्टोना बुधलाकोट मोटर मार्ग किमी० 15.450 में अतिवृष्टि एवं भूस्खलन से हुई क्षति का पुनर्निर्माण कार्य।	36000.00	रू० 1500.00 +18% GST	2 माह	30 दिन	'डी' श्रेणी एवं उच्चतर

नोटः-
1. कार्य लो०नि०वि०/पी०एम०जी०एस०वाई० के विशिष्टियों के अन्तर्गत कराया जायेगा।
2. अन्य शर्तें जी०पी०डब्ल्यू०-9/जी०पी०डब्ल्यू०-8/समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के अनुसार होगी।
3. शासनादेश सं० 6447/II (2)/11-20 (सा०) / दिनांक 13.01.2013 के अनुसार अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी का निर्धारण किया जायेगा।
4. अनुबन्ध गठित के समय अवशेष 2 प्रतिशत कार्यपूर्ति प्रतिभूति जमा करना अनिवार्य होगा।
5. निविदा के साथ लो०नि०वि० पंजीकरण, जी०एस०टी० प्रमाण पत्र, पेन कार्ड की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा स्वीकार्य नहीं होगी।
6. निविदा के साथ 100/- मूल्य का नॉन जूडिशियल स्टाम्प जिस पर रू० 1.00 का डाकघर रेवेन्यू का एक टिकट हस्ताक्षरयुक्त लगा हो।

(मनोज कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
सिं०ख०, पी०एम०जी०एस०वाई० ज्योलीकाट (नैनीताल)

कुलपति ने परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

हल्द्वानी : शीतकालीन परीक्षाओं के दौरान माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। कुलपति ने परीक्षा कक्षों का भ्रमण कर परीक्षा व्यवस्था, अनुशासन और पारदर्शिता का जायजा लिया।

उन्होंने परीक्षार्थियों और परीक्षा ड्यूटी में तैनात शिक्षकों व कर्मियों से बातचीत की और निर्देश दिए कि परीक्षाएं विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न हों। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था और परीक्षा संचालन की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे निरीक्षण कर परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता बनाए रखता है।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों को दी बधाई, जताई प्रसन्नता

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल मंडल से नए पदाधिकारियों को मौका दिए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता जाहिर की है। जिला उपाध्यक्ष गौतम मटियाली, शिप्रा जोशी जिला मंत्री युवा मोर्चा, जिला कोषाध्यक्ष रवि कुमार अनुसूचित मोर्चा, रिहान खान जिला मंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा नैनीताल और जिला महामंत्री अनूसुचित मोर्चा भुवन आर्या और युवा मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य बनने पर धन सिह राणा को भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

जिले में नए दायित्व मिलने पर जिला मंत्री मनोज भट्ट मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, मीनाक्षी भगत पंकज जोशी, बीना आर्या, कमला आर्या, कमलेश रावत, गोपाल कृष्ण भट्ट, भुवन भट्ट, भास्कर भगवाल, शरद पांडे, आशु पाठक, नितिन राणा आदि ने बधाई दी

भाजपाई जिनको दायित्व सौंपा गया है।

खेल विवि के लिए 8.57 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

हल्द्वानी : गौलापार में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय और उससे जुड़ी खेल अवसंरचना परियोजना के लिए 8 करोड़ 57 लाख 13 हजार 171 रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई हैं। शासन की ओर से जारी आदेश में खेल विभाग को यह धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वन विभाग की भूमि की आवश्यकता थी, जिसके लिए केंद्र सरकार से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि स्वीकृत राशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2025-26 में परियोजना से जुड़े सर्वेक्षण, तकनीकी परीक्षण, परामर्श और अन्य प्रक्रियात्मक कार्यों के साथ-साथ प्रतिपूरक वृक्षारोपण से संबंधित व्यवस्थाओं पर किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

मानसून से पूर्व तैयारियों को लेकर बैठक ली

रुद्रपुर : जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन सभागार में ग्रीष्म ऋतु और मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने पेयजल विभाग को गर्मी के मद्देनजर सुचारू जलापूर्ति सुनिश्चित करने और खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, सर्पदंश किट (एंटी वेनम) और आवश्यक दवाइयां तैयार रखने के साथ ही गर्भवती महिलाओं का डेटा अपडेट करने को कहा गया। शिक्षा विभाग को भीषण गर्मी में स्कूल के समय में बदलाव पर विचार करने और नगर निकायों को मानसून से पहले नालियों की सफाई के निर्देश दिए गए। बैठक में एसडीएम गौरव पांडेय समेत जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, जबकि अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

सर्वाइकल कैंसर को लेकर टीकाकरण शुरू

किच्छा : नगर स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों पर महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 14 वर्ष से अधिक और 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को भविष्य में होने वाले इस घातक कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल गौर ने बताया कि महिलाओं के लिए यह बीमारी भयानक रूप धारण कर रही है, जिनकी समय रहते रोकथाम आवश्यक है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देशानुसार यह अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ी को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सके। प्रथम दिन कई बालिकाओं का निशुल्क टीकाकरण किया गया। मौके पर महिला चिकित्सक डॉ. कनक बनोथा, भव्या जायसवाल, रेनू बाला, आर पी सिंह, अभिषेक सक्सेना, शमीम बानो, तनवीर अहमद आदि मौजूद रहे।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी

बाजपुर : दोराहा क्षेत्र में जमीन खरीद के नाम पर 2.80 लाख की धोखाधड़ी और मारपीट का मामला सामने आया है। रामपुर निवासी पीड़ित मोहम्मद रऊफ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने अल्ला बख्श नामक व्यक्ति से रिहायशी जमीन खरीदी थी, जो बाद में ग्राम समाज की निकली। आरोप है कि जब रऊफ ने अपने पुत्र तौसिफ के साथ आरोपी के बेटे इरफान से रकम वापस मांगी, तो इरफान और उसके साथियों ने लोहे के हैंडल से उन पर हमला कर दिया। इस मारपीट में पिता-पुत्र दोनों घायल हो गए।

बाइक लूटकांड : पुलिस-बदमाशों में मुठभेड़, दो के पैर पर लगी गोली

सगे भाई-पिता ने किया पुलिस पर हमला, एक बदमाश का चल रहा उपचार, गिरफ्तार

संवाददाता, रुद्रपुर/सितारगंज

बाइक लूटकांड के अभियुक्तों के साथ सितारगंज पुलिस। • अमृत विचार

अमृत विचार: बाइक लूटकांड प्रकरण में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर पर गोली लगी, जबकि दो बदमाशों ने खुद को सरेंडर कर दिया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल एक बदमाश की पुलिस अभिरक्षा में उपचार शुरू कर दिया है, जबकि तीन बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस ने बदमाशों से धारदार हथियार व तमंचा सहित लूटी गई बाइक भी बरामद कर ली है।

गुरुवार को खुलासा करते हुए एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि 10 मार्च को थाना सितारगंज पुलिस को सूचना मिली कि गांव लामाखेड़ा निवासी अरुण सिंह से दो युवकों द्वारा गर्दन पर तलवार व चाकू रखकर पहले हत्या करने की धमकी दी। फिर बाइक संख्या यूके-06 बीसी-9253 को लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए अपनी तफ्तीश शुरू की तो पता चला कि वारदात को अंजाम देना वाला गांव भरौनी निवासी गुरमीत सिंह है। जिसने अपने परिवार के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि 11 मार्च की शाम को सूचना मिली कि बाइक लूटकांड के अभियुक्त गुरमीत सिंह के घर पर मौजूद है और सूचना के आधार पर पुलिस ने जब घेराबंदी की तो गुरमीत सिंह, उसका भाई मक्खन सिंह व पिता मोहन सिंह सहित एक युवक ने धारदार हथियार निकाला और एक युवक ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी कई राउंड गोलीबारी की। जिसमें अभियुक्त गुरमीत सिंह के बाईं जांघ और इंद्रजीत सिंह उर्फ दिलबाग सिंह के भी बाईं जांघ पर गोली लगी। बावजूद अभियुक्त जंगल की तरफ भागे और पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाशों को पकड़ लिया और गंभीर रूप से घायल गुरमीत सिंह का उपचार शुरू करवा दिया। पुलिस ने पकड़े गए मोहन सिंह, इंद्रजीत सिंह और मक्खन सिंह निवासी गांव भरौनी सितारगंज को न्यायालय में पेश कर दिया है।

भाई-पिता ही हैं गैंग के लीडर

रुद्रपुर : अरुण नाम के व्यक्ति से बाइक लूट की वारदात को अंजाम देने वाला एक ही परिवार है जो एक राय होकर अपने साथियों के साथ मिलकर लूटपाट की वारदात को अंजाम देता है। पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त गुरमीत सिंह और मक्खन सिंह सगे भाई हैं और अपने पिता मोहन सिंह के साथ मिलकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते हैं। सगे भाई व पिता के इशारे पर ही गिरोह के साथ बाइक सवार की हत्या करने की धमकी देते हुए बाइक लूट लेते हैं और यूपी के सीमावर्ती इलाकों में बेच देते हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

चले जाओ, नहीं तो जान से मार देंगे

सितारगंज थाना प्रभारी सुंदरम शर्मा ने बताया कि 11 मार्च की देर शाम को पुलिस को आता देख बदमाश गुरमीत सिंह फौरन घर से तलवार लाया, जबकि इंद्रजीत पाटल लेकर निकला। इसके अलावा गुरमीत सिंह ने तमंचा लोड करते हुए पुलिस टीम को धमकाया कि वापस चले जाओ, नहीं तो जाने से मार दिया जाएगा और धमकी देते ही जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दो राउंड फायर किया। बावजूद पुलिस को अपनी ओर आता देखकर मोहन सिंह, मक्खन सिंह भी संगठित हो गए और पुलिस पर हमला बोल दिया।

भाई-पिता पर दर्ज हैं कई आपराधिक मामले

एसएसपी ने बताया कि अभियुक्त मोहन सिंह पर वर्ष 2021, वर्ष 2026 में, गुरमीत सिंह पर वर्ष 2020 से लेकर वर्ष 2023 तक गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट सहित आठ मुकदमे दर्ज हैं, जबकि मक्खन सिंह पर वर्ष 2021 व 2026 में दो मुकदमे दर्ज हैं। अभियुक्तों के साथ इंद्रजीत सिंह पर भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस और भी जांच कर रही है।

महिला को लहूलुहान कर लूटे 50 हजार

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक दबंग परिवार की दबंगई के आगे पुलिस भी नतमस्तक हो गई। यही कारण है कि जनवरी में एक महिला को लहूलुहान कर हजारों रुपये लूटने का मामला सामने आने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब अदालत ने हस्तक्षेप किया तो पुलिस ने याचिका के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जगतपुरा मुखर्जी नगर शीला मंडल ने बताया कि 26 जनवरी की दोपहर 2 बजे वह घर पर थी कि तभी नमिता सरकार, अर्पणा सरकार, कल्पना मंडल निवासी संजय नगर खेड़ा, पुष्पा मंडल, रंजीत मंडल निवासी जगदीशपुर दिनेशपुर और मोरी निवासी सुंदरपुर जबरन घर में आये और अभद्रता करते हुए दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। जब विरोध किया तो हमलावरों ने उसका सिर जमीन पर पटकना शुरू कर दिया और वह लहूलुहान हो गई। जब बेटे ने बचाने का प्रयास किया तो उसे भी घायल कर दिया। बेरहमी से घटना को अंजाम देने के बाद हमलावरों ने सोने की बालियां व ड्रेसिंग टेबल में रखे 50 हजार रुपये भी लूट लिए और धमकाया कि यदि वारदात की सूचना पुलिस को दी तो अंजाम घातक होगा। मां-बेटे ने जिला अस्पताल में अपना मेडिकल कराया और तहरीर थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को सौंपी। पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की तो पीड़िता ने न्यायालय में याचिका दायर की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हनी ट्रैप में फंसाकर मांगे आठ लाख रुपये

संवाददाता, रुद्रपुर

- युवक को गुडमॉर्निंग मैसेज व फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर बिछाया जाल
- पुलिस ने आरोपी दो युवतियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

अमृत विचार: हनी ट्रैप का नेटवर्क चलाने वाली दो युवतियों का शिकार बने एक युवक से लाखों रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। भयभीत किया कि यदि रकम जल्द नहीं मिली तो अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर बदनाम किया जाएगा। पुलिस ने युवक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताते चलें कि अपने नेटवर्क के साथ मिलकर हनी ट्रैप का धंधा करने वाली पिंकी व नेहा उर्फ जोहरा एक बार फिर चर्चा में आई हैं। कई युवकों को प्रेमजाल में फंसाकर लाखों रुपये हड़पने के बाद एक और युवक ने युवतियों पर ब्लैकमेल कर फिरौती मांगने का आरोप मढ़ा है। रामपुर यूपी के रहने वाले एक युवक ने बताया कि अक्टूबर में उसके मोबाइल पर एक अज्ञात मिस कॉल आई थी। कॉल करने पर युवती ने अपना नाम नेहा बताया और गलत नंबर डायल करने की बात कहते हुए सॉरी भी बोला।

इसके बाद लगातार युवती उसे गुड मॉर्निंग का मैसेज भेजती रही और वह भी सात से आठ दिनों तक उसका जवाब देता रहा। वीडियो कॉल के माध्यम से युवती ने काशीपुर आने का न्यौता दिया तो उसने इंकार कर दिया। 19 नवंबर 2025 को फिर युवती ने रुद्रपुर बुलाया। शाम साढ़े छह बजे उसकी मुलाकात नेहा और पिंकी नाम की लड़कियों के साथ हुई। घूमने फिरने के बाद युवतियां उसे एक मकान में ले गई और बाथरूम में ले जाकर बंद कर दिया। तभी दीपक कश्यप नाम का युवक आया। इसी दौरान एक युवती अश्लील हरकत करने लगीं और युवक वीडियो बनाता रहा। वीडियो बनाने के बाद धमकाया कि यदि जल्द ही आठ लाख रुपये क्यूआर कोड पर नहीं डाले तो अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाएगी और उसके खिलाफ दुष्कर्म जैसी गंभीर मामलों में मुकदमा दर्ज होगा। इंकार करने पर उसे बेरहमी से पीटा भी गया और उसकी जेब से 14 हजार 500 रुपये भी लूट लिए गए। धमकाया कि यदि पुलिस से शिकायत की तो अंजाम बहुत बुरा होगा। हनी ट्रैप प्रकरण के बाद वह बीमार रहने लगा। जब ठीक हुआ तो उसने हनी ट्रैप संचालित करने वाली युवतियों के खिलाफ कार्रवाई करने की ठानी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की मांग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गैरसैंण विधानसभा सत्र के दौरान विधायक शिव अरोरा ने उत्तराखंड में यूसीसी की तरह जनसंख्या नियंत्रण कानून को लाये जाने की मांग सरकार के सामने रखी। साथ ही विधानसभा में अध्यक्ष के सम्मुख ये विषय रखा कि उत्तराखंड में डेमोग्राफी चेंज एक वर्ग विशेष द्वारा किया जा रहा है। इसे रोकने के लिए राज्य में जनसंख्या नियंत्रण कानून की जरूरत है।

गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान विधायक अरोरा विधायक शिव अरोरा ने सदन में कहा कि सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून लाना चाहिए। यदि सरकार कानून लाती है तो उस दिन से तीन से अधिक बच्चे होने पर उसकी परिवार को समस्त सरकारी सुविधाओं से वंचित किया जाना चाहिए। जिनमें सरकारी राशन, आयुष्मान कार्ड, गैस आदि सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ग विशेष द्वारा हम पांच हमारे पच्चीस की मानसिकता से धार्मिक आधार पर जनसंख्या बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के मैदानी जिले ही नहीं बल्कि सुदूर पर्वतीय जिले भी बाहर से आए घुसपैठियों की वजह से यहां की सांस्कृतिक धरोहर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसलिए सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने पर विचार करना चाहिए।

क्रेडिट कार्ड कर्मी बन हड़पे 1.79 लाख

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके के रहने वाले एक युवक को बैंक क्रेडिट कार्ड कर्मी बनकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आवास विकास निवासी शंकर शील ने बताया कि 2 मार्च को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आयी जो खुद को एसबीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड कर्मी बता रहा था। कॉलर ने बताया कि क्रेडिट कार्ड में कुछ तकनीकी खराबी है जिसको ठीक करना जरूरी है। बातों पर विश्वास करते हुए खाताधारक ने सारी जानकारी दे डाली। थोड़ी देर बाद ही खाते से दो बार 1.79 लाख रुपये निकासी हो गए। बैंक में जानकारी लेने पर पता चला कि साइबर ठगों ने ठगी को अंजाम दिया है।

दुकानों व रेस्टोरेंट में एसडीएम ने की छापेमारी

संवाददाता सितारगंज

दुकान से घरेलू एलपीजी सिलेंडर बरामद कर ले जाती टीम।

अमृत विचार : घरेलू एलपीजी सिलेंडर के कॉमर्शियल उपयोग और बाजार में गैस की कमी की फैल रही अफवाहों के बीच प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने पूर्ति निरीक्षक डीएस धामी के साथ बाजार में छापेमारी कर एक दुकान से पांच घरेलू एलपीजी सिलेंडर बरामद किए।

बृहस्पतिवार को एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने बाजार में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दुरुपयोग को रोकने के लिए पूर्ति निरीक्षक डीएस धामी के साथ संयुक्त रूप से कई दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान किच्छा रोड पर रम्पुरा मस्जिद के पास एक दुकान में घरेलू एलपीजी सिलेंडर का कॉमर्शियल उपयोग करते हुए पाया गया। मौके से पांच घरेलू एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए। एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग नियमों के खिलाफ है। उन्होंने साफ कहा कि बाजार में घरेलू एलपीजी की कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी बीच एसडीएम ने गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक भी की। बैठक में एजेंसी संचालकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और कहीं भी कमी नहीं है।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर का कॉमर्शियल उपयोग करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

किच्छा में भी किया गैस एजेंसियों का निरीक्षण

किच्छा : घरेलू गैस की कमी की अफवाहों के बीच एसडीएम गौरव पांडे के नेतृत्व में प्रशासन ने गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में गोदामों के स्टॉक और सिलेंडरों के वजन की जांच की गई, जहाँ आपूर्ति पर्याप्त पाई गई। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि गैस की कोई कमी नहीं है और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। ऑनलाइन बुकिंग सर्वर डाउन होने की समस्या पर एजेंसी प्रबंधक पंकज गंगोला ने कहा कि जरूरत पड़ने पर मैनुअल आपूर्ति की जाएगी। इस दौरान तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी और सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी मौजूद रहे।

कार चालक को एक वर्ष का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बुजुर्ग महिला को रौंदने के दोषी को एक वर्ष का कठोर कारावास होने का मामला सामने आया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना निर्णय दिया। मामला वर्ष 2016 का है। पोते ने न्यायालय में याचिका दायर की थी।

अधिवक्ता बसंती गिरी ने बताया कि 2 अक्टूबर 2016 को फाजलपुर महरौला निवासी आनंद यादव ने मुकदमा दर्ज कराया था कि उसकी दादी लक्ष्मी वी गुरुनानक डिग्री कॉलेज प्रीत बिहार सड़क किनारे घास काट रही थी। सुबह साढ़े 10 बजे तेज रफ्तार कार ने सड़क पार करते हुए टक्कर मार दी। लापरवाही का आलम यह था कि बुजुर्ग दादी को कार चालक काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया और डॉक्टरों ने दादी को मृत घोषित कर दिया। पड़ताल में पता चला कि उस वक्त कार का संचालन आजाद खान तराई विहार कॉलोनी फाजलपुर महरौला कर रहा था। प्रकरण की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हेमंत सिंह की अदालत में हुई। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने कार चालक आजाद खान को गैर इरादतन हत्या सहित 279 की धारा का दोषी करार देते हुए एक वर्ष का कारावास और अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

टुकटुक चालक को लहूलुहान किया

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक टुकटुक चालक पर हथौड़ी से हमला कर लहूलुहान करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार वार्ड-आठ विवेक नगर निवासी किशन पाल ने बताया कि 11 मार्च की शाम 5 बजे वह दक्ष चौराहे से टुकटुक में सवारी भर रहा था। तभी साक्षीपुरम कॉलोनी के समीप गुलफान खान निवासी गांधी कॉलोनी अपने साथी के साथ आया और गाली-गलौज करते हुए हथौड़ी से प्रहार शुरू कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया और चीख पुकार सुनने के बाद लोगों की भीड़ इकट्ठा होने लगी। जिसे देख वह फरार हो गया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान

संवाददाता, रुद्रपुर

नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों के साथ भाजयुमो जिलाध्यक्ष व भाजपा जिलाध्यक्ष।

अमृत विचार: जिला कार्यालय रुद्रपुर में भाजयुमो के जिलाध्यक्ष विपिन सिंह गहलौत के नेतृत्व में नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों के सम्मान में स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की शुरुआत दीप जलाकर वंदे मातरम् गीत एवं स्वागत भाषण के साथ हुई।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे। इस दौरान सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने और क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इससे पूर्व नवनियुक्त युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों का माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा धीरेंद्र मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला मौजूद रहे।

चंदन बने रंपुरा चौकी प्रभारी, कई इधर-उधर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एसएसपी ने जिले के दस दरोगाओं का तबादला कर दिया है। दरोगा कविंद्र शर्मा का तबादला करते हुए गढ़ीनेगी चौकी का प्रभारी बनाया है। इसी तरह चंदन बिष्ट को रुद्रपुर रंपुरा चौकी का प्रभारी बनाया गया है।

गुरुवार को एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने सूची में रंपुरा चौकी प्रभारी कविंद्र शर्मा को गढ़ीनेगी चौकी का प्रभारी बनाया गया। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात दिनेश भट्ट को प्रभारी चौकी बरा, प्रभारी चौकी सुल्तानपुर पट्टी के दीपक कौशिक को डीसीआरबी शाखा, मनीष खत्री को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी सुल्तानपुर पट्टी, अशोक कांडपाल को चौकी प्रभारी बन्नाखेड़ा से कोतवाली रुद्रपुर बनाया गया है।

इसी तरह सुरेंद्र सिंह खड़ायत को पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी बन्नाखेड़ा, मनोज सिंह धोनी को आईटीआई से प्रभारी चौकी कुंडेश्वरी, पंकज कुमार को प्रभारी चौकी सरकड़ा से कोतवाली आईटीआई और दीपक कुमार को प्रभारी चौकी गढ़नेगी से प्रभारी चौकी सरकड़ा तबादला हुआ है। एसएसपी ने स्थानांतरित दरोगाओं को फौरन नवीन तैनाती पर जाने का आदेश दिया है।

रोष | नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी में पिछले कई दिनों से लगे हैं कूड़े के ढेर

हड़ताल से सफाई व्यवस्था चरमराई

संवाददाता, बाजपुर

एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी के लोग।

अमृत विचार: नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी में पिछले कई दिनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते नगर के विभिन्न वार्डों में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

नगर के स्थायी निवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर गुरुवार को उपजिलाधिकारी बाजपुर डॉ. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि बीते सात से आठ दिनों से सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जिसके कारण पूरे नगर में गंदगी फैल चुकी है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार गंदगी की वजह से खासकर बच्चों में पेट दर्द जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। वहीं रमजान के पवित्र माह के अलविदा जुमे को लेकर नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इससे पहले नगर में फैली गंदगी की तत्काल सफाई कराई जाए। ज्ञापन देने वालों में मो. रफी, मो. सरफराज, मो. यूसुफ, अब्दुल समद, फिरासत अली, मो. फैज, तासीफा सहित अन्य स्थानीय लोग शामिल रहे।

किच्छा कॉलेज बाबा साहब के नाम पर हो

संवाददाता, किच्छा

तिलक राज बेहड़।

अमृत विचार: विधायक तिलक राज बेहड़ ने विधानसभा में नियम-58 के तहत प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों का नामकरण संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर न होने पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने मांग की कि किच्छा राजकीय महाविद्यालय का नाम बाबा साहेब के नाम पर रखा जाए। बेहड़ ने तर्क दिया कि प्रदेश की बड़ी आबादी अनुसूचित जाति व जनजाति से है, फिर भी 118 कॉलेजों में से एक भी उनके नाम पर नहीं है। जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने जिलाधिकारी से आख्या मिलने के बाद उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

इसी दौरान विधायक बेहड़ ने स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर किच्छा और शांतिपुरी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की भारी कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने रिक्त पदों पर शीघ्र तैनाती की मांग की ताकि स्थानीय जनता को इलाज के लिए भटकना न पड़े। स्वास्थ्य मंत्री ने इस पर जल्द सकारात्मक कार्यवाही का भरोसा दिलाया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की परखी गुणवत्ता

संवाददाता सितारगंज

- टीम ने उप जिला अस्पताल सितारगंज का निरीक्षण किया

अमृत विचार : भारत सरकार की कायाकल्प योजना के तहत राज्य स्तरीय बाह्य मूल्यांकन टीम ने उप जिला अस्पताल सितारगंज का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, अस्पताल की स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की जांच की।

बृहस्पतिवार को बाह्य मूल्यांकन टीम के सदस्य डॉ. विशाल ने उप जिला अस्पताल में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, रोगी सुविधाओं और रिकॉर्ड संधारण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं का विस्तृत मूल्यांकन किया। साथ ही, टीम ने अस्पताल परिसर, ओपीडी, आईपीडी वार्ड, प्रसव कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, प्रयोगशाला, फार्मेसी, आपातकालीन कक्ष और शौचालयों की साफ-सफाई व व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और तीमारदारों के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, मार्गदर्शन संकेतक (साइन बोर्ड), शिकायत निवारण प्रणाली और सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। टीम ने संक्रमण नियंत्रण के तहत हैंड हाइजीन, सेनेटाइजेशन, स्टरलाइजेशन प्रक्रिया, लिनन प्रबंधन और चिकित्सा उपकरणों की साफ-सफाई की व्यवस्था का परीक्षण किया। साथ ही, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कचरे के पृथक्करण, रंगीन डस्टबिन के उपयोग, शार्प डिस्पोजल और अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण की प्रक्रिया का भी गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल के विभिन्न रजिस्टरों, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों की फीडबैक प्रणाली और अस्पताल में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। टीम ने मरीजों से बातचीत कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं, स्टाफ के व्यवहार और उपचार व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली। सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि अस्पताल में स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाती है।

सिटी ब्रीफ

इंटर व हाईस्कूल की परीक्षा संपन्न

काशीपुर : बृहस्पतिवार को इंटरमीडिएट की भूगोल, लेखा शास्त्र और उर्दू की परीक्षा हुई। काशीपुर क्षेत्र में 32 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इसके अतिरिक्त परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। खंड शिक्षा अधिकारी धीरेंद्र कुमार साहू ने बताया कि इंटरमीडिएट भूगोल की परीक्षा में 680 पंजीकृत, उपस्थित 658 और अनुपस्थित 11 रहे और 11 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई। लेखाशास्त्र विषय की परीक्षा में 394 पंजीकृत, उपस्थित 385 और 9 अनुपस्थित रहे और 5 केंद्रों पर परीक्षा हुई। हाईस्कूल की उर्दू की परीक्षा में 33 पंजीकृत, उपस्थित 32 और 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि काशीपुर के 2 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण रही।

विभिन्न मांगों को लेकर बीईओ को सौंपा ज्ञापन

काशीपुर : एससी/एसटी शिक्षक एसोसिएशन शाखा काशीपुर ने विभिन्न मांगों को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी धीरेंद्र कुमार साहू को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में ब्लॉक स्तर पर होने वाली समस्त बैठकों में संगठन के पदाधिकारियों को शामिल करने, विकासखंड स्तर पर शिकायत निवारण समिति की गठन करने, उपशिक्षा, खंड शिक्षा का सारा काम शिक्षक नेता के कहने पर किया जा रहा है, जिसका विरोध किया गया। ज्ञापन देने वालों में हरिओम सिंह जिलाध्यक्ष, देवेन्द्र कुमार ब्लॉक अध्यक्ष, राजू गौतम ब्लॉक मंत्री, इन्द्रपाल ब्लॉक कोषाध्यक्ष, सुभाष चन्द्र जिला उपाध्यक्ष, नीरज कुमार ब्लॉक संरक्षक मौजूद रहे।

परीक्षा देकर लौट रहे कक्षा दो के छात्र की हादसे में मौत

निजी स्कूल के छात्र ई-रिक्शा से लौट रहे थे घर, चार बच्चे घायल

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नेशनल हाईवे-74 पर एक सड़क हादसे में कक्षा दो के छात्र की मौत हो गई, जबकि चार अन्य बच्चे घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब गुरु नानक देव एकेडमी स्कूल के छात्र ई-रिक्शा से स्कूल से घर लौट रहे थे।

रवि (फाइल फोटो)।

गुरुवार को मौके पर श्रीगुरु नानकदेव एकेडमी रामनगर में परीक्षा के बाद पांच बच्चों को लेकर ई-रिक्शा चालक शांति कॉलोनी धनसारा घर छोड़ने जा रहा था। बताया जाता है कि इसी बीच केलाखेड़ा थाना क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर एक होटल के सामने ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा में सवार 10 वर्षीय रवि पुत्र रंजीत, 12 वर्षीय कपिल उर्फ डुग्गू पुत्र राजेंद्र, 10 वर्षीय समर पुत्र गोविंद सिंह, 12 वर्षीय सपना पुत्री रंजीत व 10 वर्षीय खुशी पुत्री महेश सरकार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आसपास के लोगों व राहगीरों की मदद से सरकारी अस्पताल बाजपुर पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों हालत गंभीर होने पर रवि और समर को डा.सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी के लिए रेफर कर दिया, जबकि अन्य बच्चों को हल्की चोटें होने के चलते प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी दे दी गई। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल रवि ने अस्पताल पहुंचने से पहले की दम तोड़ दिया, जबकि समर का उपचार चल रहा है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

घटना के बाद विलाप करते परिजन एवं ढांढस बंधाते कोतवाल धर्मवीर सोलंकी।

घटना की जानकारी के बाद केलाखेड़ा थाने में तैनात कोतवाल धर्मवीर सोलंकी, एसएसआई विनोद सिंह फर्त्याल, एसआई हरीश महर मय फोर्स के घटना स्थल व सरकारी अस्पताल पहुंचे और आवश्यक जानकारी हासिल की। पुलिस के अनुसार घटना के बाद मौके से फरार हुए आरोपी ई-रिक्शा चालक की तलाश की जा रही है। हादसे की जानकारी से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

किसी नगर निगम क्षेत्र में नहीं हो रहा पथ विक्रेता अधिनियम का पालन

काशीपुर : पथ विक्रेताओं (फड, फेरी वाले) के अधिकारों के सरंक्षण तथा सड़क पर चलने व पथ विक्रेताओं के अधिकारों में सामंजस्य के लिये 01 मई 2014 से देश भर में शहरी क्षेत्रों में लागू कानून पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के प्रावधानों का पालन उत्तराखंड में नहीं हो रहा है। नगर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने कुमाऊं मंडल के सभी 5 नगर निगमों में उनके क्षेत्र में पथ विक्रेता अधिनियम के पालन के संबंधी सूचना मांगी थी। नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार अधिनियम 2014 तथा इसके अन्तर्गत लागू उत्तराखंड पथ विक्रेता नियमावली 2016 के प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा है। पथ विक्रेता अधिनियम व संबंधित उत्तराखंड नियमावली में पथ विक्रेताओं के संबंध में सभी महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अधिकार 40 प्रतिशत फड़ फेरी वालों की ओर से चुने गए प्रतिनिधियों वाली नगर फेरी समिति को है। इसके अलावा फड़-फेरी वालों से दैनिक तहबाजारी तथा ठेकेदार के माध्यम से तहबाजारी वसूलने पर पूर्ण प्रतिबंध हैं। कुमाऊं के पांचों नगर निगमों में से किसी में भी फड़ फेरी वालों के मामलों का निर्धारण करने वाली नगर फेरी समिति कार्यरत नहीं हैं, न ही नियम 13 के अन्तर्गत माह में न्यूनतम एक मीटिंग ही की जा रही हैं। नाम मात्र के फड़ व फेरी व्यवसायियों को ही लाइसेंस दिये गये हैं। काशीपुर नगर निगम में वर्ष 2024-25 में पंजीकृत पथ विक्रेता 51 हैं। जबकि 2025-26 में सूचना उपलब्ध कराने तक शून्य हैं। वर्ष 2024-25 में 91.25 लाख रुपये शुल्क वसूली करने पर 10.96 लाख खर्च करके वसूला गया है।

विद्यार्थियों को सीवेज ट्रीटमेंट की प्रक्रिया की जानकारी दी

काशीपुर में विद्यार्थियों को जानकारी देते महापौर दीपक बाली। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

● **नगर निगम ने स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने को आयोजित किया भ्रमण कार्यक्रम**

अमृत विचार: नगर निगम काशीपुर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महापौर दीपक बाली और नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिए एसटीपी प्लांट विजिट एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शहर के स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया।

गुरुवार को कार्यक्रम के तहत लिटिल स्कॉलर और गुरुकुल विद्यालय के छात्र-छात्राओं को जल संस्थान/पेयजल विभाग द्वारा संचालित 10 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), धोबीघाट, अली खां का भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को सीवेज ट्रीटमेंट की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महापौर दीपक बाली ने विद्यार्थियों से कहा कि स्वच्छ शहर का निर्माण केवल प्रशासन या नगर निगम के प्रयासों से ही संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए आम जनता और विशेष रूप से नई पीढ़ी की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार शहर के घरों और नालों से निकलने वाला गंदा पानी एसटीपी प्लांट में लाकर विभिन्न चरणों में शोधन प्रक्रिया से गुजरता है और उसे पुनः उपयोग के योग्य बनाया जाता है। इस जानकारी को विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ सुना और कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न भी पूछे। इस मौके पर जल निगम की अपर सहायक अभियंता ज्योति रावत, एसएनए शालिनी नेगी, सफाई निरीक्षक मनोज कुमार बिष्ट, पार्षद अब्दुल कादिर, सांसद प्रतिनिधि विजय बॉबी, सादिक हुसैन, रियाज अहमद, पुष्कर बिष्ट आदि मौजूद रहे।

चुनावी रंजिश में युवक को मारपीट कर किया घायल

काशीपुर : चुनावी रंजिश को लेकर कुछ युवकों ने एक युवक पर लाठी-डंडों और लोहे की राड से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। उपचार के बाद पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम गुलड़िया निवासी जावेद ने आईटीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि गांव के ही इसराइल तथा उसके परिजन उससे चुनावी रंजिश रखते हैं। बीती 10 मार्च की दोपहर लगभग 12 बजे वह गांव में सड़क बनने के दौरान वहां गया था। जहां इसराइल बोला कि इधर कैसे आया है, और घर पर फोन कर अपने बेटे अफरीदी, मोहम्मद सैफ, नावेद, सुहेल को मौके पर डंडे व लोहे की रॉड लेकर बुला लिया। हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया तथा उसे मरा जानकर छोड़ गए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बाजपुर (ऊधमसिंहनगर)
email:-nagarpalikabzp@yahoo.in Phone No-05949281273

पत्रांक : 1338/निविदा सूचना/2025-26 **निविदा सूचना** दिनांक : 12 मार्च, 2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार / उत्तराखण्ड शासन द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सम्बन्धी विभिन्न कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु परामर्श एवं स्वच्छ भारत मिशन 20 के अन्तर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2026-27 से संबंधित समस्त कार्य करना व पालिका का स्वच्छ सर्वेक्षण संबंधित कार्यों के निष्पादन एवं परामर्श प्रदान करने हेतु दक्ष अनुभवी प्रतिष्ठित फर्मों से दिनांक 28-03-2026 को अपरान्ह 2.00 बजे निविदायें आमंत्रित की जाती हैं, जो उसी दिन उपस्थित निविदाताओं के समक्ष गठित कमेटी के समक्ष अपरान्ह 3.00 बजे खोले जायेंगे। निविदा प्रपत्र दिनांक 27-3-2026 को कार्यालय समय तक क्रय किये जा सकते हैं। उक्त तिथियों को कार्यालय अवकाश होने पर अगली तिथि मानी जायेगी। एक या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार पालिका प्रशासन को सुरक्षित होगा।

क्रम सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र मूल्य+ जी०एस०टी० 18 प्रतिशत अतिरिक्त	कार्य अवधि
1	भारत सरकार/उत्तराखण्ड शासन द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन सम्बन्धी विभिन्न कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु परामर्श एवं स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अन्तर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2026-27 से संबधित समस्त कार्य करना व पालिका का स्वच्छ सर्वेक्षण संबंधित कार्यों का निष्पादन एवं अन्य कार्य	15000=00	1000+18%	01 वर्ष अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक

नोट निविदा के साथ जमानत धनराशि रू० 15,000=00 एफ.डी.आर. जो अधिशासी अधिकारी के नाम प्लेज्ड हो लगानी होगी तथा प्रत्येक निविदा के साथ रू० 100/- का स्टाम्प व रसीदी टिकिट (फर्म के ह० सहित) लगानी होगा। अन्य शर्तें पालिका कार्यालय के कार्य दिवस एवं कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद बाजपुर
(ऊधमसिंह नगर)

अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद बाजपुर
(ऊधमसिंह नगर)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बाजपुर (ऊधमसिंहनगर)
email:-nagarpalikabzp@yahoo.in Phone No-05949281273

पत्रांक : 1340/निविदा सूचना/2025-26 **"निविदा सूचना"** दिनांक : 12 मार्च, 2026

नगर पालिका परिषद बाजपुर द्वारा दोहरी लेखा पद्धति के अन्तर्गत शहरी विकास निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून के द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में "उत्तराखण्ड स्थानीय निकाय लेखा संग्रह" के तहत् पालिका की वार्षिक बैलेन्स शीट तैयार किये जाने एवं निकाय के अन्य कार्यों जैसे-मासिक जी०एस०टी० रिटर्न, आयकर के त्रैमासिक व वार्षिक रिटर्न तैयार करने तथा दाखिल किये जाने हेतु चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट (सी०ए०) फर्म जिनको उपरोक्त कार्यों का उत्तराखण्ड की 4 निकायों में कार्य करने का अनुभव (04 निकायों में वर्तमान में कार्य कर रही हो) से दिनांक 28-03-2026 पूर्वाहन 11.00 बजे तक शीलबन्द निविदा आमन्त्रित किये जाते हैं। जो उसी दिन उपस्थित निविदाताओं के समक्ष गठित कमेटी के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोले जायेगें। निविदा निविदा प्रप्रत्र दिनांक 27-03-2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। उक्त तिथियों को कार्यालय अवकाश होने पर अगली तिथि मानी जायेगी। एक या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार पालिका प्रशासन को सुरक्षित होगा। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्रम सं०	कार्य का नाम	निविदा शुल्क
1	दोहरी लेखा पद्धति के अन्तर्गत वर्ष 2026-27, 2027-28 एवं 2028-29 की बैलेन्स सीट (आय एवं व्यय) तैयार करना, प्रति वर्ष बजट कार्य एवं अन्य एकाउन्ट से संबधित कार्य	1000.00+GST 18% Extra
2	जी०एस०टी० रिर्टन फाईल समस्त कार्य वर्ष 2026-27, 2027-28 एवं 2028-29	
3	आयकर रिर्टन फाईल समस्त कार्य वर्ष 2026-27, 2027-28 एवं 2028-29	

नोटः- निविदा के साथ जमानत राशि 50,000=00 धनराशि एफ.डी.आर. जो अधिशासी अधिकारी के नाम प्लेज्ड हो लगानी होगी तथा प्रत्येक निविदा के साथ रू० 100/- का स्टाम्प व रसीदी टिकिट (फर्म के ह० सहित) लगानी होगा। अन्य शर्तें पालिका कार्यालय के कार्य दिवस एवं कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद बाजपुर
(ऊधमसिंह नगर)

अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद बाजपुर
(ऊधमसिंह नगर)

काशीपुर में रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि एएसपी स्वप्न किशोर सिंह।

आईजीएल में आयोजित शिविर में 270 लोगों ने किया रक्तदान

काशीपुर : इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड (आईजीएल) की ओर से आईजीएल के संस्थापक स्व. एमएल भरतिया की 19वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का शुभारंभ एएसपी काशीपुर स्वप्न किशोर सिंह ने किया। अधिशासी निदेशक आलोक सिंघल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इस बार 270 लोगों का रक्तदान एलडी उप जिला चिकित्सालय काशीपुर की टीम के सहयोग से हुआ। इस मौके पर मानव संसाधन प्रशासन लाइजनिक हेड राजेश कुमार सिंह, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. गौरव मुंद्रा, विक्रांत चौधरी, रितेश पांडे, आरसी उपाध्याय, डॉ. सिद्धार्थ, देवेंद्र जोशी, नीरज पांडे, रोहित गोयल, अमित कुमार, सचिन गुप्ता, शरद शर्मा, दीपक भट्ट, आकाश, गुलशन कुमार, दीपक शर्मा, सचिन चौहान आदि मौजूद रहे।

मलबा हटाने का अभियान चलाया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर निगम काशीपुर द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आज वार्ड नंबर-11 शिव मंदिर ढकिया गुलाबो क्षेत्र में "सिल्ट एवं मलबा हटाने का विशेष अभियान" चलाया गया। यह अभियान प्रातः 8 बजे से क्षेत्र की सड़कों पर संचालित किया गया।

काशीपुर में सफाई अभियान चलाती नगर निगम की टीम। ● अमृत विचार

गुरुवार को सफाई निरीक्षक मनोज कुमार बिष्ट के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा सिल्ट तथा मलबे को हटाकर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में भी सफाई कार्य कर स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर नगर निगम की ओर से नागरिकों को निर्माण एवं ध्वस्तीकरण के बाद निकलने वाले मलबे के उचित परिवहन और निस्तारण के प्रति जागरूक किया गया। लोगों से अपील की गई कि निर्माण कार्य से निकलने वाला मलबा सड़कों या नालियों में न डालें और उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए अधिकृत वाहनों का ही उपयोग करें। सफाई निरीक्षक डॉ. मनोज बिष्ट ने नगर निगम की ओर से काशीपुर के नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सभी की भागीदारी आवश्यक है। अभियान के दौरान पार्षद ममता कुमारी, घनश्याम, सुपरवाइजर राजेश आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर किया हमला

काशीपुरः पुरानी रंजिश के चलते करीब एक दर्जन हथियारबंद हमलावरों द्वारा एक घर में घुसकर परिजनों के साथ मारपीट, तोड़फोड़ और बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आईटीआई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुकंदपुर दभौरा एहमतमाली निवासी संदीप सिंह ने आईटीआई कोतवाली पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीती 3 मार्च की रात वह अपनी पत्नी सुंदरी कौर, बेटी परी कौर व माता जोगेंद्र कौर के साथ घर में था। इसी दौरान रात लगभग साढ़े आठ बजे राज सिंह, हरवंश सिंह, सुखा सिंह, अमन सिंह, काकू सिंह, अंग्रेज सिंह, निशान सिंह, फुक्की सिंह, करन सिंह, विक्की व गेंदी सिंह निवासी ग्राम इटव्वा बाजपुर हथियारों से लैस होकर जबरन उसके घर में घुस गए।

बाजपुर में सीओ कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन करते भीम आर्मी के कार्यकर्ता।

सांसद पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन

बाजपुर : भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने श्रीरामभवन धर्मशाला से जुलूस निकालकर सीओ कार्यालय में धरना दिया और आरोपी भाजपा कार्यकर्ता के खिलाफ नारेबाजी की।आरोप है कि 8 मार्च को बरहैनी निवासी एक व्यक्ति ने फेसबुक पर आपत्तिजनक वीडियो साझा कर बहुजन समाज की भावनाओं को आहत किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। सीओ विभव सैनी द्वारा दो दिन के भीतर जांच कर वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद धरना समाप्त हुआ। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार, जिला सचिव प्रशांत कुमार जाटव, एडवोकेट यतिन सागर, टोनी पठान, सहादक अली, प्रदीप जाटव, नरेंद्र दीप, राजा गौतम, सानिब अली, फुरकान अली, आशिफ अली सहित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्विज प्रतियोगिता में लता नेगी रहीं प्रथम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान परिषद में प्राचार्या प्रो.(डॉ.) सुमिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्र-छात्राओं के लिए क्विज, एक्सटेम्पोर विजुअल आइडेंटिफिकेशन प्रतियोगिता आयोजित हुई।

डॉ. विवेक कुमार केडिया ने क्विज का संचालन करते हुए 5 राउंड में विज्ञान एवं पर्यावरण आधारित कुल 100 प्रश्न पूछे, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। क्विज में लता नेगी प्रथम, साक्षी यादव द्वितीय, कशिश शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। समीक्षा तिवारी सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित की गई। विजुअल आइडेंटिफिकेशन प्रतियोगिता में डॉ. रेनू ने पावर-प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पेड़-पौधे, उपकरण, वैज्ञानिक पर आधारित पांच स्लाइड्स दिखाया। इसमें छात्र-छात्राओं ने ध्यानपूर्वक देखने के बाद उनके नाम लिखें। प्रतियोगिता में लता नेगी प्रथम, साक्षी यादव द्वितीय मो. समीर एवं सुभांगी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। एक्सटेम्पोर में छात्र छात्राओं ने डिजिटल इंडिया, ए-आई का प्रयोग, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया इत्यादि विषयों पर त्वरित विचार प्रस्तुत किए। इसमें उन्नति सारस्वत प्रथम, शिखर अरोड़ा द्वितीय, संध्या तृतीय स्थान पर रहे।

आक्रोश एसडीएम दफ्तर परिसर में तहसीलदार व किसानों के बीच तीखी नोकझोंक हुई

धान की पौध को जोतने के मामले ने पकड़ा तूल

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः ग्राम हरिपुरा हरसान में एक किसान की धान की पौध को ट्रैक्टर से जोतने के मामले ने तूल पकड़ लिया। इस कार्रवाई के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा के नेतृत्व में किसानों ने तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान से मुलाकात कर कड़ा रोष जताया। इस दौरान मुलाकात करने को लेकर एसडीएम दफ्तर परिसर में तहसीलदार व किसानों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

एसडीएम दफ्तर परिसर में तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान से नोकझोंक करते किसान।

भाकियू अध्यक्ष विक्की रंधावा ने बताया कि वह किसानों के साथ तहसीलदार से मिलने तहसील पहुंचे थे। तहसीलदार ने एसडीएम कार्यालय में वार्ता की बात कही, लेकिन जब किसान वहां पहुंचे तो तहसीलदार अपनी गाड़ी में बैठकर जाने लगे। इससे आक्रोशित किसानों ने उनकी गाड़ी रुकवाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इसी बात को लेकर तहसीलदार और किसान नेताओं के बीच तीखी झड़प भी हो गई। मामला बढ़ता देख तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान गाड़ी से उतरकर किसानों से वार्ता के लिए आगे आए। बाद में तहसील कार्यालय में बातचीत हुई, जहां तहसीलदार ने किसानों को आश्वासन दिया, तब जाकर स्थिति शांत हुई। भाकियू अध्यक्ष विक्की रंधावा ने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देशों के बावजूद किसान की धान की पौध की जुताई कराना गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी किसान की फसल के साथ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि ऐसी कार्रवाई दोहराई गई तो आंदोलन किया जाएगा। भाकियू किसान नेता हरप्रीत सिंह निज्जर ने कहा कि किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। इस मौके पर विक्रम सिंह गोराया, हरपाल सिंह विर्क, गगन सरना, जोगिंदर सिंह, राजू चीना, संदीप विर्क आदि मौजूद रहे।

विवाहिता के साथ की गई मारपीट

जसपुरः ब्लॉक क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता ने अपने ससुरालियों पर कम दहेज लाने को लेकर प्रताड़ित करने एवं मारपीट करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम अंगदपुर निवासी नेहा ने तहरीर में बताया कि छह साल पहले उसकी शादी ग्राम रायपुर निवासी नागेन्द्र सिंह के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से विवाहिता का पति, सास, ससुर, देवर और देवरानी कम दहेज लाने का ताना देकर उसे प्रताड़ित कर पांच लाख रुपये की मांग करने लगे। आरोप है कि बीती 4 मार्च को उसके ससुरालियों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की। सूचना पर पहुंचे विवाहिता के पिता समेत उसके भाई मोहित कुमार और भाभी के साथ भी ससुरालियों ने मारपीट की।

ब्रीफ न्यूज

ग्राम प्रधान उर्मिला पंत राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

बाजपुर : ब्लॉक की हरसान ग्राम पंचायत की प्रधान उर्मिला पंत ने राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उन्हें 11 मार्च को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित ''सशक्त पंचायत नेत्री अभियान'' के तहत सम्मानित किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर की चुनिंदा महिला जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया था। उर्मिला पंत को यह सम्मान पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास और स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने में उनकी उल्लेखनीय भूमिका के लिए दिया गया। इस उपलब्धि पर हरसान ग्राम सहित पूरे बाजपुर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसे गौरव का विषय बताते हुए कहा कि यह सम्मान अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

श्री श्याम बाबा और सेठ सांवरिया फाग महोत्सव 16 को

खटीमा : श्री श्याम शिष्टमंडल के तत्वावधान में 16 मार्च को श्री श्याम बाबा और श्री सेठ सांवरिया की फाग महोत्सव के अवसर पर श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। फाग महोत्सव की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। तराई बीज निगम के मैदान में आयोजित एक दिवसीय फाग महोत्सव में भजन प्रवाहक सीमा अरोड़ा रुद्रपुर, सुप्रसिद्ध भजन प्रवाहक गोकुल शर्मा चित्तौड़, मास्टर बॉबी दिल्ली, खुशबू राधा श्री श्याम वृंदावन तथा अभी साउंड दिल्ली आमंत्रित हैं। फाग महोत्सव के अवसर पर मुख्य प्रसाद सेवा, दरबार प्रसाद सेवा, मंडल प्रसाद सेवा, पान सेवा, छप्पन भोग सेवा, दरबार फल सेवा, इत्र वर्षा सेवा, पंचमेवा सेवा, श्रृंगार सेवा, कीर्तन लाइव सेवा, ज्योति पूजन सामग्री सेवा, जल सेवा, चरण पादुका सेवा एवं श्याम रसोई आदि दायित्व धारी नामित किए गए हैं।

जनजाति समाज में खेली जाती है मरी होली

खटीमा : थारू जनजाति समुदाय में होलिका दहन से पूर्व जिंदा होली और होली के बाद 15 दिनों तक मरी होली खेली जाती है। इसी क्रम में ग्राम मुंडेली में जनजाति समाज के बुजुर्गों व युवाओं के द्वारा मरी होली पर आयोजित होली गायन के साथ नृत्य किया। होली के दहन के 15 दिन बाद तक जनजाति समाज में मरी होली खेली जाती है और होली की विदाई की जाती है। पुरानी परंपरा के अनुसार जनजाति समुदाय मरी होली खेलते हैं।

हत्या करने आया यूपी का शार्प शूटर दबोचा

एसटीएफ और पुलिस ने हत्या की बड़ी साजिश की नाकाम

- कई मामलों में चल रहा था फरार
- बड़ी संख्या में हथियार बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : एसटीएफ और स्थानीय कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने सटीक ऑपरेशन को अंजाम देते हुए उत्तर प्रदेश के एक शार्प शूटर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध असलहा और कारतूस बरामद किए हैं। इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने क्षेत्र में होने वाली एक संभावित सनसनीखेज हत्या की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया है।

एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संदीप चौहान निवासी मलिक फार्म, डिबडिबा (बिलासपुर, रामपुर, उ.प्र.) के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने जब आरोपी की घेराबंदी कर उसे दबोचा, तो उसके पास से तीन 315 बोर के तमंचे और 11 कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी संदीप चौहान एक पेशेवर शूटर है और गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित रहा है। उसने कबूल किया कि वह अपनी पुरानी रंजिश के चलते एक गैंग के साथ मिलकर अपने ही किसी करीबी की हत्या करने की योजना बना रहा था। वह वारदात को अंजाम देने के लिए सही मौके की तलाश में था, लेकिन इससे पहले कि वह ट्रिगर दबाता, एसटीएफ की पैनी नजर उस पर पड़ गई।

रुद्रपुर में एसटीएफ की गिरफ्त में शार्प शूटर। ● अमृत विचार

अपराधिक इतिहास और कार्रवाई

अभियुक्त संदीप चौहान का पुराना अपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उस पर उत्तर प्रदेश में हत्या के प्रयास (धारा 307) सहित कुल 9 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लंबे समय से फरार चल रहे इस गैंगस्टर की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ और कोतवाली पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई थी, जिसने यूपी सीमा पर दबिश देकर उसे दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस अब उसके गैंग के अन्य सद स्यों और हथियारों के स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

पंचायत चुनाव की रंजिश में मारपीट

सितारगंज : पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर हुई मारपीट के मामले में आखिरकार न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है। पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद कई बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

गांव मलपुरी निवासी करम सिंह ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2025 में उसकी भाभी संदीप कौर ने भाग लिया था। तब से गांव पिपलिया निवासी सुरेंद्र सिंह और गांव मलपुरी निवासी हरप्रीत सिंह उससे रंजिश रखते हैं। बताया कि 6 सितंबर 2025 को वह अपने साथी ब्रह्म सिंह के साथ गांव मलपुरी स्थित पेट्रोल पंप पर अपनी गाड़ी में तेल डलवाने गया था। इस दौरान काले रंग की थार गाड़ी वहां आकर रुकी। आरोप लगाया कि कार से उतरे सुरेंद्र सिंह और हरप्रीत सिंह ने आते ही उससे मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में वह बुरी तरह घायल हो गया। बीच-बचाव करने आए साथी ब्रह्म सिंह पर भी उक्त लोगों ने हमला कर दिया। इस बीच वहां काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद आरोपियों ने दोनों पीड़ितों को जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

खटीमा के बिगराबाग में चौपाल में ग्रामीण महिलाओं के साथ बैठकर डॉ. नवीन भट्ट ने सुनीं समस्याएं। ● अमृत विचार

बिगराबाग चौपाल में गिनाईं राज्य सरकार की उपलब्धियां

खटीमा : बिगराबाग में आयोजित एक जन-चौपाल में भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक डॉ. नवीन भट्ट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. भट्ट ने कहा कि सरकार का मूल मंत्र ''विकल्प रहित संकल्प'' है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है।उन्होंने विशेष रूप से आयुष्मान उत्तराखंड, युवाओं के लिए ऋण-सब्सिडी और महिलाओं को सशक्त बनाने वाली ''लखपति दीदी'' योजना पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीणों को इन योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया ताकि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इस अवसर पर तिजावती देवी, अशोक कुमार, मुन्नी देवी, मार्केश्वरि देवी, रेखा देवी, अनीता देवी, द्रोपती देवी, जगनंदनी देवी, चंद्रा देवी, मनीषा देवी, आशा देवी, श्रीमन्ति देवी, पूनम देवी, राधा चंद, अनीता जोशी, रेखा वती, आरती देवी, सोनम देवी, पूनम देवी, गीता देवी, आनंदी देवी संध्या देवी, प्रेमवती देवी, नंदनी देवी, जानकी देवी, पूनम देवी, चरण सिंह आदि रहे।

स्वयं नालियां साफ कर रहे वार्ड 18 के लोग

खटीमा : नगर पालिका के वार्ड संख्या 18 में सम्मिलित हुए मुड़ेली गांव के लोगों को स्वयं नालियां साफ करनी पड़ रही हैं। वार्डवासी धर्मेंद्र सिंह राणा, राजेश राणा, प्रदीप राणा ने कहा है कि एक साल का समय बीत चुका है और अभी तक नालियों की सफाई नहीं हुई है। यह भी कहा कि सभासद मुखरजीत राना को कई बार नालियों की सफाई के सम्बन्ध में कहा गया हैं लेकिन मुंडेली क्षेत्र की लगातार अनदेखी की जा रही है।

खटीमा में आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल लोग। ● अमृत विचार

धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: आरपी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धमधम के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा।

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ विद्युत विभाग के उप खंड अधिकारी अंबिका यादव, प्रबंधक रंजन अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी और संरक्षक गीताराम बंसल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर किया। वार्षिकोत्सव में बच्चों ने देश प्रेम, संस्कृत, पंजाबी, भांगड़ा, गिद्दा, पर्वतीय, बंगाली डांस प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रबंधक रंजन अग्रवाल ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्कूल सीमित सुविधाओं के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। विद्यालय प्रबंधन बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करता है। प्रधानाध्यापक रचना गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत और आभार व्यक्त किया। संचालन छात्र आरुषि पाल व पारस गुप्ता और जगदीश जोशी व राम सिंह राणा ने सह संचालक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर महेश जोशी, सुनील रैदानी, सुदर्शन वर्मा, मनोज वाधवा, बाबूराम अरोरा, अनिल बत्रा, गौरीशंकर अग्रवाल, प्रधानाचार्य प्रमोद पांडे, अनिल ग्रोवर, रमेश चंद्र अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, दिनेश सुनेजा आदि मौजूद रहे।

आरपी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

पूर्व सीएम रावत ने निकाली पदयात्रा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: वन ग्रामों को राजस्व गांव घोषित करने और ग्रामीणों को जमीन का मालिकाना हक देने की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व में रामनगर में एक बड़ी पदयात्रा निकाली गई। जल-जंगल-जमीन हमारी के नारों के साथ आयोजित इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में वन गांव के लोग और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

पदयात्रा में रामनगर ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री पुष्कर दुर्गापाल, पूर्व दर्जा मंत्री डॉ. निशांत पपनै सहित कई गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर धामी सरकार होश में आओ, हमें राजस्व गांव चाहिए और वन ग्रामों को मालिकाना हक दो जैसे नारे लगाए। पदयात्रा रामनगर शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी और अंत में तहसील परिसर पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपने के साथ समाप्त हुई। भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच ग्रामीणों ने सरकार से जल्द निर्णय लेने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि वर्तमान सरकार गरीबों की जमीनों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा पीड़ितों और भूमिहीन लोगों को जमीन देने के बजाय उनकी जमीनें कुचली जा रही हैं। रावत ने कहा कि पहले एक योजना थी, जिसके तहत मालधन, बिंदुखत्ता और रामनगर के पुछड़ी जैसे क्षेत्रों में गांव बसाए गए थे, और अब इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि उत्तराखंड के अस्तित्व की लड़ाई है। रावत ने बताया कि उनकी सरकार के समय वन ग्रामों को राजस्व गांव बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 26 दिसंबर को मंत्रिमंडल में प्रस्ताव लाया गया था, जिसमें 12 श्रेणियों की जमीनों को वर्गीकृत कर कई गांवों को मालिकाना हक देने का निर्णय हुआ था, जिनमें इंदिरा गांव, हरिराम आर्य गांव सहित पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के कई गांव शामिल थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के बाद इस प्रस्ताव को लागू नहीं किया गया और इसे अलग रखा गया। उन्होंने कहा कि जब तक वन ग्रामों को उनका अधिकार नहीं मिलता, यह लड़ाई जारी रहेगी। इस दौरान ताइफ खान, पालिकाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख आनंद रावत, ग्राम प्रधान बसई रचना रावत मौजूद रहे।

रोजा इफ्तार में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

खटीमा: मदरसा गौसिया नूरी मस्जिद में 21वें रोजे के अवसर पर 'यादे मौला अली' और रोजा इफ्तार का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ज़ुहर की नमाज़ के बाद हुई, जहाँ आयोजित मजालिस में उलेमाओं ने हज़रत अली की महानता, उनके बलिदान और जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। शाम को आयोजित सामूहिक इफ्तार में सांप्रदायिक सौहार्द की अनुपम मिसाल देखने को मिली, जहां मुस्लिम समुदाय के साथ अन्य धर्मों के लोगों और राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने एक साथ बैठकर रोजा खोला। इस मौके पर मुफ्ती फरयाद आलम, मौलाना इरशाद हुसैन, बरेली के जिला मजिस्ट्रेट शहीद रजा, कांग्रेस विस अध्यक्ष बॉबी राठौर मौजूद रहे।

कुमाऊं

कम्यूनिटी हॉल के लिए 14.24 करोड़ स्वीकृत

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के पत्रकारों को बड़ी सौगात देते हुए टनकपुर में मीडिया सेंटर एवं गेस्ट हाउस तथा कम्यूनिटी हॉल के निर्माण के लिए 14.24 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है।

इसके साथ ही कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कराने के उद्देश्य से प्रथम किश्त के रूप में एक करोड़ रुपए की धनराशि अवमुक्त किए जाने का अनुमोदन भी प्रदान किया गया है। इस स्वीकृति के बाद टनकपुर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मीडिया सेंटर एवं गेस्ट हाउस का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के पत्रकारों को समाचार संकलन, संवाद, बैठक एवं अन्य पत्रकारिता संबंधी गतिविधियों के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही प्रस्तावित कम्यूनिटी हॉल के निर्माण से स्थानीय सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी एक सुसज्जित एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है और पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इस उद्देश्य से चम्पावत विधानसभा क्षेत्र में मीडिया से जुड़े आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

वनाग्नि नियंत्रण समितियां होंगी गठित

- कलेक्ट्रेट सभागार में वनाग्नि रोकथाम को लेकर हुई बैठक
- विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने पर दिया जोर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जनपद में बढ़ते तापमान के साथ वनाग्नि की संभावित घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। वनाग्नि रोकथाम को लेकर कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में संभावित घटनाओं की रोकथाम, त्वरित नियंत्रण और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि ग्रीष्मकाल के दौरान वनाग्नि की घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, इसलिए सभी संबंधित विभाग पहले से ही सतर्क रहें और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी रखी जाए तथा कहीं भी आग लगने की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और जन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को वनाग्नि की रोकथाम के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही वनाग्नि नियंत्रण के लिए उपलब्ध संसाधनों और उपकरणों को हमेशा सक्रिय रखने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने ब्लॉक स्तर पर वनाग्नि नियंत्रण समितियां गठित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में डीएफओ प्रदीप धौलाखंडी, एडीएम युक्ता मिश्र, सीएमओ डा. प्रवीन कुमार, डीडीओ एसके पंत, डीडीएमओ विनीत पाल आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में वनाग्नि के रोकथाम को लेकर बैठक करते डीएम अंशुल सिंह व अन्य।

नशे के कैप्सूल के साथ आरोपी दबोचा

बनबसा: एसओजी व पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्यवाही में 768 नशे के कैप्सूल के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार धनुष पुल के पास चैकिंग के दौरान आरोपी शादाब उर्फ शाहदाब (20 वर्ष) निवासी इस्लामनगर खटीमा के पास से 96 पत्तों में कुल 768 प्रॉक्सीको स्पा नशे के कैप्सूल बरामद किए हैं। उधर, औषधि निरीक्षक चम्पावत हर्षिता ने बताया कि उक्त कैप्सूल बिना चिकित्सकीय पर्चे के बेचना या बिना लाइसेंस परिवहन करना एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध है। थानाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कोरंगा ने बताया कि आरोपी शादाब को पकड़ने में कांस्टेबल उमेश राज की विशेष भूमिका रही। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उक्त कैप्सूलों का प्रयोग नशे के लिए किया जाता है।

पशुधन सहायक को हटाने पर लोगों में रोष

- कहा-अधिकारी के हटने से पशुपालकों को हो रही परेशानी
- पुन: तैनाती नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: भैंसियाछाना ब्लाक के धौलछीना में तैनात पशुधन सहायक को अल्मोड़ा अटैच करने से क्षेत्रीय जनता में आक्रोश बना हुआ है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने पशुधन सहायक की धौलछीना में तैनाती की मांग की। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पशुधन अधिकारी का स्थानांतरण कर अल्मोड़ा अटैच कर दिया गया है। आरोप लगाया कि कर्मचारियों के आपसी विवाद के चलते शिकायत के बाद विभाग की ओर से यह कार्रवाई की गई है। कहा कि पशुधन अधिकारी क्षेत्र में पूरे मनोयोग से कार्य कर रहे थे, जिससे पशुपालकों को काफी राहत मिल रही थी। लेकिन अचानक शिकायत के बाद उनका स्थानांतरण कर दिया गया है। इससे पशुपालकों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने जल्द पशुधन अधिकारी को वापस धौलछीना तैनाती की मांग की है। मामले को लेकर पशु चिकित्साधिकारी को पत्र भी भेजा गया। यहां हेमा आर्या, कविता, ललिता, सुनीता मेहरा मौजूद रहीं।

लोकगायक कनवाल को दी श्रद्धांजलि

बैरती (अल्मोड़ा): उत्तराखंड के लोकगायक दीवान सिंह कनवाल के निधन पर गेवाड़घाटी के लोगों ने भी दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। भ्रातृ कला मंच चित्रेश्वर के डायरेक्टर ललित त्रिपाठी के अलावा विश्वंभर उपाध्याय, विन्देश्वरी पांडेय, ललित प्रसाद पांडेय, भास्कर जोशी, लीलांबर पांडेय , उमेश त्रिपाठी (भैनर), कैलाश चंद्र पांडेय, पंकज पांडेय, हिमांशु पांडेय, महेश उपाध्याय, मदन उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, पूरन बिष्ट, महेश चंद्र पांडेय, हरनाथ पांडेय, हरीश चंद्र पांडेय, खजान चंद्र त्रिपाठी, कमल सिंह, बालम सिंह नेगी, दंतोला क्षेत्र के रंगकर्मी चंद्र लाल वर्मा, किरन कुमार पांडेय, नारायण दत्त तिवारी आदि ने शोक जताया।

बार बन गए शराब की तस्करी करने के अड्डे

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जनपद के विभिन्न बार शराब तस्करी के अड्डे बन गए हैं। विभिन्न बार से सेल्स मैन खुलेआम शराब की बोतलों की बिक्री कर रहे हैं साथ ही तस्करी की भी शिकायत आ रही है। इसके अलावा नाबालिगों को भी खुलेआम शराब की बोतलों की बिक्री की शिकायतें मिलते रहती है। एक युवक की शराब की बिक्री करने का वीडियो भी वायरल हुआ है। आबकारी विभाग इस मामले में अभी जांच ही कर रहा है।

जनपद के विभिन्न बार से शराब की तस्करी की शिकायतें लंबे समय से मिलती रही हैं। हालांकि नियम के अनुसार बार के आगे पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए तथा अन्य कई प्रकार के नियमों का पालन नहीं होता दिख रहा है। परंतु कई नियमों में बार संचालक सीधे तौर पर आबकारी विभाग व पुलिस विभाग के माध्यम से सरकार को चुनौती देते हैं। बार में शराब की बिक्री का नियम है कि मदिरा प्रेमी को वह मात्र खुली शराब अंदर बैठाकर ही पिलाए परंतु जनपद के बार में बंद शराब की बोतलों की खुलेआम बिक्री की जाती है। वीडियो के वायरल होने के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है तथा आबकारी विभाग की कार्यशैली पर तरह तरह के सवाल उठ रहे हैं।

चीफ कांन्सेर्वेटर वन ने किया निरीक्षण

रानीखेत: चीफ कॉन्सेर्वेटर उत्तराखंड फारेस्ट रंजन कुमार मिश्रा ने रानीखेत रेंज, गगास रेंज, का निरीक्षण किया। एवं क्रू स्टेशन की व्यवस्थाओं का निरक्षण कर फायर सीजन से पहले कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

उन्होंने वनों को अग्नि से बचाने के लिए लोगों एवं ग्रामीणों में जागरुकता उत्पन्न करने पर जोर दिया कहा की वनो मे आग लगाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। वन्यजीव एवं मानव के बीच होने वाले संघर्ष पर उन्होंने वनाधिकारियो एवं वन रक्षकों को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा। इस अवसर पर चंद्र शेखर जोशी सीफ उतरी कुमाऊं, संतोष कुमार पंत प्रभागीय वनाधिकारी, दीपक सिंह मौजूद रहे।

वॉटर राफ्टिंग अभियान 16 मार्च से

सवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : सशस्त्र सीमा बल के सीमान्त मुख्यालय रानीखेत के तत्वावधान में आगामी 16 मार्च से 19 मार्च तक महाकाली नदी के जलमार्ग पर अंतर-सीमांत व्हाइट वॉटर राफ्टिंग अभियान 'तरणी' का शुभारंभ होने जा रहा है।

सीमान्त रानीखेत के अंतर्गत 55वीं वाहिनी पिथौरागढ़ द्वारा आयोजित यह अभियान जौलजीबी स्थित सीमा चौकी से प्रातः 9 बजे शुरू होगा। जिसमें बल के 06 विभिन्न सीमांतों के 36 जांबाज अधिकारी और कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। यह दल अगले चार दिनों में जौलजीबी से 57वीं वाहिनी के सीमा चौकी बूम तक लगभग 150 किलोमीटर का चुनौतीपूर्ण सफर तय करेगा, जिसमें 'चुका' जैसे खतरनाक 'रैपिड्स' पर जवानों के मजबूत इरादों और ट्रेनिंग की परीक्षा होगी। महाकाली नदी के कठिन जलमार्ग में ट्रेनिंग के माध्यम से जवानों की परिचालन क्षमता और 'स्विफ्ट वाटर रेस्क्यू' कौशल को निखारा जाएगा, ताकि वे किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित बचाव कार्यों के लिए तैयार रहें। इसके अतिरिक्त, यात्रा के दौरान 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'नदी पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण' का संदेश स्थानीय ग्रामीणों तक पहुंचाया जाएगा।

इससे नदी तट पर बसे समुदायों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। इस मुख्य अभियान की पूर्ण सफलता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 09 मार्च से 14 मार्च तक गोरी नदी के चुनौतीपूर्ण जलमार्ग पर गहन पूर्व-अभ्यास आयोजित किया जा रहा है।

राफ्टिंग अभियान की तैयारी करते हुए सशस्त्र सीमा बल के जवान।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर आयोजित

बनबसा: राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का आयोजन देवभूमि बीएड कॉलेज परिसर में हुआ है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि निदेशक कैलाश थपलियाल व महाविद्यालय के प्राचार्य और एनएसएस प्रभारी डॉ. सुशीला आर्या द्वारा किया गया।

निदेशक कैलाश थपलियाल ने अपने विराट अनुभवों को साझा करते हुए युवाओं को समाज सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. सुशीला आर्या ने स्वयंसेवियों का उत्साहवर्धन करते हुए एनएसएस के ध्येय वाक्य स्वयं से पहले आप' को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया और शिविर की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

सवाल करने की शक्ति सभी मानव प्रगति का आधार है।
–इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री

यह सख्ती जरूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूबे में पेट्रोल-डीजल तथा घरेलू और व्यावसायिक गैस के बारे में भारी किल्लत की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंड की चेतावनी दी है, तो वहीं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। बेशक, आपदा में अवसर तलाशने वाले जब मात्र आशंका को संकट बता कर अपने लाभ के लिए विभिन्न माध्यमों के जरिए अफवाह फैलाकर उसे भुना रहे हों और जब इससे आम जनता में भारी अफरातफरी की मच सकती हो, तब सरकार का यह सख्त कदम अत्यंत उचित और सामयिक है।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल संकट गहरा दिया है और इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस ईंधन की किल्लत आ सकती है। देश के कई राज्यों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों को प्राथमिकता और आवश्यकतानुसार ही आपूर्ति हो रही है। कुछ राज्यों और शहरों के होटल संगठनों ने गैस की आपूर्ति कम होने और व्यवसाय के संकट की बात दर्ज कराई है। गैस एजेंसियों ने घरेलू गैस बुकिंग में चार दिन के बढ़ोतरी कर दी है। पर यह सब होने के बावजूद अभी यह संकट इतना नहीं गहराया है कि देश में जीवाश्म ईंधन का अकाल पड़ गया हो, सरकार के अनुसार हमारे पास अभी भी काफी रिजर्व है और हम दूसरे देशों तथा रास्तों से तेल और गैस आपूर्ति के तरीके तलाश चुके हैं। दो एलएनजी कार्गो भारत पहुंच रहे हैं, रूस से तेल खरीद 50 फीसद बढ़ा दी गई है। इसके अलावा तेल गैस समस्या के दूसरे समाधानों पर भी प्रयास जारी है। निःसंदेह, तेल और गैस संबंधी अफवाहें बाजार और सियासत की चालें ज्यादा लगती हैं, वास्तविकता कम। असल में किसी जिंस या वस्तु की कमी की अफवाहें फैला कर जमाखोरी, मुनाफाखोरी और आमजन का भयादोहन कर पैसे बनाने के प्रवृत्ति हमारे बाज़ार में पुरानी है। आज तो संकट की प्रत्यक्ष आशंका भी है, पर कभी-कभी देश के किसी राज्य अथवा किसी क्षेत्र में अचानक, नमक, खाद्य तेल, अथवा ऐसे ही रोजमर्रा के अत्यावश्यक सामान की आवक न आने अथवा कमी की अफवाह उड़ा कर जनता को अतिरिक्त खरीदारी के लिए उकसाया जाता है। देखते-देखते ही जमाखोरों के कारण सामान की वास्तव में किल्लत हो जाती है, उसके दाम महंगे। देश में बहुत से लोग तकरीबन रोज की कमाई पर जिंदा हैं। उनके पास अतिरिक्त या अधिक खरीद की क्षमता ही नहीं है। वे अलग मुश्किल में पड़ जाते है, फिलहाल वैश्विक तेल संकट के मद्देनजर इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा इमरजेंसी तेल स्टाक, 40 करोड़ बैरल तेल उपलब्ध कराने जा रहा है। भारत भी घरेलू संकट निवारण की पूर्व नियोजित आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

सोशल मीडिया के समय में अफवाहें आसानी से और प्रभावी तरीके से फैला, सरकार की अक्षमताओं को परिवर्धित कर दिखाना आसान है। ऐसे गाढ़े समय का राजनीतिक लाभ लेना कतई उचित नहीं है। जनता में भय फैलाने के बजाए ईंधन के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के लिए जागरूकता फैलाना जरूरी है। उम्मीद है, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अफवाहों पर रोक लगेगी।

प्रसंगवश

भारत में धुंधली पड़ रही है मौसम की सीमा रेखा

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत की पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतु-चक्र से रही है, लेकिन अब यह चक्र पूरी तरह से टूट चुका है। 'सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) एवं 'डाउन टू अर्थ' की नई रिपोर्ट 'इंडिया क्लाइमेट 2025' ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां 'चरम मौसम' कोई अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की हकीकत बन गया है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। यह तापमान इस समय के लिए सामान्य से अधिक माना जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी तेज गर्मी मार्च के शुरुआती दिनों में कम ही देखने को मिलती है।

सीएसई ने मौसम विभाग, गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन विभाग एवं विभिन्न राज्यों की एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर विश्लेषण किया है। साथ ही साल 2022 से सितंबर 2025 तक लगभग 1500 दिनों की भारत की मौसम संबंधी आपदाओं का एक नया नक्शा तैयार किया है। अध्ययन का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि भारत में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और वर्षा के बीच की स्पष्ट रेखाएं अब धुंधली पड़ चुकी हैं।

आंकड़े बताते हैं कि साल 2025 के पहले नौ महीनों (जनवरी से सितंबर) के दौरान देश ने लगभग 99 प्रतिशत दिन चरम मौसम की मार झेली है। इसका मतलब है कि इन 273 दिनों में से शायद ही कोई ऐसा दिन रहा हो, जब भारत के किसी न किसी हिस्से में भारी वर्षा, लू, ओलावृष्टि या चक्रवात जैसी आपदा न आई हो। उत्तर प्रदेश में भी गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। तीन साल बाद मार्च के पहले सप्ताह में ही तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस महीने तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। 2025 में, मार्च के पहले सप्ताह के दौरान, उत्तर प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान लगभग 14 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पहली मार्च 2026 को दिन का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले तीन वर्षों में मार्च की शुरुआत का उच्चतम तापमान है। इससे पहले 2023 में, पहली मार्च को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मार्च की शुरुआत में इतना अधिक तापमान इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ सकती है।

जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। विशेषकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। वास्तव में, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है।

कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मार्च का महीना किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। तापमान में वृद्धि से रबी की फसलों, विशेषकर गेहूं पर असर पड़ेगा। गर्मी के कारण अनाज का पूर्ण विकास नहीं हो पाएगा, जिससे पैदावार कम होगी। गर्म हवाओं से सरसों, चना और मटर जैसी फसलों को नुकसान हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वैश्विक तनाव और घरेलू चिंताएं बढ़ाता युद्ध

विवेक सक्सेना
अयोध्या

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष, तनाव और होर्मुज जल मार्ग के रास्ते होने वाली तेल और गैस आपूर्ति पर छाए गहरे संकट से कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह आसमान छू रहीं हैं, उससे न सिर्फ विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है, अपितु इसका असर अब भारत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। देशभर में एलपीजी की किल्लत से आम आदमी के साथ-साथ होटल और रेस्टोरेंट संचालक परेशान हैं। वर्तमान संकट ने साबित किया है कि देश केवल तेल उत्पादक देशों में अस्थिरता के कारण ईंधन की कमी झेलने को मजबूर हो सकता है।

पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कमी ने होटलों, रेस्तरां और भोजनालयों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे उन्हें मेन्यू में कटौती करनी पड़ रही है या वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करना पड़ रहा है। भारतीय रेलवे का खानपान एवं पर्यटन निगम भी इससे अछूता नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे ट्रेनों में पका हुआ भोजन परोसना अस्थायी रूप से बंद करने पर विचार कर रहा है, जिन यात्रियों ने टिकट बुक करते समय भोजन पहले से बुक किया था, उन्हें रिफंड जारी किया जाएगा।

रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार यह मुद्दा गंभीर हो गया है और अगर एलपीजी की आपूर्ति में कमी बनी रहती है, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। ट्रेनों में खानपान सेवाएं आईआरसीटीसी के बेस किचन में तैयार किए गए भोजन पर निर्भर करती हैं। एलपीजी की उपलब्धता में किसी भी तरह की रुकावट भोजन तैयार करने और ट्रेनों में आपूर्ति को सीधे प्रभावित करती है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता देने के लिए 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955' का उपयोग किया है। साथ ही, बुकिंग की अवधि को 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है, जिससे कि जमाखोरी को रोका जा सके।

यह कदम सही है कि घर के चूल्हे न बुझें, लेकिन मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बजट फिर से अनियंत्रित हो गया है और छोटे व्यवसायों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। देश में 33 करोड़ से ज्यादा घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं और सरकार की प्राथमिकता है कि इनकी जरूरत पूरी होती रहे। युद्ध की वजह से दुनिया के कई हिस्सों में तेल की किल्लत होने लगी है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने प्रमुख देशों से अपने रणनीतिक तेल भंडार खोलने की अपील की है, ताकि कमी की भरपाई की जा सके। अभी कहना बहुत मुश्किल है कि तेल और गैस की वैश्विक सप्लाई चेन पूरी तरह से कब तक बहाल होगी। ऐसे में किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयारी रखना बहुत जरूरी है।

भारत क्रूड ऑयल के आयात में विविधता लेकर आया है। इसकी वजह से अभी तक देश में तेल का कोई संकट नहीं दिखा। सरकार भी भरोसा दिला रही है कि पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी, लेकिन रसोई गैस के मामले में परेशानी बढ़ती दिख रही है। सरकार ने इसी वजह से आवश्यक सेवा रख-रखाव अधिनियम लागू किया है, ताकि जमाखोरी रोकी जा सके और आपूर्ति निर्बाध रहे। सरकार ने विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है, पर उसमें तेजी की जरूरत है।

दिक्कत यह है कि तेल की तरह गैस के लिए भी भारत आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है। इसमें से सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 85-90 फीसदी होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। संकट में ऑयल रिफाइनरियों को प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर बाहर से सप्लाई सुचारू नहीं होती है, तो जरूरत को पूरा करना काफी मुश्किल होगा। देश की तमाम रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल यूनिट्स को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। इसके अलावा सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की न तो जमाखोरी होने पाए और न ही उसकी कालाबाजारी।

यह शुभ संकेत नहीं कि देश के कुछ शहरों में रसोई गैस की कालाबाजारी होने की आशंका उभर आई है। इसके अलावा इसका भी खतरा पैदा हो गया है कि मुनाफाखोर रसोई गैस सिलेंडरों की जमाखोरी कर सकते हैं। सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की किल्लत को लेकर अफवाहें न फैलने पाएं, क्योंकि जब-जब अफवाहें फैलती हैं, लोग अनावश्यक रूप से चिंतित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण ही कहीं-कहीं गैस सिलेंडरों के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्पष्ट है कि लोगों को भी धैर्य धारण करना होगा और अफवाहों को लेकर सचेत रहना होगा।

यह ध्यान रहे कि चंद दिनों पहले पेट्रोल एवं डीजल की कोई कमी न होने के बाद भी कुछ जगह ऐसी अफवाह फैल गई थी कि उनकी कमी होने जा रही है। इस स्थिति से तभी बचा जा सकता है, जब अफवाहों को फैलने से रोका जाए और संबंधित प्रशासन की ओर से आवश्यक सूचनाएं समय पर प्रसारित की जाती रहें। गैस की कमी रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारों को भी सचेत रहना होगा। उचित यह होगा कि जैसे केंद्र सरकार ने जमाखोरी-कालाबाजारी पर निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, वैसी ही समितियां राज्य सरकारें भी गठित करें।

इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि न तो घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर में कमी आने पाए और न ही कॉमर्शियल सिलेंडर की किल्लत होने पाए, क्योंकि इसका व्यापक असर पड़ेगा, हालांकि इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सरकार रूस, कनाडा के अलावा अफ्रीकी देशों से तेल के साथ गैस की आपूर्ति के हरसंभव जतन कर रही है। ईरान युद्ध ने एक बार फिर से ग्लोबल सप्लाई चेन की कमजोरी को सामने ला दिया है। सभी को अंदेशा था कि संघर्ष की सूरत में क्या हो सकता है, लेकिन उसकी तैयारी नहीं की जा सकीं। अब तो और भी जरूरी है कि भारत अपनी तेल-गैस जरूरत के मामले में रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रखे।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह आसमान छू रहीं हैं, उससे न सिर्फ विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है, बल्कि इसका असर अब भारत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है।

आमने सामने

21 वर्षों की एनडीए सरकार में बिहार विकास के सभी मानकों, मानदंड और सूचकांक में सबसे फिसड्डी है। बस पलटा-पलटी, प्रशासनिक तंत्र, सरकारी खजाने से वोट खरीदी, वोट की लूट और जातिवाद के सहारे कथित सुशासनी लोग सत्ता भोग रहे हैं।
–तेजस्वी यादव
आरजेडी नेता

बहुत दिनों बाद उन्होंने ट्वीट किया कि 'बिहार कैसा है?' बिहार कैसा है, ये बिहार की जनता ने बता दिया है। एक बार फिर जनता ने एनडीए की सरकार को भारी बहुमत देकर जवाब दे दिया कि बिहार कैसा है।
–दिलीप जायसवाल
मंत्री, बिहार

कैसे मिलें देश को सच्चे आईएएस-आईपीएस

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम घोषित हो गए हैं। सफल अभ्यर्थी अब जल्द ही आईएएस, आईपीएस, आईएफएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में शामिल होंगे और देश की प्रगति, कानून-व्यवस्था तथा विदेश नीति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योगदान देंगे। यह क्षण न केवल व्यक्तिगत सफलता का है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नई शुरुआत का भी है। इनके सामने जगमोहन, के सुब्रमण्यम (विदेश मंत्री एस जयशंकर के पिता), एके दामोदरन, टीएन शेषन, जेएन दीक्षित, वेद मारवाह, किरण बेदी जैसे अनेक अफसरों के उदाहरण मौजूद हैं, जिन्होंने अपने को अपने काम और ईमानदारी से साबित किया। ये नाम आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं।

नए सफल अभ्यर्थियों को बधाइयां मिल रही हैं, लेकिन उनकी असली परीक्षा तब शुरू होती है, जब वे ट्रेनिंग पूरी कर जिलों, विभागों या फील्ड पोस्टिंग में तैनात होते हैं। ब्रिटिश काल में आईसीएस अधिकारियों को ब्रिटिश शासन को मजबूत करने के लिए तैयार किया जाता था, इसलिए अधिकांश पदों पर गोरे अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाता था। वे जिले की हर छोटी-बड़ी जानकारी रखते थे। कृषि भूमि के प्रकार, उपजाऊपन, सिंचाई व्यवस्था, गांवों की आबादी, सामाजिक-आर्थिक संरचना, नदियां, वर्षा का औसत आदि। आज कितने अधिकारी अपने जिले या शहर के मोहल्लों तक की सही जानकारी रखते हैं?

एक महत्वपूर्ण सत्य यह है, यदि हम अधिकारियों से बेखौफ होकर काम करने की अपेक्षा करते हैं, तो उन्हें सुरक्षित माहौल और संरक्षण देना भी हमारा कर्तव्य है। ईमानदार अधिकारी अक्सर बड़े अवरोधों का सामना करते हैं। उन्हें प्रमोशन से वंचित किया जाता है, बार-बार ट्रांसफर किए जाते हैं। हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने अपनी ईमानदारी की भारी कीमत चुकाई। 34 वर्ष की सेवा में उनका 57 बार ट्रांसफर किया गया। यह संख्या भारतीय नौकरशाही में सबसे अधिक में से एक है। ऐसे कई अधिकारी हैं, जिन्हें कड़वी सच्चाई बोलने के लिए समाज और सिस्टम दोनों से सजा मिलती है। ठीक कहा गया है, कड़वी दवा और कड़क ईमानदार अधिकारी कम लोगों को पसंद आते हैं। ज्यादातर लोग ऐसे 'बिकने वाले' बाबुओं को तरजीह देते हैं, जो उनके इशारे पर काम करें।

ईमानदार अफसरों की बात होगी तो टीएन शेषन की याद कैसे नहीं आएगी? यह मानना होगा कि यदि टीएन शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त न बनते, तो देश में चुनावों के नाम पर धोखाधड़ी और धांधली का सिलसिला जारी रहता। 1990 के दशक में मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर रहते हुए उन्होंने चुनाव सुधारों को सख्ती से लागू करने का अभियान चलाया। शेषन ने गुंडा तत्वों, धनबल और बाहुबल पर ऐसी चाबुक चलाई कि धन-बल से सियासत करने वाले जमीन पर उतर आए। उन्होंने अपने साथियों में यह विश्वास जगाया कि चुनाव प्रक्रिया को पूरी ईमानदारी से अंजाम देना चाहिए।

उनसे पहले कुछ चुनाव आयुक्तों पर आरोप लगते थे कि वे सरकार के इशारों पर चुनाव करवाते हैं। शेषन ने साबित किया कि सिस्टम में रहते हुए भी बहुत कुछ सकारात्मक किया जा सकता है। वे सिर्फ दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसर नहीं थे, वे चुनाव सुधारों से लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते थे। उन्होंने कठिन राह चुनी और विश्व भर में नाम कमाया। 1994 से 1996 के बीच उन्होंने देश भर में सैकड़ों जनसभाओं को संबोधित कर देश को जगाया।

क्या हम सत्येंद्र दुबे और शनमुगम मंजूनाथ की कहानियां भूल गए? सत्येंद्र दुबे ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सीलबंद पत्र लिखा। उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों के गठजोड़ का पर्दाफाश किया, लेकिन इस पत्र के कारण ही 27 नवंबर 2003 को उनकी हत्या कर दी गई।

इसी तरह, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारी शनमुगम मंजूनाथ ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक पेट्रोल पंप पर मिलावटी ईंधन बेचने की गड़बड़ी पकड़ी। 13 सितंबर 2005 को उन्होंने पंप सील किया। 19 नवंबर 2005 को दोबारा निरीक्षण के दौरान पंप मालिक के बेटे और उसके साथियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। ऐसे ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अक्सर अपनी जान गंवानी पड़ती है।

दिल्ली के सिविल लाइंस में स्थित मेटकॉफ हाउस भारत की शीर्ष नौकरशाही का प्रतीक है। यहीं 21 अप्रैल 1947 को सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत के पहले बैच के आईएएस-आईपीएस अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि अधिकारी जनता के हित में काम करें और किसी भी तरह की कोताही न बरतें। इसी दिन को लोक सेवक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1947 से पहले यहीं आईसीएस परीक्षाएं होती थीं और 1958 तक ट्रेनिंग भी। बाद में ट्रेनिंग मसूरी में शुरू हुई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

यूपीएससी में चुने गए नौजवानों की अभी यह महज व्यक्तिगत सफलता है। अहम यह है कि यह भविष्य में अच्छे अफसर कैसे बनें!

सोशल फोरम

हम रोज गढ़े जा रहे हैं

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है।

पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना, या कम से कम कोशिश की।

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतज़ार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है। एक पन्ना और पढ़ लेना... किसी विचार पर गंभीरता से सोचना... यही छोटे कदम भविष्य की रीढ़ बनाते हैं।

कई लोग कहेंगे कि समय तेज़ भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता...! लेकिन किसी की शांति? उस पर कम ही नज़र जाती है और वही सबसे बड़ी पूंजी है।

अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है। जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है।

ज़िंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है... खुद से, अपने लोगों से, अपने विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही तो हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता। जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज़ बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं; वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है और कहानी तब तक ज़िंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उत्तराखंड: एक लाख करोड़ बजट से बढ़ेगी विकास गति

प्रो . एचसी पुरोहित
दून यूनिवर्सिटी

उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश आर्थिक प्रगति के पद पर तेज गति से दौड़ रहा है, राज्य का सकल घरेलू उत्पाद पिछले चार वर्षों में तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद 2.54 लाख करोड़ था, जो वर्ष 24-25 में बढ़कर 3.82 लाख करोड़ हो गया है और वर्ष 26-27 में इसके 4.30 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2021-22 में 1.95 लाख थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2.73 लाख से अधिक हो गई और आगामी वर्ष में प्रति व्यक्ति आय 3.60 लाख रुपये होने का अनुमान है।

उत्तराखंड शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन की दृष्टि से देश के विभिन्न क्षेत्र से आने वाले यात्रियों व नागरिकों की पसंदीदा जगह बन रहा है। यहां के शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान, आयुर्वज्ञान संस्थान व चिकित्सा सुविधा हर वर्ग के लोगों को आकर्षित करती है। पर्यटन के लिहाज से उत्तराखंड के हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल, मसूरी, कैंची धाम के साथ ही सुप्रसिद्ध चार धाम, हेमकुंठ साहिब, आदि कैलाश जैसे तीर्थ स्थल व यहां की शांत-खूबसूरत प्राकृतिक छटा- हिमखंड, बुग्याल, बन अभ्यारण्य, विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट पार्क एवं राजाजी पार्क देश और दुनिया के यात्रियों, पर्यटकों और तीर्थ दर्शन करने वालों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

उत्तराखंड स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा के लिए देश एवं विदेश के युवाओं को लुभा रहा है और बड़ी संख्या में वे राज्य के शिक्षण संस्थाओं का रुख कर रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के कारण विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिदिन लोग यहां आते हैं, विशेष तौर पर हिमाचल, पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न कस्बों, नगरों व गांवों से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन पर्यटन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार की तलाश में उत्तराखंड के विभिन्न शहरों व नगरों का रुख कर रहे हैं।

उत्तराखंड में औद्योगिक संरचनाओं का विस्तार एवं विकास बहुत तेज गति से हो रहा है और यहां उन्हें रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हैं। राज्य में विभिन्न प्रकार की सेवा प्रकल्पों या छोटे व मझले उपक्रमों का संचालन करने में उनकी खास रुचि रहती है, जिसमें ऑटोमोबाइल, आईटी एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े उद्यम प्रमुख हैं। जैसे रैपिडो, ओला, उबर के अलावा स्विग्गी, जोमैटो व ब्लिंकिट जैसी सेवाएं. जो गिग इकोनामी से संबंधित हैं, का संचालन युवाओं को लुभा रहा है।

औद्योगिक विकास की तेज रफ्तार से रोजगार के अवसर भी तेजी से सृजित हो रहे हैं। राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम क्षेत्र के उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में प्रदेश में लगभग साढे चौदह हजार उद्यम स्थापित थे, जो अब बढ़कर तीन लाख इकासी हजार से अधिक हो चुके हैं। राज्य की जीडीपी में 13% अंशदान इसी क्षेत्र के उद्योगों का है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच साढ़े 19 हजार नये एमएसएमई उद्यम स्थापित हुए, जिससे एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2017 से पहले राज्य में कोई भी स्टार्टअप इकाई पंजीकृत नहीं थी, लेकिन आज 1750 स्टार्टअप पंजीकृत हैं। राज्य में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय निवासियों को पर्यटन आधारित स्वरोजगार योजना का लाभ मिलना स्वाभाविक है, पिछले तीन वर्षों में पर्यटकों की संख्या में 62 लाख की वृद्धि हुई है। राज्य गठन के समय पर्यटकों की संख्या लगभग एक करोड़ थी, जो 2024-25 में बढ़कर छह करोड़ से अधिक हो गई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

खोज

ऐसे हुआ फ्रिज का आविष्कार

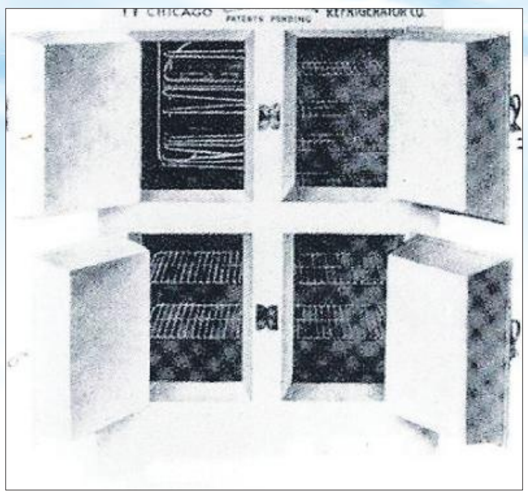

रेफ्रिजरेटर का आविष्कार एक लंबी वैज्ञानिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें कई आविष्कारकों का योगदान रहा है। भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए कृत्रिम शीतलन तकनीक विकसित करने के प्रयास सदियों से होते रहे हैं। इस दिशा में पहला महत्वपूर्ण प्रयोग 1748 में स्कॉटलैंड के प्रोफेसर और चिकित्सक विलियम कुलेन ने किया। उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि किसी तरल को तेजी से वाष्पीकृत करने पर शीतलन प्रभाव उत्पन्न होता है। यद्यपि उनके प्रयोग का तत्काल व्यावहारिक उपयोग नहीं हो सका, फिर भी इसने आगे के शोध की नींव रखी।

19 वीं शताब्दी में कई वैज्ञानिकों और आविष्कारकों ने इस तकनीक को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप आधुनिक यांत्रिक प्रशीतन प्रणाली का विकास संभव हुआ। 1834 में अमेरिकी आविष्कारक जैकब पर्किन्स ने पहला वाष्प-संपीड़न आधारित प्रशीतन उपकरण बनाया। बाद में जर्मन वैज्ञानिक कार्ल वॉन लिंडे ने गैसों को द्रवीकृत करने की प्रभावी विधि विकसित की, जिसने प्रशीतन तकनीक को नई दिशा दी। 20 वीं शताब्दी की शुरुआत तक प्रशीतन तकनीक में इतनी प्रगति हो चुकी थी कि इसका उपयोग उद्योगों में होने लगा, विशेषकर शराब बनाने और मांस प्रसंस्करण कारखानों में। 1913 में अमेरिकी फ्रेड डब्ल्यू. वुल्फ ने पहला घरेलू इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर बनाया। इसके बाद 1918 में विलियम सी. ड्यूरेंट ने सेल्फ-कंटेन्ड कंप्रेसर वाला रेफ्रिजरेटर पेश किया, जिससे घरेलू रेफ्रिजरेटरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हुआ। प्रारंभिक दौर में इनकी कीमत काफी अधिक होने के कारण इन्हें विलासिता की वस्तु माना जाता था, लेकिन 1930 के दशक में सुरक्षित रेफ्रिजरेंट फ्रियोन के विकास के बाद घरेलू रेफ्रिजरेटर तेजी से लोकप्रिय हो गए।

वैज्ञानिक के बारे में

फ्रेड डब्ल्यू. वुल्फ अमेरिका के एक आविष्कारक और इंजीनियर थे, उनका जन्म 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। बचपन से ही उन्हें यांत्रिक उपकरणों और नई तकनीकों में गहरी रुचि थी। उस समय दुनिया तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रही थी और इसी वातावरण ने उनके भीतर प्रयोग और आविष्कार की प्रवृत्ति को मजबूत किया। उनका यह आविष्कार आधुनिक रेफ्रिजरेटर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। बाद के वर्षों में अन्य वैज्ञानिकों और कंपनियों ने इसी तकनीक को और विकसित किया, जिससे आज के उन्नत रेफ्रिजरेटर संभव हो पाए।

चिकनाई हजम करने वाली 131 प्रोटीन

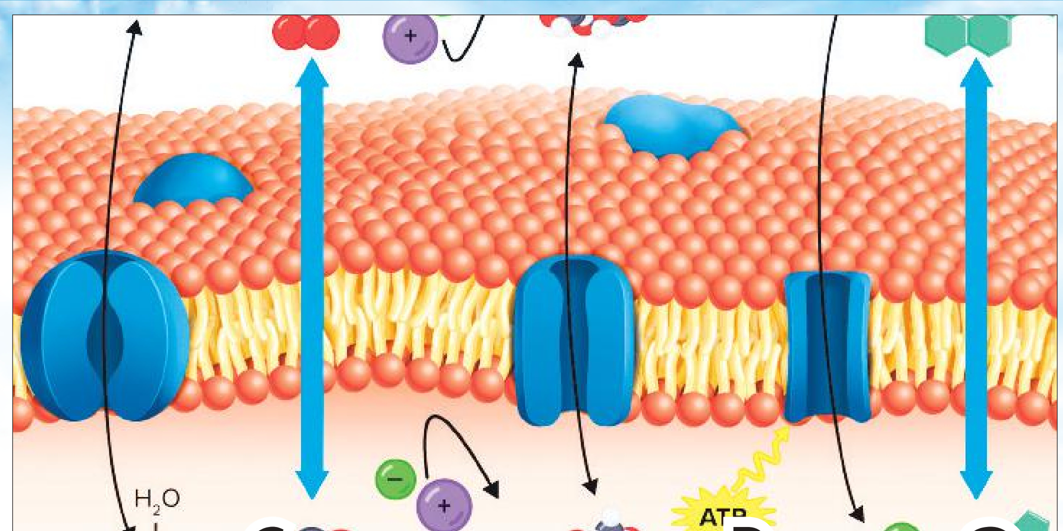

वसा या फैट इंसानी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भोजन घी-तेल के बिना भी बनाया जा सकता है, लेकिन मनुष्य ने बहुत पहले ही वसा के स्वाद और उपयोगिता को पहचान लिया था। इसी कारण भोजन को या तो वसा में फ्राई किया जाता है या वसा में पकाया जाता है, जिससे उसका स्वाद बढ़ता है और उसे चबाना-निगलना भी आसान हो जाता है, लेकिन आम आदमी को यह विज्ञान बहुत कम मालूम है कि वह वसा का सेवन आखिर क्यों करता है और शरीर उसके साथ क्या करता है। दरअसल शरीर को वसा बहुत अधिक मात्रा में नहीं चाहिए। सामान्य परिस्थितियों में लगभग 45 से 75 ग्राम वसा 24 घंटे में पर्याप्त होती है। इसके बावजूद हम अक्सर जरूरत से ज्यादा वसा खा लेते हैं, क्योंकि स्वाद और आदत हमें इसके लिए प्रेरित करती है। कोलेस्ट्रॉल को आम तौर पर लोग वसा ही समझते हैं, जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह एक प्रकार का लिपिड है।

लिपिड का रासायनिक ढांचा

लिपिड एक व्यापक श्रेणी है, जिसमें विभिन्न प्रकार के फैट शामिल होते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कोशिकाओं की झिल्ली अर्थात सेल मेंब्रेन का एक जरूरी घटक है और कई हार्मोन तथा विटामिन-डी के निर्माण में भी मदद करता है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को केवल हानिकारक मान लेना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं है।

लिपिड का रासायनिक ढांचा मुख्य रूप से फैटी एसिड और ग्लिसरॉल से बना होता है। ये कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन परमाणुओं से निर्मित लंबी हाइड्रोकार्बन श्रृंखलाएं होती हैं। लिपिड के तीन प्रमुख प्रकार माने जाते हैं- ट्राइग्लिसराइड्स, फॉस्फोलिपिड्स और स्टेरोल्स। ट्राइग्लिसराइड्स में ग्लिसरॉल के साथ तीन फैटी एसिड जुड़े होते हैं। फॉस्फोलिपिड्स में एक ऐसा सिरा होता है, जो पानी को आकर्षित करता है और दूसरा ऐसा जो पानी से दूर रहता है। यही संरचना कोशिकाओं की झिल्ली बनाने में मदद करती है। स्टेरोल्स का ढांचा अपेक्षाकृत जटिल रिंग संरचना वाला होता है, जिसमें कोलेस्ट्रॉल भी शामिल है। इन संरचनाओं की वजह से लिपिड जैविक प्रणालियों में कई तरह के काम करते हैं। ऊर्जा का भंडारण, कोशिका झिल्ली का निर्माण और कई जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को स्थिर रखना। जब हम भोजन के साथ वसा लेते हैं, तो शरीर के भीतर उसे संभालने के लिए कई जटिल प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। इनमें पहली प्रक्रिया है लिपोजेनेसिस। यह फैट बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें कोशिकाओं के साइटोप्लाज्म में एसिटाइल कोएंजाइम-ए से फैटी एसिड का निर्माण होता है। यह प्रक्रिया दो-दो कार्बन परमाणु जोड़ते हुए चलती रहती है, जब तक फैटी एसिड आवश्यक लंबाई तक न पहुंच जाए। इसके बाद अगला चरण आता है लिपोलिसिस। इसमें वसा छोटे-छोटे अणुओं मोनोग्लिसराइड्स और फ्री फैटी एसिड में टूटती है। इन अणुओं का उपयोग शरीर ऊर्जा के लिए करता है या उन्हें एडिपोज टिश्यू में जमा कर देता है। एडिपोज टिश्यू शरीर का एक विशेष ऊतक है, जिसमें ऊर्जा को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता है। यह संग्रह उस समय काम आता है, जब शरीर को लंबे समय तक भोजन नहीं मिलता या कोई संकट की स्थिति पैदा होती है। इसके बाद आता है एब्जॉर्प्शन अर्थात अवशोषण का चरण। छोटी आंत की भीतरी परत के एपिथेलियल सेल्स फैटी एसिड को अपने भीतर लेते हैं और उन्हें पैक करके शरीर के विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए तैयार करते हैं। यह पैकिंग प्रक्रिया अत्यंत व्यवस्थित होती है। जब यह 'माल' पैक हो जाता है, तो इसे शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने के लिए वाहनों की जरूरत पड़ती है। शरीर में यह काम लिपोप्रोटीन्स करते हैं। लिपोप्रोटीन्स को उनके आकार और घनत्व के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है। इन्हें मोटे तौर पर उस गाड़ी की तरह समझा जा सकता है, जो लिपिड को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है। जब यह लिपिड अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं, तब उनका भंडारण होता है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें फिर से ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। ट्राइग्लिसराइड्स और अन्य लिपिड तब तक एडिपोज टिश्यू में रहते हैं, जब तक शरीर को उनकी आवश्यकता न हो। ये सारी प्रक्रियाएं शरीर में ऊर्जा संतुलन बनाए रखने, कोशिका झिल्ली की संरचना को स्थिर रखने और हार्मोन निर्माण को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं। लिपिड मेटाबॉलिज्म का सही संचालन हमारी समग्र सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आहार, व्यायाम और कई चयापचय संबंधी रोग इस पर प्रभाव डाल सकते हैं। यदि यह प्रक्रिया असंतुलित हो जाए, तो शरीर में कई बीमारियां जन्म लेने लगती हैं।

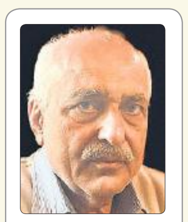

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

लगातार काम करती हैं मानव कोशिकाएं

मानव कोशिकाएं हजारों प्रकार के लिपिड बनाती हैं। इन सभी का सामूहिक रूप लिपिडोम कहलाता है। लिपिडोम की संरचना कोशिका की जरूरतों के अनुसार बदलती रहती है और यह कोशिका की पहचान तथा उसके विशेष कार्यों को निर्धारित करने में मदद करती है। लिपिड का वितरण कोशिका के भीतर अलग-अलग स्थानों पर होता है। कुछ लिपिड विशेष ऑर्गेनेल या माइक्रोडोमेन की झिल्लियों का निर्माण करते हैं। इस पूरे सिस्टम को व्यवस्थित रखने में कई प्रकार के लिपिड मेटाबॉलिज्म और ट्रांसपोर्ट सिस्टम शामिल होते हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण भूमिका लिपिड ट्रांसफर प्रोटीन्स (LTPs) निभाते हैं। इन प्रोटीन्स की संरचना अलग-अलग होती है, लेकिन उनका काम लगभग समान होता है। वे कोशिका झिल्ली की परतों से विशेष लिपिड अणुओं को निकालते हैं और उन्हें अपने भीतर मौजूद हाइड्रोफोबिक पॉकेट में रख लेते हैं। इस तरह पानी में घुलने योग्य प्रोटीन-लिपिड कॉम्प्लेक्स बनते हैं, जो लिपिड को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं। इस प्रक्रिया को लिपिड मोबिलाइजेशन कहा जाता है। कई बार ये प्रोटीन केवल मुख्य लिपिड ही नहीं, बल्कि सहायक लिपिड भी साथ ले जाते हैं, जो विनिमय मुद्रा या सह-कारक की तरह काम करते हैं। इससे यह तय होता है कि लिपिड किस दिशा में जाएगा और किस जैव रासायनिक प्रक्रिया में भाग लेगा। लिपिड मेटाबॉलिज्म और उसका परिवहन वास्तव में सूक्ष्म स्तर पर चलने वाली अद्भुत रासायनिक प्रक्रियाएं हैं, जिनका हमें सामान्य जीवन में एहसास भी नहीं होता। हम भोजन के माध्यम से पशु और वनस्पति स्रोतों से वसा ग्रहण करते हैं। इन दोनों में फैटी एसिड की श्रृंखलाएं अलग-अलग लंबाई की होती हैं। शरीर में ये अणु विभिन्न एंजाइमों और अम्लों की सहायता से टूटते-बनते रहते हैं। यह सब कुछ हमारी कोशिकाएं लगातार करती रहती हैं। वे कभी आराम नहीं करतीं। पुरानी और थकी हुई कोशिकाओं की जगह नई कोशिकाएं बनती रहती हैं और जीवन की यह रासायनिक मशीन चुपचाप चलती रहती है।

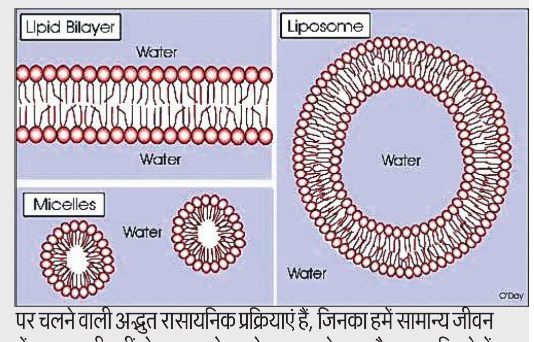

क्या कहते हैं वैज्ञानिक शोध

हाल के वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मनुष्य के शरीर में कम से कम 131 प्रकार के लिपिड ट्रांसफर प्रोटीन होते हैं। इनकी गड़बड़ी कई बीमारियों से जुड़ी पाई गई है। वैज्ञानिक इन प्रोटीनों और उनके लिपिड कॉम्प्लेक्स को समझने के लिए उन्नत तकनीकों जैसे एफिनिटी प्यूरिफिकेशन और मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग कर रहे हैं। इन अध्ययनों से यह समझने की कोशिश की जा रही है कि कोशिकाओं के भीतर लिपिड का परिवहन और संतुलन कैसे बना रहता है। जब हम अपनी सेहत की जांच कराने डॉक्टर के पास जाते हैं, तो वह कई प्रकार के रक्त परीक्षण करवाने की सलाह देता है। रक्त में लगभग दो सौ से अधिक प्रकार के सूक्ष्म मेटाबोलाइट्स होते हैं, जिनकी उपस्थिति और मात्रा का पता आधुनिक मशीनों से लगाया जाता है। सामान्यत: किए जाने वाले परीक्षणों में पूर्ण रक्त गणना (CBC), रक्त शर्करा परीक्षण, लिपिड प्रोफाइल, लिवर फंक्शन टेस्ट और कॉम्प्रिहेंसिव मेटाबोलिक पैनल शामिल हैं। ये परीक्षण एनीमिया, मधुमेह, हृदय रोग, लिवर और किडनी की स्थिति जैसी कई बातों का संकेत देते हैं। इन जांचों के आधार पर डॉक्टर यह समझने की कोशिश करता है कि शरीर के भीतर चल रही जैव रासायनिक प्रक्रियाएं सही ढंग से काम कर रही हैं या नहीं, लेकिन सच यह है कि जब तक शरीर की प्राकृतिक क्षमता मजबूत रहती है, तब तक यह जटिल तंत्र अपने-आप संतुलित रहता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है और जीवनशैली असंतुलित होती है, यह संतुलन बिगड़ने लगता है। तब दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है। आयुर्वेद में भी कहा गया है कि अधिकांश रोगों की शुरुआत पेट से होती है। आधुनिक विज्ञान भी अब इस बात की पुष्टि कर रहा है कि भोजन और चयापचय की प्रक्रिया हमारे स्वास्थ्य का मूल आधार है। इसलिए संतुलित आहार, सीमित वसा सेवन और नियमित व्यायाम शरीर की इन सूक्ष्म जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। शरीर हमें अक्सर संकेत देता रहता है कि कौन-सी चीज हमारे लिए ठीक है और कौन-सी नहीं। इन संकेतों की अनदेखी करना लंबे समय में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

वाइल्ड लाइफ

मकाऊः वर्षा वनों का रंगीन और बुद्धिमान प्रहरी

मकाऊ तोते प्रकृति के सबसे आकर्षक और रंगीन पक्षियों में गिने जाते हैं। बड़े आकार, चमकीले रंगों और लंबी, खूबसूरत पूंछ के कारण ये तुरंत ध्यान खींच लेते हैं। तोते परिवार के अन्य पक्षियों से इन्हें अलग पहचान देने वाली एक खास विशेषता इनके चेहरे का वह हिस्सा है, जहां पंख नहीं होते। यह बिना पंखों वाला भाग हर प्रजाति में अलग-अलग आकार और पैटर्न में दिखाई देता है, जिससे उनकी पहचान और भी विशिष्ट हो जाती है। मकाऊ का आकार भी काफी विविध होता है। सबसे छोटे हैन मकाऊ की लंबाई लगभग 30 सेंटीमीटर (करीब 12 इंच) होती है, जबकि हायसिंथ मकाऊ दुनिया के सबसे बड़े तोतों में गिना जाता है और इसकी लंबाई लगभग 102 सेंटीमीटर (करीब 40 इंच) तक पहुंच सकती है।

इस विशालकाय मकाऊ का वजन लगभग 1550 से 1600 ग्राम तक होता है। अपने आकर्षक रूप और प्रभावशाली आकार के कारण यह पक्षी प्रकृति प्रेमियों के बीच विशेष लोकप्रिय है। भोजन की बात करें तो अधिकांश मकाऊ मुख्य रूप से बीज, मेवे और फलों पर निर्भर रहते हैं। उनकी मजबूत और शक्तिशाली चोंच उन्हें कठोर खोल वाले खाद्य पदार्थों को भी आसानी से तोड़ने में सक्षम बनाती है। ब्राजील नट्स जैसे सख्त छिलके वाले मेवे भी उनके लिए कोई बड़ी चुनौती नहीं होते। यही वजह है कि मकाऊ की चोंच को प्रकृति की अद्भुत रचनाओं में से एक माना जाता है। प्रजनन के समय मादा मकाऊ आमतौर पर एक से तीन अंडे देती है। अंडों से बच्चे निकलने में लगभग 26 से 29 दिन का समय लगता है, हालांकि यह अवधि प्रजाति के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है। रोचक बात यह है कि नर और मादा दोनों मिलकर अपने अंडों और चूजों की रक्षा करते हैं। वे अपने घोंसले आमतौर पर ऊंचे पेड़ों के खोखलों या चट्टानों की दरारों में बनाते हैं, जहां उनके बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। मकाऊ सामाजिक और अत्यंत संवेदनशील पक्षी होते हैं।

मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षावन इनके प्रमुख निवास स्थान हैं, हालांकि कुछ प्रजातियां अपेक्षाकृत शुष्क क्षेत्रों में भी पाई जाती हैं। जंगली इलाकों में मकाऊ अक्सर मिट्टी के ऊंचे ढेरों या पहाड़ियों पर इकट्ठा होते हैं, जिन्हें 'मकाऊ लिक्स' कहा जाता है। यहां वे झुंड बनाकर मिट्टी खाते हैं, जो उनके पाचन तंत्र के लिए लाभकारी मानी जाती है। इन पक्षियों की बुद्धिमत्ता भी उल्लेखनीय है। मकाऊ चंचल और जिज्ञासु होते हैं तथा वे मनुष्यों की आवाजों की नकल करने में भी सक्षम होते हैं। उड़ान में भी ये कम नहीं, ये लगभग 56 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देती हीलियम

हीलियम प्रकृति का एक अत्यंत रोचक और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तत्व है। सामान्य परिस्थितियों में यह एक हल्की और निष्क्रिय गैस के रूप में जानी जाती है, लेकिन अत्यधिक कम तापमान पर इसके गुण आश्चर्यजनक रूप से बदल जाते हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि जब तरल हीलियम को उसके क्वथनांक, लगभग -60 डिग्री फारेनहाइट (लगभग - 268.9 डिग्री सेल्सियस) से कुछ ही डिग्री कम तापमान तक ठंडा किया जाता है, तो यह एक विशेष अवस्था में पहुंच जाता है जिसे अतितरल (Superfluid) कहा जाता है। अतितरल अवस्था में हीलियम का व्यवहार सामान्य द्रवों से बिल्कुल अलग हो जाता है। इस अवस्था में वह बिना किसी घर्षण के प्रवाहित हो सकता है। यही कारण है कि यह किसी पात्र में डाले जाने पर केवल नीचे नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे गिलास या बर्तन की भीतरी दीवारों पर चढ़कर ऊपर की ओर बढ़ने लगता है और किनारों से बाहर बह भी सकता है। देखने वाले को ऐसा लगता है मानो यह गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध कार्य कर रहा हो। इसके अतिरिक्त अतितरल हीलियम की एक और अद्भुत विशेषता यह है कि वह अत्यंत सूक्ष्म दरारों या अणु-आकार की पतली जगहों से भी रिस सकता है। सामान्य द्रव जिन दरारों से नहीं गुजर पाते, हीलियम उनसे आसानी से निकल जाता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में इसे संभालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इन अद्भुत गुणों के कारण हीलियम का उपयोग अत्यंत निम्न तापमान वाले वैज्ञानिक प्रयोगों, क्वांटम भौतिकी के अध्ययन और शक्तिशाली चुंबकों को ठंडा रखने के लिए किया जाता है। हीलियम के बारे में एक और रोचक तथ्य यह है कि यह ब्रह्मांड में हाइड्रोजन के बाद दूसरा सबसे अधिक पाया जाने वाला तत्व है। सूर्य और अन्य तारों में इसकी बड़ी मात्रा मौजूद है। पृथ्वी पर भी यह प्राकृतिक गैस के कुछ स्रोतों में पाया जाता है और इसका उपयोग गुब्बारों, मौसम संबंधी उपकरणों तथा विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों में किया जाता है। हालांकि हीलियम को आमतौर पर सुरक्षित गैस माना जाता है, फिर भी इसका अनुचित उपयोग खतरनाक हो सकता है।

'इंजरी प्रिवेंशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हीलियम को सीधे गुब्बारे से अंदर खींचता है, तो यह शरीर के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ऐसा करने पर कुछ क्षणों के लिए आवाज तीखी और पतली हो जाती है, क्योंकि हीलियम हवा की तुलना में हल्की होती है और ध्वनि की गति को बदल देती है, लेकिन यह मजाक कभी-कभी जोखिम भरा भी हो सकता है, क्योंकि हीलियम ऑक्सीजन की जगह ले सकती है और इससे सांस लेने में समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, भले ही जन्मदिन की पार्टी में हीलियम भरे गुब्बारों से आवाज बदलकर सुनना लोगों को मनोरंजक लगे, फिर भी सुरक्षा की दृष्टि से उनसे दूरी बनाए रखना ही समझदारी है। हीलियम का वास्तविक महत्व उसके वैज्ञानिक गुणों और प्रयोगों में है, जो हमें प्रकृति के अद्भुत रहस्यों को समझने में मदद करते हैं।

ह्यूमैनॉइड रोबोट्सः विज्ञान की कल्पना से हकीकत तक

कृत्रिम बुद्धि के तेजी से बढ़ते विकास ने विज्ञान और तकनीक की दुनिया में एक नया अध्याय खोल दिया है। अब मशीनें केवल आदेश मानने वाले उपकरण नहीं रहीं, बल्कि वे समझने, प्रतिक्रिया देने और संवाद करने की क्षमता भी विकसित कर रही हैं। हाल ही में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2026 में प्रस्तुत ह्यूमैनॉइड रोबोट्स ने यह दिखा दिया कि भविष्य की दुनिया कितनी तेजी से बदल रही है। मानव की तरह दिखने वाले और कृत्रिम बुद्धि से संचालित ये रोबोट आपस में स्वतंत्र रूप से बातचीत कर सकते हैं, कई भाषाओं को समझ सकते हैं और मनुष्यों की भावनाओं को भी पहचान सकते हैं। यह प्रयोग केवल तकनीकी प्रदर्शन नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की एक झलक भी है।

डॉ. राजीव अग्रवाल
वरिष्ठ लेखक

अब कृत्रिम बुद्धि से संचालित ह्यूमैनॉइड रोबोट्स अर्थात् मानव के समान दिखाई पड़ने वाले और कृत्रिम बुद्धि से युक्त यंत्र के विकास ने एक नई दिशा पकड़ ली है। ये रोबोट अब केवल आदेशों का पालन करने वाली मशीनें भर नहीं रह गए हैं, बल्कि वे स्वयं संवाद करने और परिस्थितियों को समझने की क्षमता भी प्राप्त कर रहे हैं। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2026 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्रैंकफर्ट में आयोजित एक प्रदर्शन में रियलबॉटिक्स कंपनी के दो ह्यूमैनॉइड रोबोट्स के बीच हुई बातचीत ने वैज्ञानिक जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

Aria और David नाम के इन दोनों रोबोट्स ने लगभग दो घंटे तक एक-दूसरे से निरंतर बातचीत की। इस पूरी बातचीत में न तो किसी पूर्व-लिखित स्क्रिप्ट का उपयोग किया गया था और न ही किसी मनुष्य का हस्तक्षेप था। दोनों रोबोट्स ने अपने कृत्रिम बुद्धि तंत्र के आधार पर स्वयं ही संवाद किया। इस बातचीत की एक विशेषता यह भी थी कि उन्होंने केवल अंग्रेजी में ही नहीं, बल्कि स्पेनिश, फ्रेंच और जर्मन भाषाओं में भी संवाद किया। यह दर्शाता है कि आधुनिक कृत्रिम बुद्धि प्रणालियां भाषा को केवल शब्दों के रूप में नहीं, बल्कि विचारों और अर्थों के रूप में भी समझने लगी हैं।

इसी प्रदर्शन में एक तीसरे रोबोट ने मनुष्यों के साथ भी संवाद किया। यह रोबोट सामने खड़े व्यक्ति की पहचान कर सकता था, उसकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकता था और उसकी आवाज तथा चेहरे के भावों से उसकी भावनाओं का अनुमान लगा सकता था। विशेष बात यह थी कि इन रोबोट्स ने बातचीत के लिए इंटरनेट का सहारा नहीं लिया। उनके भीतर स्थापित कृत्रिम बुद्धि प्रणाली और स्थानीय डेटा ही इस संवाद का आधार थे।

इसका अर्थ यह है कि अब ऐसे रोबोट विकसित किए जा रहे हैं, जो स्वतंत्र रूप से सोचने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार के प्रयोगों का महत्व केवल इतना नहीं है कि रोबोट आपस में बातचीत कर लेते हैं। असल महत्व इस बात का है कि ऐसे प्रयोग आगे आने वाले बड़े आविष्कारों की आधारशिला रखते हैं। विज्ञान के इतिहास में हम देखते हैं कि छोटे-छोटे प्रयोग और खोजें ही आगे चलकर बड़े परिवर्तन का कारण बनती हैं। कम्प्यूटर का आरंभ भी एक सीमित प्रयोग के रूप में हुआ था, लेकिन आज वही तकनीक पूरी दुनिया के जीवन को बदल चुकी है। मुझे एक प्रसिद्ध घटना याद आती है। बिजली के आविष्कार के बाद जब थॉमस अल्वा एडिसन एक बल्ब जलाने का प्रदर्शन कर रहे थे, तब एक महिला ने उनसे पूछा- "यह सब तो ठीक है, पर इसका लाभ क्या है?" इस पर एडिसन ने मुस्कराते हुए कहा-"मैडम, जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो उसका तत्काल लाभ क्या होता है?" इस उत्तर में एक गहरी सच्चाई छिपी थी।

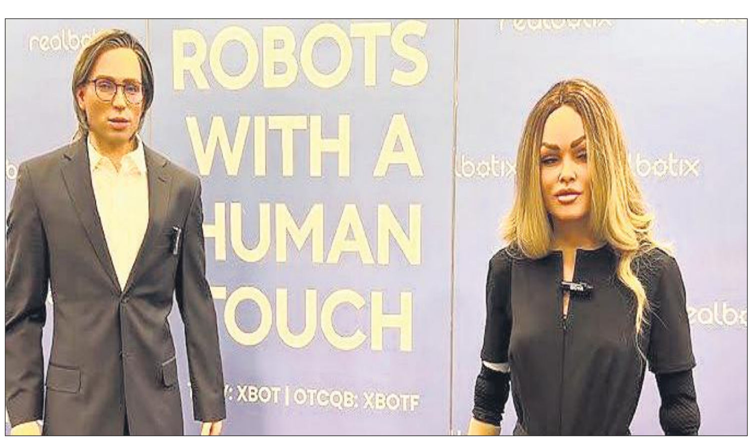

कोई भी नई खोज अपने प्रारंभिक रूप में अधूरी और सीमित दिखाई दे सकती है, लेकिन समय, श्रम और निवेश के साथ वही खोज भविष्य की बड़ी उपयोगी तकनीक बन जाती है। आज ह्यूमैनॉइड रोबोट्स के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। अभी वे प्रयोगशालाओं और प्रदर्शनियों तक सीमित दिखाई देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनके उपयोग के नए क्षेत्र खुलते जा रहे हैं। महान वैज्ञानिक और विज्ञान कथा लेखक आइजक एसीमोव ने अपनी प्रसिद्ध 'रोबोट्स' और 'फाउंडेशन' श्रृंखला में जिस प्रकार के उन्नत रोबोट्स की कल्पना की थी, वह आज धीरे-धीरे वास्तविकता की ओर बढ़ती प्रतीत होती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,034.42	23,639.15
बढ़त	829.29	227.70
प्रतिशत में	1.08	0.95

सोना 1,65,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,76,500 प्रति किलो

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन –तुलसी 2490, राज श्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2510, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13kg 2210, जय जवान 2110, सचिन 2220, सूरज 2110, अवसर 2015, उजाला 2080, गृहणी 13 kg 2055, क्लासिक (kg) 2365, मोर 2315, चक्र टिन 2460, ब्लू 2305, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2445

किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल –(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली

7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी – पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4280

हल्द्वानी मंडी

दाम प्रति क्विंटल में

चावल : शरबती– 3200 मसूरी– 1200 बासमती– 7000–7600 परमल–1400–3000

दाल दलहन–काला चना– 2000–3200 साबुत चना दाल– 1200 मूंग साबुत– 5200 राजमा– 7800–12400 दाल उड़द– 6000

साबुत मसूर दाल– 2900 मसूर दाल–1200 उड़द साबुत– 10000 काबुली चना– 6200–10400 अरहर दाल–10400 –12000 लोबिया/करमानी–1200–3200

बिजनेस ब्रीफ

साउथ इंडियन बैंक ने ईपीएफओ के साथ शुरू की ईपीएफ भुगतान सेवा

चेन्नई। निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ मिलकर अपने इंटरनेट बैंकिंग मंच 'साइबरनेट' के जरिये कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) भुगतान सेवा शुरू की है। बैंक ने बयान में कहा कि इस एकीकरण से नियोक्ता और संस्थान अब बैंक के डिजिटल बैंकिंग मंच के माध्यम से ईपीएफ अंशदान का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। नियोक्ता और संस्थान अब ईपीएफओ पोर्टल के जरिये बैंक की नेट बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर ईपीएफ अंशदान, बकाया और संबंधित शुल्क का सीधे भुगतान कर सकते हैं।

हड़ताल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में लुफ्थांसा के पायलट दो दिन की हड़ताल पर हैं। गुरुवार को एयरपोर्ट पर पार्क किए गए लुफ्थांसा एयरक्राफ्ट के पास से गुजरता एक आदमी। ● **फोटो** : एजेंसी

कीमतें घटाने को करेंगे 'स्ट्रैटेजिक पेट्रो रिजर्व' का इस्तेमाल : ट्रंप

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के 'स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व' का इस्तेमाल किया जाएगा।

सिनसिनाटी में एक स्थानीय चैनल को बुधवार को दिए साक्षात्कार में ट्रंप से जब भंडार के उपयोग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम ऐसा करेंगे और फिर बाद में इसे फिर से भर देंगे।

उन्होंने कहा कि अभी हम इसे थोड़ा कम करेंगे और इससे कीमतें नीचे आएंगी। राष्ट्रपति ने हालांकि यह नहीं बताया कि अमेरिका अपने रिजर्व भंडार से कितने बैरल तेल जारी करेगा।

निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों के लिए दावा प्रक्रिया सरल बनाएगा सेबी

नयी दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों को प्रतिभूतियों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव किया। इस पहल से नामांकित व्यक्ति और कानूनी वारिस वित्तीय संपत्तियों पर आसानी से दावा कर सकेंगे।

सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार, नियामक ने सरलीकृत दस्तावेजीकरण के लिए मौद्रिक सीमा में संशोधन करने और छोटे दावों के लिए सीधा और निर्बाध प्रसंस्करण (एसटीपी) तंत्र शुरू करने का सुझाव दिया है ताकि कागजी कार्रवाई कम हो सके और दावों के निपटान में तेजी आए। सेबी ने कहा कि सरलीकृत दस्तावेजीकरण के लिए मौजूदा सीमाएं बहुत पहले तय की गई थीं और प्रतिभूति बाजार की भारी वृद्धि और संपत्तियों की बढ़ी हुई कीमतों को देखते हुए मौजूदा सीमाओं की समीक्षा करने की तत्काल आवश्यकता है।

प्रस्तावित ढांचे के तहत एक सत्यापन योग्य मृत्यु प्रमाण पत्र में मूल प्रमाण पत्र, नामांकित व्यक्ति द्वारा सत्यापित प्रति, नोटरी या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रति या क्यूआर कोड वाला प्रमाण पत्र शामिल हो सकता है। कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र तहसीलदार के पद से नीचे के राजस्व अधिकारी द्वारा जारी नहीं होना चाहिए।

सेबी ने मौद्रिक सीमा में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। एसटीपी के तहत बहुत छोटे दावों के लिए सीमा भौतिक प्रतिभूतियों के लिए 10,000 रुपये और डीमैट प्रतिभूतियों के लिए 30,000 रुपये होगी। सरलीकृत दस्तावेजीकरण की सीमा भौतिक होल्डिंग के लिए बढ़ाकर 10 लाख रुपये और डीमैट होल्डिंग के लिए 30 लाख रुपये की जाएगी।

पश्चिम एशिया संकट से घबराए शेयर बाजार तेज गिरावट जारी, 829 अंक लुढ़का सेंसेक्स

निफ्टी भी 227.70 अंक गिरा, विशेषज्ञ बोले- फिलहाल अनिश्चितता बरकरार रहने के आसार

मुंबई, एजेंसी

ईरान युद्ध लम्बा खिंचने और खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमले की बढ़ती घटनाओं के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत के दायरे में लुढ़क गये। बाजार कल भी गिरावट में था। बीएसई30 में बिजली क्षेत्र की एनटीपीसी और पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और एचसीएल-इन छह शेयरों को छोड़ कर बाकी 24 कंपनियों के शेयर घाटे में बंद हुए।आज के कारोबार में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, एयरलाइन, वित्तीय सेवा और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर था। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयर भी गिरावट में दिखे। बीएसई 30 सेंसेक्स बुधवार की तुलना में गुरुवार को और 829.29 अंक (1.08 प्रतिशत) गिर कर 76,034.42 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी 227.70 अंक (0.95 प्रतिशत) गिरकर 23,628.65 पर बंद हुआ।

बुधवार को भी सेंसेक्स 1,342.27 अंक लुढ़ककर 76,863.71 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 394.75 अंक टूटकर 23,866.85 अंक पर बंद हुआ था। बीएसई30 आज 76,369.65 पर खुला और कारोबार के दौरान ऊपर में 76,681.71 तथा नीचे में 75,871.18 तक गया। इसी तरह आज निफ्टी-50 सूचकांक 23,674.85 पर खुल कर ऊपर में 23,833.15 और नीचे में 23,556.30 तक गया था। आज के कारोबार में गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा में दिखी। यह शेयर 4.23 प्रतिशत टूट कर 3032.80 पर बंद हुआ। मारुति 3.60 प्रतिशत टूट कर 13016 रुपये पर टिका। एल एंड टी और अल्ट्राटेक सीमेंट भी 3 प्रतिशत से अधिक के घाटे में बंद हुए। इंडिगो का शेयर 2.26 प्रतिशत नीचे आया। बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा 2.19 प्रतिशत की गिरावट आईसीआईसीआई बैंक में रही। कोटक बैंक, एक्सिस बैंक एसबीआई ओर एचडीफसी बैंक भी हानि में बंद हुए। बजाज फिन सर्व भी हानि में रहा। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान लीवर का शेयर 1.22 प्रतिशत टूट गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सम्पत्ति प्रबंध प्रभाग के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार के निकट भविष्य में अस्थिर बने रहने के आसार हैं।

बाजार पर पश्चिम एशिया के संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली का प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में संभावित बाधा की चिंताएँ तब बढ़ गईं जब ब्रेंट क्रूड लगभग 9 प्रतिशत उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। यह वृद्धि उन खबरों के बाद आयी है कि ईरान की विस्फोटक से लैस नौकाओं ने दो ईंधन टैंकर-पोत पर हमले किये और कुछ तेल बंदरगाहों पर संचालन रोक दिया गया। इसने वहां संघर्ष के बीच आपूर्ति को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है। श्री खेमका ने कहा कि आज मिडकैप 100 सूचकांक में 0.4 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 में में 0.7 प्रतिशत की गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई।

मार्च में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में लगातार शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। एफआईआई ने स्थानीय बाजार से अब तक लगभग 39,116 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपये घटी

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपये घट गयी है। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले से शेयर बाजारों में तेज गिरावट आई है और बीएसई सेंसेक्स छह प्रतिशत से अधिक नीचे आया है। इस संघर्ष के कारण फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित संकरे जलमार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 6.66 प्रतिशत बढ़कर 98.11 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार में 27 फरवरी से, 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 5,252.77 अंक यानी 6.46 प्रतिशत नीचे आया है। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 23,44,237.26 करोड़ रुपये घटकर 4,40,06,434.01 करोड़ रुपये (4,770 अरब डॉलर) हो गया।

ग्रामीणों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले बनें ग्रामीण बैंक: वित्त मंत्रालय

कहा-आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करें

नयी दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचनाओं यानी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने तथा मिल कर काम करने के लिए कंसोर्टियम आधारित दृष्टिकोण अपनाने को कहा ताकि वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिन-रात बेहतर सेवा कर सकें।

भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने डीएफएस के मार्गदर्शन में राजधानी में आरआरबी में अगली पीढ़ी के सुधार-चुनौतियां और अवसर विषयक सम्मेलन में इन बैंकों के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की दिशा में अवसरों, चुनौतियों और रोडमैप पर विचार-विमर्श किया गया। इसका उद्देश्य उनकी अवसंरचना और कार्यप्रणाली मजबूत बनाना है।

विकसित भारत 2027 के लक्ष्य में आरआरबी की भूमिका के महत्व पर भी चर्चा की गयी। वित्त मंत्रालय की आरे से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में

डीएफएस के संयुक्त सचिव आशीष माधवराव मोरे ने कंसोर्टियम आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने और आईटी अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी आरआरबी का दृष्टिकोण ऐसा होना चाहिए कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले बैंक के रूप में कार्य करें।

उन्होंने आरआरबी से आग्रह किया कि वे नवोन्मेषी पहुंच कार्यक्रमों, सहकर्मी सर्वोत्तम विधियों, स्थानीय भाषाओं के अनुकूल डिजिटल सेवाओं तथा डिजिटल चैनलों पर बनाए गये प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से ग्राहकों के साथ जुड़ाव को बढ़ाएं।

चार करोड़ लीटर अतिरिक्त कैरोसिन राज्यों को आवंटित

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के विकल्प के रूप में राज्यों को अतिरिक्त 40,000 किलोलीटर केरोसिन (मिट्टी का तेल) आवंटित किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों द्वारा चिह्नित लाभार्थियों को कुछ और वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति फिलहाल संतोषजनक है और करीब एक लाख पेट्रोल पंप में कहीं भी ईंधन खत्म होने की स्थिति नहीं है।

यह बयान पश्चिम एशिया संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आने वाले तेल एवं गैस आयात के काफी हद तक बाधित हो जाने के बीच आया है। इसकी वजह से रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत की शिकायतें सामने आ रही हैं।

एलपीजी संकट: ईंधन विकल्पों पर विचार कर रहीं कंपनियां

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण एलपीजी आपूर्ति में पैदा हुए व्यवधानों से निपटने को डिब्बाबंद खाद्य उत्पाद बेचने वाली कंपनियां अब इलेक्ट्रिक उपकरणों और जैव ईंधन जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। बालाजी वेफर्स, गोपाल स्नैक्स और ठेके पर खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी कम्पास इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे हालात से निपटने के लिए संबंधित सरकारी निकायों के संपर्क में हैं और वैकल्पिक ईंधन के उपयोग पर विचार कर रही हैं। बालाजी वेफर्स के चंदू विरानी ने कहा कि हम ईंधन को बदलने और तरल विकल्प का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिका ने शुरू की भारत, जापान चीन और यूरोपीय संघ के खिलाफ जांच

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● **अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं ये सभी, बांग्लादेश, कंबोडिया, इंडोनेशिया समेत कुल 16 देश हैं जांच के दायरे में**

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान और यूरोपीय संघ जैसे अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच शुरू की है। इसका उद्देश्य उन अनुचित विदेशी प्रथाओं का पता लगाना है जिनसे अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत विभिन्न देशों की नीतियों, कार्यों तथा प्रथाओं की जांच शुरू करने की घोषणा की। यह जांच विनिर्माण क्षेत्रों में संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता एवं अत्यधिक उत्पादन से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। यह जांच बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम के खिलाफ शुरू की गई है। यूएसटीआर ग्रीर ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जांच के दौरान यह तय किया जाएगा कि इन देशों की नीतियां और प्रथाएं अनुचित या भेदभावपूर्ण हैं या नहीं और क्या वे अमेरिकी व्यापार पर बोझ डालती हैं या उसे सीमित करती हैं। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा, जो अतिरिक्त उत्पादन एवं क्षमता की अपनी समस्याएं हमारे यहां निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जांच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संकल्प को दर्शाती है, जिसके तहत महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से अमेरिका में स्थापित करने एवं अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्रों में बेहतर वेतन वाली नौकरियां उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है।

यूएसटीआर ने इन देशों की सरकारों से परामर्श का अनुरोध किया है। इन जांचों पर टिप्पणियां 17 मार्च से दर्ज की जाएंगी जबकि सुनवाई पांच मई 2026 से शुरू होगी।

रूस की ईंधन निर्यात से सात अरब डॉलर की कमाई

मॉस्को, एजेंसी। ईरान युद्ध के दौरान रूस ने कच्चे तेल एवं गैस के निर्यात से लगभग सात अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई की है। शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने पाया कि रूस का दैनिक राजस्व फरवरी की तुलना में औसतन 14 प्रतिशत अधिक रहा है।

यूरोप का शोध संस्थान वास्तविक समय में रूस के जीवाश्म ईंधन निर्यात राजस्व पर नजर रखता है। यह विश्लेषण बृहस्पतिवार को उर्गेवाल्ड नामक एक जर्मन गैर-लाभकारी संस्था ने प्रकाशित किया था। संस्था जीवाश्म ईंधन वित्तपोषण के खिलाफ अभियान चलाती है।

बांध के ऊपरी जलक्षेत्रों और जलाशयों में किया जाएगा मछली पालन, निर्देश जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने कहा है कि मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत बाँध के ऊपरी क्षेत्रों और जलाशयों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाये हैं।

मछली पालन की इन अप्रयुक्त सुविधाओं और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए, मत्स्य पालन विभाग ने सभी राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और हितधारकों के परामर्श से जलाशय मत्स्य पालन प्रबंधन के लिए मॉडल दिशानिर्देश तैयार किए हैं और कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को भेजे हैं। यह जानकारी मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी। बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत, सरकार ने जलाशय मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यों का समर्थन किया है।

इनमें 62,836 पिंजरों की स्थापना, 545 हेक्टेयर पेन का निर्माण, 3.0 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फिंगरलिंग का संचयन और 2,171.37 करोड़ रुपये की लागत से 23 जलाशयों का एकीकृत विकास शामिल है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने जुटाया 50 करोड़ डॉलर का ऋण

नयी दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा ने गिफ्ट सिटी स्थित अपने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग इकाई के माध्यम से 50 करोड़ डॉलर का पांच साल का ऋण जुटाया है। इस ऋण में एशिया के प्रमुख बाजारों के निवेशकों ने भागीदारी की।

यह करीब एक वर्ष के अंतराल के बाद वैश्विक कर्जदाताओं के समूह के ऋण बाजार में बैंक की वापसी को दर्शाता है। इस तरह का ऋण एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें ऋणदाताओं का एक समूह (जिसे सिंडिकेट कहा जाता है) मिलकर एक ही उधारकर्ता को बड़ी राशि का ऋण प्रदान करता है। बैंक ने बृस्पतिवार को बयान में कहा कि इस सुविधा से प्राप्त राशि का उपयोग सामान्य बैंकिंग और कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

बॉब वूमेन सफायर एकाउंट : ऐसा खाता जहां कैंसर भी कवर है

बैंक ऑफ बड़ौदा ने महिलाओं के लिए शुरू किया प्रीमियम बचत खाता, मिलेगा और भी बहुत कुछ

मुंबई। भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने महिलाओं के लिए एक विशेष प्रीमियम बचत खाता बॉब वूमेन सफायर सेविंग एकाउंट का शुभारंभ किया है। यह एक प्रीमियम रेंज का बैंक खाता है जो विशिष्ट वर्ग की महिलाओं को विशेष सुविधाएं प्रदान करता है।

यह खाता 10 लाख तक की कैंसर देखभाल कवरेज योजना, परिवार के छह सदस्यों के लिए निःशुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श तथा दवाओं एवं पैथोलॉजी टेस्ट पर रियायतों सहित सेहत से जुड़े कई लाभ प्रदान करता है। साथ ही श्रेष्ठ बैंकिंग और जीवन शैली से जुड़े लाभ भी इसके खाताधारक को मिलते हैं।

इस खाते के शुभारंभ की घोषणा करते हुए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. देबदत्त चांद ने कहा कि बॉब वूमेन सफायर बचत खाता सार्थक, महिला-केंद्रित वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा उद्देश्य प्रीमियम बैंकिंग तथा लाइफस्टाइल सुविधाओं को सेहत से जुड़े फ़ायदों के साथ जोड़ते हुए, महिलाओं की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करना है और साथ हीप्रगतिशील महिला वर्ग के साथ हमारा जुड़ाव सुदृढ़ करते हुए जमा संग्रहण पर ध्यान देना है।

जानकारी

यदि आप इस विशेष खाते की सुविधाएं प्राप्त करना चाहती हैं तो इसके लिए आपको खाते में प्रतिमाह कम से कम एक लाख रुपये के लेनदेन का औसत रखना होगा। आइए जानते हैं इस खाते से जुड़ी हर बात जो आपको जाननी चाहिए।

खाते की मुख्य विशेषताएं-

मासिक औसत शेष : 1 लाख

नि :शुल्क कैंसर देखभाल कवरेज* : 10.00 लाख (18 वर्ष से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए)

सेहत से जुड़े लाभ : परिवार के 6 सदस्यों के लिए नि :शुल्क ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श; दवाओं पर 15% तक की रियायत; पैथोलॉजी टेस्ट पर 20% तक की रियायत

बॉब भूमि रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड–नि :शुल्क कार्ड जारी, घरेलू हवाई अड्डे पर लाउंज एक्सेस, स्वास्थ्य जांच, जिम सदस्यता, स्पा/सैलून, उबर कूपन, ओटीटी सदस्यता

इसके अतिरिक्त कुछ शर्तों के साथ...

बॉब कार्ड टियारा क्रेडिट कार्ड : प्रथम वर्ष के शुल्क में 50% रियायत (रिवॉर्ड पॉइंट के रूप में), नि :शुल्क महिला स्वास्थ्य पैकेज, वैयक्तिक दुर्घटना कवरेज, मिंत्रा, नायका, फ्लिपकार्ट, लेक्मे आदि के वाउचर्स, घरेलू हवाई अड्डे परअसीमित नि :शुल्क लाउंज एक्सेस

गृह ऋण : गृह ऋण प्रोसेसिंग प्रभार पर 50% की रियायत

लॉकर सुविधा : लॉकर प्रभार पर 20 प्रतिशत की रियायत, अधिकतम 500 तक

वर्ल्ड ब्रीफ

जम्मू: पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई 12 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई करीब दो किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू पुलिस और बीएसएफ की 101वीं बटालियन ने बुधवार देर रात बिश्नाह क्षेत्र के बहादुरपुरा गांव में एक खेत से यह हेरोइन बरामद की। पुलिस ने बताया कि सूचना पर कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान रस्सी और हुक से जुड़ा एक बैग बरामद हुआ जिसमें हेरोइन के छोटे पैकेट थे। पुलिस ने इस बरामदगी को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया है। जहां यह हेरोइन गिराई गई थी वह अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित है।

इथियोपिया: भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत, 125 लापता

अदीस अबाबा। दक्षिणी इथियोपिया के तीन जिलों में एक सप्ताह तक हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत हो गई और 125 लापता हैं। गामो जोन के आपदा प्रतिक्रिया निदेशक मेसफिन मनुका के अनुसार, भूस्खलन गामो जोन में हुआ और तीन जिले गाचो बाबा, कम्बा और बोंके प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति को कीचड़ से जिंदा बाहर निकाला गया। गाचो बाबा जिले के संचार प्रमुख अबेबे अगेना ने बताया कि मरने वालों में से ज्यादातर के शव कीचड़ में दबे हुए पाए गए। उन्होंने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भूस्खलन से कितने मकान प्रभावित हुए हैं।

पाकिस्तान में मोर्टार में विस्फोट के कारण पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से सटे एक रिहायशी इलाके में बुधवार देर रात मोर्टार का गोला फटने से एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले की तिराह घाटी के सेरी कंदाओ इलाके में हुई। अज्ञात दिशा से दागा गया मोर्टार का गोला रिहायशी इलाके में आकर गिरा जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में नियाज बादशाह नाम का व्यक्ति, उसके दो बेटे, उसका भतीजा और पोता मारे गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

सेनेगल में समलैंगिक संबंधों पर अब होगी 10 साल तक की सजा

दकार, एजेंसी

- संसद में विधेयक पारित, पहले 5 साल की सजा का था प्रावधान

सेनेगल की संसद ने बुधवार को समलैंगिक संबंधों के लिए अधिकतम सजा को दोगुना करते हुए 10 साल तक की जेल का प्रावधान करने वाला विधेयक पारित कर दिया। नेशनल असेंबली में भारी बहुमत से पारित इस विधेयक को कानून बनने के लिए अब राष्ट्रपति बासिरौ डियोमाये फेय की मंजूरी मिलनी बाकी है।

इस विधेयक में समलैंगिक संबंधों को बढ़ावा देने या वित्तपोषित करने के दोषियों के लिए भी आपराधिक दंड शामिल है। विधेयक में ''प्रकृति के विरुद्ध कृत्य'' (समलैंगिक संबंधों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) के लिए सजा को बढ़ाकर 5 से 10 साल कर दिया गया है, जबकि पहले यह 1 से 5 साल थी। इसके साथ ही, समलैंगिक संबंधों का समर्थन करने पर किसी भी व्यक्ति के लिए तीन से सात साल की जेल का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फरवरी से अब तक देश में समलैंगिक निरोधक कानूनों के तहत दर्जनों पुरुषों को गिरफ्तार किया गया है।

कई घंटों की बहस के बाद, सांसदों ने इसके पक्ष में 135 मत डाले, जबकि तीन सांसद अनुपस्थित रहे और विरोध में एक भी मत नहीं पड़ा। बहस के दौरान सांसद डियारे बा ने कहा, इस देश में अब समलैंगिक सांस नहीं ले पाएंगे। उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी नहीं मिलेगी।

यूसीसी का भविष्य

चर्चाओं में अटका हुआ एक कानून

समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी देश में कई वर्षों से चर्चाओं में है, लेकिन न अभी कानून की शक्ल ले पाया है, न ही केंद्रीय स्तर पर इसके लागू होने की कोई संभावना नजर आ रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की केंद्र के लिए उल्लिखित टिप्पणी की कि देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया है। इससे से यह मुद्दा फिर चर्चा में आ गया। हालांकि इसके बाद केंद्र की ओर से अभी कोई स्थिति साफ नहीं की गई है कि वह इसे कानून का रूप देने के लिए क्या कदम उठाएगा। दरअसल, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में उल्लेख है कि राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। इसी आधार पर राजनीतिक रूप से यूसीसी लागू करने की घोषणाएं हुईं, लेकिन ठोस पहल नहीं हुई। इस बीच उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य जरूर बन गया।

देश भर में हुआ था विरोध

घोषणाएं और वास्तविकता

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सेक्युलर सिविल कोड नाम देते हुए कहा था कि देश को एक ऐसा कानून चाहिए जो धार्मिक भेदभाव खत्म करे।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्पष्ट रूप से घोषणा कर चुके हैं कि भाजपा सरकार अपने कार्यकाल के भीतर देशभर में यूसीसी लागू करेगी।
- देश की विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण सर्वसम्मत कानून बनाना चुनौतीपूर्ण, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी भी रही।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का क्या है मतलब

- सुप्रीम कोर्ट ने 10 मार्च 2026 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि अब देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया है।
- कोर्ट ने माना कि पर्सनल लॉ जैसे शरीयत एक्ट 1937 के कारण महिलाओं को विरासत जैसे अधिकारों में भेदभाव से जूझना पड़ता है।
- अलग-अलग पर्सनल लॉ कई बार कानूनी उलझनें पैदा करते हैं। इसलिए संसद को यूसीसी के जरिए नया ढांचा तैयार करना चाहिए।

यह हो सकता है सरकार का रुख

- सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार पर संसद में राष्ट्रीय स्तर पर बिल को लाने का दबाव बढ़ा है।
- सरकार 22वें विधि आयोग के जरिए समावेशी मसौदा तैयार करने को धार्मिक समूहों के साथ चर्चा कर सकती है।
- उत्तराखंड की तरह अन्य भाजपा शासित राज्य भी अपने यहां यूसीसी लागू करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

फिलहाल ये है स्थिति

- केंद्र सरकार और उसके मंत्रियों ने कई घोषणाएं तो की हैं लेकिन देश भर में यूसीसी लाने के लिए अभी तक कोई अंतिम आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया है।
- 22वें भारतीय विधि आयोग को मसौदा तैयार करने का काम सौंपा गया था। आयोग ने जून 2023 में जनता और धार्मिक संगठनों से सुझाव मांगे थे, जिसमें 19 लाख प्रतिक्रियाएं मिलीं।
- रिपोर्ट्स के अनुसार, विधि आयोग का काम अंतिम चरण में है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर विधेयक पेश करने से पहले सरकार अभी भी विभिन्न समुदायों के साथ परामर्श चरण में है।

कानून का विरोध क्यों

- विरोधियों का तर्क है कि यह अनुच्छेद 25 यानी धर्म को मानने और अभ्यास करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।
- उनका कहना है कि यह भारत की अनेकता में एकता की भावना और समुदायों की विशिष्ट परंपराएं नष्ट कर सकता है।
- कई जनजातीय समूहों को डर है कि उनके विशेष रीति-रिवाज और सुरक्षात्मक कानून यूसीसी के आने से प्रभावित होंगे।

एलपीजी संकट : देश में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटा स्विगी-जोमैटो का कारोबार

बेरोजगार हुए गिग वर्कर्स ने मांगी 10,000 रुपये की राहत और आईडी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में एलपीजी संकट के चलते स्विगी और जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी फार्मों की हालत खराब हो गई है। ऑर्डर में 50 से 60 प्रतिशत तक की गिरावट का हवाला देते हुए 'गिग एवं प्लेटफॉर्म सेवा कर्मचारी संघ' (जीआईपीएसडब्लूयू) ने गुरुवार को फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्मों से मुआवजे और आईडी निलंबन से सुरक्षा की मांग की है।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे पत्र में संघ ने कहा कि कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कमी से रेस्तरां, ढाबों, क्लाउड किचन, कैटरिंग सेवाओं और स्ट्रीट फूड बंद हो गए हैं। इससे उनकी आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। ज्यादातर गिग वर्कर्स घर के जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संघ के प्रवक्ता निर्मल गोराना ने कहा, हमारे सदस्य भुखमरी की कगार पर हैं। उननके परिवार दो वक्त की रोटी को तरस रहे हैं और बच्चे भूखे सो रहे हैं। तय वेतन और सामाजिक सुरक्षा न होने के कारण गिग कर्मचारी इस मंदी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं।

गोराना ने कहा, दिन भर में 30 डिलीवरी से गिरकर अब 5-10 रह गई हैं, ऊपर से कंपनियां आईडी निलंबित करने की धमकी दे रही हैं। संघ ने कहा कि इस मंदी का असर खाद्य आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य कर्मचारियों पर भी पड़ रहा है। टैक्सी सेवा ड्राइवरों को रेस्तरां से मिलने वाले फेरों में कमी आई है, क्लाउड किचन में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियां जा रही हैं। गोराना ने कहा, लगभग एक करोड़ कर्मचारी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

मुंबई में बृहस्पतिवार को सिर पर लादकर गैस सिलेंडर ले जाती एक महिला।

दिल्ली: कई रेस्टोरेंट पर पर सिर्फ राजमा-चावल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी की अनुपलब्धता का रेस्टोरेंट और ढाबों पर पड़ने लगा है। कई रेस्टोरेंट ने अपने मेन्यू को सीमित कर दिया है। कनॉट प्लेस में एक प्रसिद्ध रेस्टोरेंट ने नोटिस लगाया गया है कि गैस सिलेंडर न होने की वजह से मेन्यू में विकल्प सीमित हैं। कई ढाबों पर लगाएगए पोस्टर पर लिखा है कि सिर्फ राजमा चावल और कढ़ी चावल ही उपलब्ध है क्योंकि गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इस बीच, दिल्ली सरकार ने कहा है कि राजधानी में ईंधन आपूर्ति की कुल स्थिति सामान्य बनी हुई है।

निर्यात इकाइयों प्राथमिकता से मिले गैस : फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों के निकाय फियो ने बृहस्पतिवार को सरकार से निर्यात-उन्मुख विनिर्माण इकाइयों को प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस आवंटित करने का आग्रह किया है। फियो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को पत्र लिखा है क्योंकि 'विनिर्माण निर्यातक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इनके लिए ईंधन के रूप में एलपीजी और प्राकृतिक गैस का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर करने की तत्काल आवश्यकता है।

संकट की आशंका से देशभर में लंबी कतारें

नई दिल्ली। ईंधन की कमी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को देश भर में लोग पेट्रोल पंपों और एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े नजर आए। इस संकट से आम लोगों के साथ-साथ रेस्तरां, स्कूलों और खानपान सेवाओं का कामकाज भी प्रभावित होने लगा है। उत्तराखंड सरकार ने अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता पर वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्णय किया है, लकड़ी उपलब्ध कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है। तमिलनाडु होटल्स एसोसिएश' ने कहा, राज्य में छोटे-मध्यम रेस्तरां बुरी तरह प्रभावित हैं। चेन्नई के कई प्रतिष्ठित रेस्टोरेंटों को घटते गैस भंडार को बचाने के लिए डोसा और फ्राइड राइस जैसे ज्यादा गैस खपत वाले व्यंजन परोसना बंद करना पड़ा है। दिल्ली के एक रेस्तरां मालिक ने कहा, सिलेंडर दोगुनी कीमत करीब 1,500 से 2,000 रुपये देने पर भी नहीं मिल पा रहा है।

मार्च निकालेंगी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बढ़ते उर्जा संकट के लिए केंद्र की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए अगले सप्ताह कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। पार्टी के अनुसार, ममता केंद्र द्वारा स्थिति को संभालने में नाकाम रहने के खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतरेंगी।

देश में घरेलू गैस के संकट के खिलाफ विपक्ष के सांसदों ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

गैस संकट के खिलाफ संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने देश में एलपीजी के संकट को लेकर बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसद एकत्र हुए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने 'मोदी जी एलपीजी' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर की आकृति वाली तख्तियां भी ले रखी थीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ईंधन संकट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन वह ख़ुद अलग कारणों से घबराए हुए नज़र आ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में एलपीजी संकट पर हंगामा, 30 विधायक निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में बृहस्पतिवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि राज्य में लोगों को रसोई गैस सिलेंडर किल्लत का सामना करना पड़ रहा है और इस विषय पर चर्चा की मांग की। सभापति ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की, जिसके बाद कांग्रेस विधायक आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे। सदस्यों के आसन के समीप आने पर नियमों के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया। बाद में सभापति ने कांग्रेस के 30 सदस्यों के निलंबित होने की जानकारी दी। कुछ ही देर बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया गया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए, विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने कहा कि राज्य में रसोई गैस सिलेंडर की कमी हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले भरोसा दिलाया था कि छत्तीसगढ़ में किसी भी तरह की कमी नहीं होगी, लेकिन अगले ही दिन कीमतें बढ़ा दी गईं।

ओडिशा में विधानसभा तीन बार हुई स्थगित

भुवनेश्वर। एलपीजी संकट और सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के विरोध में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण गुरुवार को ओडिशा विधानसभा की कार्यवाही काफी बाधित हुई। सदन में भारी हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी को कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी और अंततः सदन को शाम चार बजे तक के लिए निलंबित कर दिया गया। प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य हाथों में तख्तियां लिए सदन के बीचोंबीच आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

अश्वेतों के मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के बीच तनातनी

प्रिटोरिया, एजेंसी

- अमेरिकी राजदूत ने की थी अश्वेतों को सशक्त बनाने की नीतियों की आलोचना
- दक्षिण अफ्रीका ने तलब करके जताई नाराजगी ट्रंप भी कर चुके हैं विवादित टिप्पणी

दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिकी राजदूत को उनकी गैर-राजनयिक टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। यह विवाद दक्षिण अफ्रीका की नस्लीय नीतियों एवं अदालती फैसलों पर राजदूत की टिप्पणी के बाद शुरू हुआ है। कंजर्वेटिव दूत ब्रेंट बोझेल ने पिछले महीने ही यहां अपना पद संभाला है।

दक्षिण अफ्रीका के अमेरिकी सहयोगी इजराइल के खिलाफ नरसंहार का मामला दर्ज कराने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित बयान के बाद कि श्वेत अफ्रीकी प्रताड़ित किए जा रहे हैं, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में पहले से ही दरार आ चुकी है। मंगलवार को अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में नए राजदूत ने रंगभेद काल के नारे 'किल द बोअर, किल द फार्मर' को 'हेट स्पीच' करार दिया और अश्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को सशक्त बनाने वाली नीतियों की आलोचना की। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा, हमने अमेरिका के राजदूत बोझेल को उनकी गैरराजनयिक टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेतों के नरसंहार के अपने निराधार दावों के समर्थन में इस नारे का इस्तेमाल किया है। पिछले साल मई में व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बैठक में उन्होंने इसके वीडियो क्लिप भी दिखाए थे।

दक्षिण अफ्रीका में यह नारा विवादित है, लेकिन वहां की अदालतों ने फैसला सुनाया है कि यह 'हेट स्पीच' के दायरे में नहीं आता। अदालतों का मानना है कि इसे 1994 में समाप्त हुए श्वेत-अल्पसंख्यक शासन के खिलाफ संघर्ष के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। मंगलवार को व्यापारिक नेताओं की बैठक में बोझेल ने कहा था, मुझे खेद है, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि आपकी अदालतें क्या कहती हैं, यह हेट स्पीच है। बुधवार को नए दूत अपने बयान से पीछे हटते नजर आए। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि भले ही मेरी निजी राय कई दक्षिण अफ्रीकियों की तरह यही है कि 'किल द बोअर' हेट स्पीच है, लेकिन अमेरिकी सरकार दक्षिण अफ्रीका की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके फैसलों का सम्मान करती है।

भारत ने कहा- पाकिस्तान का बयान हास्यास्पद और बेतुका

- तालिबान के साथ सीमा संघर्ष के पीछे बताया था भारत का हाथ

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तानी सैनिकों और तालिबान के बीच हालिया झड़पों के पीछे भारत का हाथ है। भारत ने कहा कि किसी भी तरह की कहानी इस तथ्य को नहीं बदल सकती कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है।

भारत ने भारत-कनाडा यूरेनियम समझौते पर पाकिस्तान की आलोचना को भी खारिज कर दिया और उसकी प्रतिक्रिया को हास्यास्पद और उसके बेहद खराब प्रदर्शन से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अपनी गलतियों के लिए भारत को दोषी ठहराना पाकिस्तान की आदत बन गई है। जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम ऐसे निराधार आरोपों को खारिज करते हैं। उन्होंने कहा, दशकों से आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश के रूप में सीमा पार आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान की विश्वसनीयता शून्य है। कोई कहानी इस वास्तविकता को नहीं बदल सकती और न पाकिस्तान के पीड़ित होने के दावों से कोई मूर्ख बन सकता है।

रूस का शिवलेचु ज्वालामुखी फटा

आठ किलोमीटर ऊंचाई तक उठा राख-धुएं का गुबार

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद आसमान में आठ किमी ऊंचाई तक धुएं और राख का गुबार फैल गया। रूसी विज्ञान अकादमी के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान की टीम ने गुरुवार को बताया, ज्वालामुखी में विस्फोट के साथ उत्सर्जन गैस और भाप भी निकली। विस्फोटों के कारण राख समुद्र तल से 8 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गई और राख का यह बादल ज्वालामुखी से 10 किलोमीटर पूर्व की ओर बढ़ गया।

अजित पवार के विमान हादसे की हो निष्पक्ष जांच: राहुल

- पवार के भतीजे के आग्रह के बाद की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के बारामती विमान हादसे की जांच में बुनियादी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं होने के मामले में चिंता व्यक्त करते हुए घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है।

इस हादसे में महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और कई अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, रोहित पवार ने आज मुझसे मुलाकात की और मुझे एक पत्र दिया जिसमें उन्होंने बारामती विमान दुर्घटना की जांच पर गंभीर चिंता व्यक्त की। इस विमान दुर्घटना में अजीत पवार जी और अन्य लोगों की जान चली गई। इस मामले में जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने लिखा, कानून के बुनियादी सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया है। यह मामला बहुत गंभीर था इसके बावजूद इसमें कोई प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। श्री गांधी ने इस मामले में जवाबदेही की मांग करते हुए घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

विश्व राजनीति

संयुक्त राष्ट्र में सहप्रायोजित किया खाड़ी देशों और जॉर्डन पर हमलों की निंदा का प्रस्ताव, रूस-चीन ने बनाई दूरी

ईरान के खिलाफ खड़े होने वाले देशों में शामिल हुआ भारत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद के देशों और जॉर्डन के खिलाफ ईरान की ओर से किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है। इस प्रस्ताव में सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की गई है और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकियों की भी निंदा की गई है।

अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को बुधवार को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थाई सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने 130 से अधिक देशों के साथ मिलकर बहरीन के नेतृत्व वाले इस प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, भूटान, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, इटली, जापान, कुवैत, मलेशिया, मालदीव, म्यांमा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका, यमन और जाम्बिया शामिल हैं। इस प्रस्ताव के कुल 135 सह-प्रायोजक थे।

प्रस्ताव में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं राजनीतिक स्वतंत्रता के प्रति मजबूत समर्थन को दोहराया गया है। इसमें ईरान के भीषण हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार के कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। प्रस्ताव में मांग की गई है कि ईरान जीसीसी देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ सभी हमलों को तत्काल रोके और पड़ोसी देशों के खिलाफ छद्म समूहों के इस्तेमाल समेत किसी भी उकसावे वाली या धमकाने वाली कार्रवाई को तुरंत और बिना शर्त रोके।

होर्मुज को बंद करने, पड़ोसी देशों के रिहायशी इलाकों पर हमलों की आलोचना

प्रस्ताव में ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय नौवहन को बंद करने, बाधित करने या किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने या बाब अल मंदाब में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने के उद्देश्य से की गई हर प्रकार की कार्रवाई या धमकी की आलोचना की गई। कहा गया कि रिहायशी इलाकों और असैन्य साजो सामानों को निशाना बनाया गया जिसमें आम नागरिक हताहत हुए तथा असैन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। प्रस्ताव में उन देशों और लोगों के साथ एकजुटता जताई गई जो हमलों का शिकार हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के प्रतिनिधि राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना ईरान की क्रूरता की निंदा करने वाला खाड़ी देशों का स्पष्ट बयान है। ईरानी शासन की आम नागरिकों और असैन्य अवसंरचना को निशाना बनाने की प्रवृत्ति निंदनीय है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज का दिन विद्यार्थियों के लिये अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। व्यर्थ की यात्रा से बचना चाहिए।

वृष – आज आपका मन अशांत हो सकता है। नए कार्यों को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। किसी के साथ झड़प होने की संभावना है।

मिथुन – आज नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में समृद्धि का वातावरण रहेगा। बुजुर्गों के अनुभवों से सीखने का प्रयास करें।

कर्क – आज आपकी निर्णय क्षमता में वृद्धि होगी। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है।

सिंह – आज कोई बनता हुआ काम बिगड़ सकता है। सरकारी अधिकारियों को अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। इंफेक्शन की समस्या हो सकती है।

कन्या – आज धन की कमी का सामना करना पड़ेगा। दिन आशाओं पर खरा उतरता प्रतीत नहीं होगा। जॉब में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

तुला – आज व्यवसाय में आय की वृद्धि होगी। अपना लक्ष्य समय से पहले ही पूर्ण कर लेंगे। अपनी विचारधारा का प्रभाव लोगों पर छोड़ पाएंगे।

वृश्चिक – आज मित्रों के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है। समाज में आपकी विशेषताओं पर चर्चा हो सकती है। घर में आपका मन नहीं लगेगा।

धनु – आज कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यापार में पुराने ऋणों से मुक्त हो सकते हैं। कारोबार में नए प्रयोग करना हितकर होगा।

मकर – आज बेरोजगारों को जॉब के अवसर मिल सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें।

कुंभ – आज संतान की उपलब्धियों से उत्साहित रहेंगे। समाज में सम्मान प्राप्त होगा। सोशल मीडिया पर आप काफी समय बिताएंगे।

मीन – आज व्यावसायिक अनुबंधों को समय से पूर्ण कर लेंगे। नए कार्यों में निवेश प्रारंभ कर सकते हैं। अपने स्वभाव में नम्रता बनाए रखें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

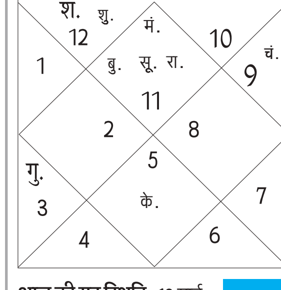

आज की ग्रह स्थिति : 13 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 06 .28 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 14 मार्च 03 .03 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

सुडोकू - 86 का हल

5	3	4	6	1	7	2	8	9
1	6	2	8	9	5	4	3	7
8	9	7	2	3	4	1	6	5
4	2	8	9	7	3	6	5	1
6	1	3	5	8	2	7	9	4
9	7	5	4	6	1	8	2	3
3	8	1	7	2	9	5	4	6
2	4	9	1	5	6	3	7	8
7	5	6	3	4	8	9	1	2

सुडोकू -87

9		2	6				5	
				3			8	
1			4					6
		7		2		6		
			1		7			
4		3		8		6		
	2				9			3
	4			1				
	6				5	2		1

एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं।

-शोर्ड मारिन, हॉकी टीम के मुख्य कोच

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में गुंजन, राधामनी और चंद्रिका जीते

बैंकॉक। गुंजन, राधामनी लोंगजाम और चंद्रिका पुजारी ने विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप के पांचवें दिन बृहस्पतिवार को अपने अपने मुकाबले जीते। सुबह के सत्र में गुंजन (48 किलो) ने पोलैंड की प्रतिद्वंद्वी पर 5-0 से जीत दर्ज की। राधामनी (57 किलो) ने इक्वाडोर की विरोधी को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर हराया। प्राची (60 किलो) को स्लोवाकियाई मुक्केबाज ने 5-0 से हराया जबकि प्रियांश सेहरावत (70 किलो) को मोरक्को के मुक्केबाज ने पुरूष वर्ग में 5-0 से मात दी। शाम के सत्र में चंद्रिका पुजारी (50 किलो) ने अमेरिकी मुक्केबाज को 5-0 से मात दी।

मन्नेपल्ली स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल। भारतीय शटलर थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंदी केंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मन्नेपल्ली बुधवार की रात खेले गए इस मैच में तब 16-21 21-16 7-2 से आगे चल रहे थे, जब पांचवीं वरीयता प्राप्त निशिमोटो ने कंधे में दर्द के कारण मैच से हटने का फैसला किया।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दो अधिकारी निलंबित

ब्रिजटाउन। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बारबाडोस में 2023-24 बिम10 टूर्नामेंट के दौरान भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के कई उल्लंघनों के कारण तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जावोन सर्ल्स और एक फ्रेंचाइजी से जुड़े दो लोगों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सर्ल्स के अलावा आईसीसी ने टाइटन्स टीम के मालिक चित्ररंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को भी सभी प्रकार के क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। बिम10 एक 10-10 ओवर की पारियों वाला टूर्नामेंट हैं जिसमें छह टीमें वॉयजर्स, गार्डियंस, टाइटन्स, सेटलर्स, वॉरियर्स और पेलिकन्स टीम खेलती हैं। यह टूर्नामेंट आखिरी बार 2023-24 में आयोजित हुआ था।

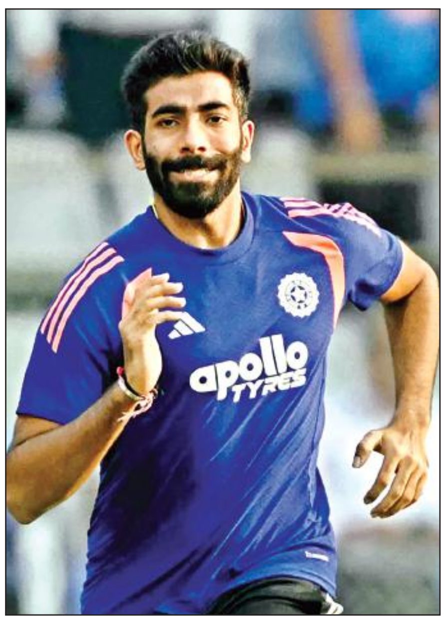

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना है पसंद : बुमराह

अहमदाबाद, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करना अपने करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्हें दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में चार विकेट लेकर भारत की 96 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और तीन बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें बुमराह ने कहा मैं पर्दे के पीछे नहीं रहना चाहता हूं। मैं हमेशा सक्रिय रूप से भाग लेना चाहता हूं। मुझे शुरू से ही चुनौतियां पसंद हैं। बुमराह को फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने कहा मैंने क्रिकेट इसी मकसद से खेला है। मैंने क्रिकेट खेलना इसी मकसद से शुरू किया था। जब मैं कुछ बदलाव लाता हूं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है। गुजरात में जन्में इस तेज गेंदबाज के लिए यह जीत भावनात्मक रूप से और भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह जीत उसी स्थान पर मिली जहां से उनके क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई थी। बुमराह ने कहा मैंने यहीं से क्रिकेट खेलना शुरू किया। मैंने अपना अधिकतर क्रिकेट यहीं खेला है। मैं यहीं गुजरात के लिए खेलते हुए आगे बढ़ा। यहीं विश्व कप जीता और मैन ऑफ द मैच बना। पिछली बार (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल) हम बस थोड़ा सा चूक गए थे, लेकिन इस बार जीत हासिल करने में सफल रहे। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। बुमराह ने खिताबी जीत के दौरान अपने परिवार की मौजूदगी के बारे में भी बात की और उस पल को बेहद निजी बताया। उन्होंने कहा मेरा बेटा आया था। वह पिछली बार भी आया था। मेरी मां भी आई थीं, यह वाकई खास था। बुमराह ने कहा मुझे नहीं पता कि यह पूरा चक्र है या नहीं, लेकिन मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

बीसीसीआई के वार्षिक पुरस्कार समारोह में गिल का 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का 15 मार्च को यहां होने वाले बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को हाल में विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली टी-20 टीम में नहीं चुना गया था, लेकिन उन्होंने अन्य दो प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया। गिल ने 2025 में टेस्ट मैचों में 70 से अधिक के औसत से 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर ड्रॉ रही शृंखला में बनाए गए 754 रन भी शामिल हैं। गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट में भी भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गिल ने कुल मिलाकर तीनों प्रारूपों में 49 के औसत से 1,764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट के लिए आगामी 12 महीने अतिव्यस्त

कई देशों के टूर के अलावा आईपीएल व एशियन गेम्स का भी आयोजन

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम का अगले 12 महीनों का कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। इसमें आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे में मैच के अलावा, एशियन गेम्स, इंग्लैंड, अमेरिका, बंगलादेश, जापान और आईपीएल जैसे घरेलू मुकाबले भी शामिल हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम जुलाई-अगस्त में श्रीलंका में तीन टी-20 मैच खेल सकती है, इसके अलावा आगामी कार्यक्रम में पहले दो टेस्ट मैच शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है कि श्रीलंका में बाढ़ राहत के लिए फंड जुटाने के लिए तीन टी-20 मैच का कार्यक्रम है। टी-20 मैच और दो टेस्ट मैचों से पहले होने की संभावना है।

श्रीलंका टूर से पहले भारत एक से 19 जुलाई के बीच तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच के लिए इंग्लैंड जाएगा और रास्ते में आयरलैंड में थोड़ा रुक सकता है। डबलिन में तीन मैचों की सीरीज को लेकर बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा बातचीत चल रही है। और भरोसा जताया कि सीरीज हो जाएगी। बीसीसीआई ने पहले भी सीआई को (2018, 2022 और 2023 में) डबलिन में छोटी सीरीज के लिए सहयोग किया है। अगर बातचीत कामयाब होती है, तो गेम जून के आखिरी हफ्ते में, इंग्लैंड टूर से पहले और अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद निर्धारित किए जा सकते हैं, जो दह से 20 जून के बीच एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलने वाले हैं। श्रीलंका सीरीज के बाद बीसीसीआई को शेड्यूलिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सितंबर में सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज होनी है, जो इंडियन क्रिकेट के लिए पहले से ही एक व्यस्त महीना है। बंगलादेश के छह सफेद गेंद मैच - तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 के लिए दौरे की भी घोषणा की गई है।

यह सीरीज, दोनों देशों के बीच हाल के डिप्लोमैटिक तनाव को देखते हुए भारत सरकार से मंजूरी मिलने पर ही होगी। इस बीच, तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के एक छोटे दौरे की भी बात हो रही है। हालांकि अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन यह दौरा सितंबर में हो सकता है, लगभग उसी समय जब वेस्ट इंडीज तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 के लिए भारत का दौरा करने वाला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ मैचों की सीरीज के अक्टूबर तक चलने की उम्मीद है। इसी बीच 2026 एशियन गेम्स भी हैं, जो 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने हैं। गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता टी-20 प्रारूप में खेली जायेगी और भारतीय डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट है। पुरुष मैच 25 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलेंगे, जिससे टी-20 स्क्वॉड के जापान में खेलने की संभावना बढ़ गई है, जबकि एक एकदिवसीय टीम उसी समय वेस्टइंडीज से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम के 18 अक्टूबर को न्यूजीलैंड पहुंचने की उम्मीद है, जहां वह पांच एकदिवसीय, पांच टी-20 और दो टेस्ट के पूरे टूर पर जाएगा। ऐसा समझा जाता है कि बीसीसीआई और न्यूजीलैंड क्रिकेट हाल ही में एकदिवसीय की संख्या तीन से बढ़ाकर पांच करने पर सहमत हुए हैं। दो टेस्ट 10 सफेद गेंद मैचों के बाद होंगे, जिनमें से पहला 22 अक्टूबर से शुरू होगा। भारत के दिसंबर के पहले हफ्ते में न्यूजीलैंड से घर लौटने की उम्मीद है, जब वे श्रीलंका के खिलाफ घर पर तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच खेलेंगे। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2027 में भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी।

बीसीसीआई ने आईपीएल में अभ्यास सत्र के नए दिशा-निर्देश जारी किए

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभ्यास सत्र के लिए नये दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकती जिसका इस्तेमाल दूसरी टीम ने अपने नेट सत्र के दौरान किया हो। बीसीसीआई की ओर से फ्रेंचाइजी के साथ साझा की गई प्रैक्टिस-सेशन गाइडलाइंस के अनुसार, अगर एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो नए नेट तैयार करने होंगे। पांच पेज की गाइडलाइंस में कहा गया है हर टीम को उनके तय प्रैक्टिस सेशन के लिए नए नेट दिए जाने चाहिए। अगर एक साथ प्रैक्टिस सेशन होते हैं या जब एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो पहली टीम को दूसरी टीम के नेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। अगर एक टीम प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर लेती है, तो दूसरी टीम को उनके रेंज-हिटिंग विकेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई टीम लाइट में अभ्यास मैच खेलना चाहती है, तो मैच साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं चलना चाहिए। टीमों को बीसीसीआई से पहले से इजाजत लेकर अधिक से अधिक दो अभ्यास मैच खेलने की इजाजत होगी और यह मेन स्क्वायर के किसी एक साइड विकेट पर होगा। उन्होंने कहा है कि मेन पिच पर अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता। सीजन के लिए पिच तैयार करने के लिए, संबंधित फ्रैंचाइजी के सीजन के पहले होम मैच से पहले के चार दिनों में मेन चौक पर कोई अभ्यास सत्र या अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता है। उन्होंने कहा, "इस दौरान, अगर घरेलू फ्रैंचाइजी कहती है, तो स्टेट एसोसिएशन को फ्रैंचाइजी को बिना किसी खर्च के एक दूसरा अभ्यास मैदान उपलब्ध कराना चाहिए। घरेलू टीम को विज़िटिंग साइड पर प्रिफरेंस मिलेगी। हालांकि होम टीम को पसंदीदा सेशन की पहली चॉइस मिलनी चाहिए, लेकिन अवे टीम की रिक्वेस्ट पर ध्यान दिया जाएगा, खासकर अगर उसने पिछले दिन कोई मैच खेला हो और मेहमान टीम के ट्रैवल अरेंजमेंट को ध्यान में रखते हुए। अभ्यास सत्र को लेकर टकराव होने पर बीसीसीआई दखल देगा। अगर होम और मेहमान टीमें एक ही समय पर अभ्यास करना चाहें, तो बीसीसीआई दोनों टीम मैनेजर से डबल बुकिंग को सुलझाने की कोशिश करने के लिए कहेगा - या तो कोई एक टीम दूसरा सेशन ले या दोनों टीमें सत्र साझा करें।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को निरीक्षण के बाद मिलेगी मंजूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार की विशेषज्ञ समिति के 13 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण के बाद मिलने वाली अंतिम मंजूरी के उपरांत इस मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच खेले जा सकेंगे।

इससे पहले इस महीने की शुरुआत में आईपीएल सहित सभी मैचों के आयोजन के लिए जो मंजूरी दी गई थी, वह 'सशर्त' थी। हालांकि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को भरोसा है कि आईपीएल मैचों की मेजबानी में कोई रुकावट नहीं आएगी।

केएससीए, चिन्नास्वामी स्टेडियम का नवीनीकरण कर रहा है, जिसमें कई नए एंट्री गेट लगाना और कई मौजूदा गेटों को चौड़ा कराना शामिल है। इस काम में आसपास के ढांचे को भी अपग्रेड किया जा रहा है, जैसे- नए वॉकवे बनाना, पुराने नेशनल क्रिकेट एकेडमी परिसर के पास एक होल्डिंग एरिया बनाना और आपातकालीन सेवाओं के लिए सीधे प्रवेश और निकास रास्ते तैयार करना शामिल है। जस्टिस डी''कुन्हा समिति की सिफारिशों के अनुसार केएससीए के पास 15 मार्च तक इस 'शॉर्ट-टर्म' सुधार से जुड़े सभी काम पूरे करने का समय है।

रियल मैड्रिड की मैनचेस्टर सिटी पर आसान जीत

मैड्रिड, एजेंसी

- चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की दो दिग्गज टीमों के बीच हुई टक्कर

फेडेरिको वाल्वरडे की शानदार हैट्रिक की मदद से रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की दो दिग्गज टीमों के बीच खेले गए अंतिम 16 के पहले चरण के मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

वाल्वरडे ने बर्नबेउ में खेले गए मैच के पहले हाफ में 20वें, 27वें और 42वें मिनट में गोल किए। उरुग्वे के इस अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ने चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाने वाले किलियन एमबाप्पे, जूड बेलिंगहैम और रोड्रिगो की अनुपस्थिति में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड की जिम्मेदारी बखूबी संभाली। रियल मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने ब्रॉडकास्टर मोविस्टार से कहा हम रियल मैड्रिड हैं। हमें कभी चुका हुआ समझने की गलती नहीं करें। यह जीत और भी शानदार हो सकती थी, लेकिन विनीसियस जूनियर दूसरे हाफ में पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए। उनके शॉट को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने बचा लिया।

मुकाबला

कॉनकाकैफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 सॉकर मैच के पहले हॉफ में नैशविले एससी के डिफेंडर मैक्सवेल वोलेजी (3) के खिलाफ फुटबॉल को आगे बढ़ाते इंटर मियामी फॉरवर्ड लियोनेल मेसी। • एजेंसी

जैक ड्रेपर ने जोकोविच को हराया

इंडियन वेल्स (अमेरिका), एजेंसी

मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा।

मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

नोवाक जोकोविच व जैक ड्रेपर। एजेंसी

भांबरी पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। भारत के युकी भांबरी ने स्वीडन के अपने साथी गोरान गोरानसन के साथ मिलकर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह पहला अवसर है जबकि भांबरी किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह दो बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके थे। भांबरी और गोरानसन ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एरलर और इटली के एंड्रिया वावस्सौरी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया।

हल्द्वानी के प्राकृतिक नजारों ने श्रीलंकाई क्रिकेटर तिलकरत्ने दिलशान को लुभाया

पवन सिंह कुंवर, हल्द्वानी

- गौलापार स्टेडियम में लीजेंड्स लीग क्रिकेट में पहुंचे
- कहा-प्रकृति की गोद में बना स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आदर्श

अमृत विचार। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान इन दिनों हल्द्वानी के गौलापार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में प्रतिभाग कर रहे हैं। अपने आक्रामक खेल और विश्वप्रसिद्ध 'दिलस्कूप' शॉट के लिए जाने जाने वाले दिलशान ने गुरुवार को स्टेडियम और उसके आसपास के क्षेत्र का दौरा कर यहां के प्राकृतिक सौंदर्य व वातावरण की खुलकर सराहना की।

प्राकृतिक नजारों को देखकर प्रभावित हुए दिलशान ने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में आकर उन्हें बेहद सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। यहां की स्वच्छ हवा, हरियाली और शांत वातावरण उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।

उन्होंने स्टेडियम के समीप बह रही गौला नदी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि नदी का बहता पानी और स्टेडियम का दृश्य एक साथ दिखाई दे तो यह नजारा और भी अद्भुत बन सकता है। प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित ऐसा स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आदर्श और प्रेरणादायक माहौल तैयार कर सकता है। श्रीलंकाई दिग्गज खिलाड़ी ने यह भी कहा कि उत्तराखंड की धरती खेल प्रतिभाओं के लिए बहुत संभावनाएं रखती है। यहां का वातावरण खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।

अगला लक्ष्य

विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद उत्साह बढ़ा

महिला हॉकी टीम की नजर एफआईएच क्वालीफायर पर

हैदराबाद, एजेंसी

विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिए शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिये फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है। आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है। हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आये हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने राष्ट्रीय टीम की तैयारियों का बचाव किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की राष्ट्रीय टीमों के निदेशक सुब्रत पॉल ने बृहस्पतिवार को एएफसी महिला एशियाई कप के लिए राष्ट्रीय टीम की तैयारियों का बचाव करते हुए उनकी ट्रेनिंग को 'काफी व्यापक' करार दिया। लेकिन भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में एएफसी महिला एशियाई कप के ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी। भारत ग्रुप सी के तीनों मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। टीम ने अपना अभियान मंगलवार को सिडनी में चीनी ताइपे से 1-3 से हार से समाप्त किया। हालांकि निराशाजनक नतीजों के बावजूद टीम ने अपने आखिरी मैच और वियतनाम के खिलाफ शुरूआती मैच में चुनौतीपूर्ण जज्बा दिखाया। पॉल ने पीटीआई से कहा मेरा मानना है कि तैयारी असल में काफी व्यापक थी। भारतीय टीम ने तैयारी के लिए लगभग 48 दिन विदेश में बिताए। टीम ने तुर्की में छह और ऑस्ट्रेलिया में दो मैच खेले। उससे पहले उन्होंने दुबई में छह दिन बिताए और दो मैच खेले। इससे पहले शिलांग में 13 दिन का शिविर किया था, जहां उन्होंने दो मैच भी खेले थे। उन्होंने कहा, इसके अलावा राष्ट्रीय टीम की सात खिलाड़ियों ने ईस्ट बंगाल का प्रतिनिधित्व किया जिसमें उन्होंने सैफ और एएफसी के मैच खेले और 'इंडियन वुमेंस लीग' में भी हिस्सा लिया, जहां उन्होंने छह से सात मैच खेले। भारत के पूर्व गोलकीपर पॉल ने कहा इस तरह खिलाड़ियों ने करीब 67 दिन के लिए तैयारी की और 13 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले।